प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

भाकृअनुप
ICAR

वार्षिक प्रतिवेदन
2014-15

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

नई दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन
2014-15

अप्रैल 1, 2014 से मार्च 31, 2015

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधाान भवन 1, पूसा,
नई दिल्ली 110 012

भाकृअनुप
ICAR

मुद्रण : जून, 2015

मुख्य संरक्षक : डा. गुरबचन सिंह
अध्यक्ष

संरक्षक : डा. वी.एन. शारदा
सदस्य

डा. एस.के. बन्दोपाध्याय
सदस्य

मार्गदर्शन : श्री एन.एस. रंधावा
सचिव

संपादक : डा. ए.पी. रूहिल
प्रधान वैज्ञानिक

डा. सुरेश पाल
मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री पी.आर. राव
उपनिदेशक (राजभाषा)

प्रोडक्शन : डा. वी.के. भारती
श्री पुनीत भसीन

सहायता : श्री चितेश कौशिक
श्री खूबराम

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110012, दूरभाष संख्या 011–25848172, 25840251 द्वारा प्रकाशित मैसर्स प्रिन्ट–ओ–वर्ल्ड, 2579, मंदिर लेन, शादीपुर, नई दिल्ली–110008 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, नई दिल्ली 110028 के द्वारा मुद्रित।

प्रस्तावना

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की वार्षिक प्रतिवेदन 2014–15 को प्रस्तुत करते हुए मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है। चूंकि मानव संसाधन का प्रवेश तथा उनका विकास एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, अतः कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की अधिदेश गतिविधियों में भी निरन्तरता बनी रहती है। विभिन्न नियुक्ति प्रक्रियाओं में सुधार करना एवं गुणवत्ता लाना तथा समय–समय पर इन्हें अनुकूलतम बनाना ही मंडल की विशेषता है। इस संदर्भ में मंडल के लिए यह रिपोर्ट अवधि अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा क्योंकि मंडल द्वारा सुधार एवं परिष्कृत करने की पहल से इसकी दिशा और गति में पूर्णतः परिवर्तन आया है। चाहे माननीय प्रधान मंत्री जी का ''सबका साथ, सबका विकास'' तथा ''प्रत्येक बूंद जल से अधिक फसल'' या माननीय कृषि मंत्री जी का किसानों तक पहुंचने पर बल देने का संबोधन हो, इनका मूल उद्देश्य अत्यन्त स्पष्ट है कि किसान केन्द्रित अनुसंधान कार्यों से फार्म क्षेत्र की समस्याओं के समाधान से ग्रामीण विकास एवं प्रगति प्राप्त करना है। मैं वास्तव में प्रसन्न हूं कि मंडल अपनी सुधार प्रक्रिया को पुर्नस्थापित करने तथा इसे अनुकूलतम बनाने की दिशा में इन नीतिगत कार्यक्रमों को अपनाने में सफल रहा ताकि राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली में उच्च गुणीय मानव संसाधनों को ला सके।

हमेशा से ही यह चिन्ता का विषय रहा है कि किस प्रकार प्रतिकूल क्षेत्रों में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत वैज्ञानिकों द्वारा स्थानीय स्तर पर दिए गए योगदान की पहचान करें तथा उन्हें पुरस्कार एवं पारितोषिक दिया जाए तथा उनके कार्य को प्रेरित करने हेतु कैरियर एडवांसमैंट स्कीम में किस प्रकार प्रोत्साहन दिया जाए। माननीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. विशेष रूप से यह बल देते आ रहे हैं कि स्थानीय स्तर पर अनुसंधान सहायता प्रणाली तथा किसानों के समीप होकर कार्य करने की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाया जाए। मुझे प्रसन्नता है कि कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने स्कोर कार्ड प्रणाली को पूर्ण रूप से संशोधन कर इसका समाधान किया। एक बार संशोधित स्कोर कार्ड लागू हो जाए तो हम आशा कर सकते हैं कि पार्श्व प्रवेश द्वारा अनुसंधान तथा अनुसंधान प्रबंधन पदों पर नियुक्तियों में महत्वपूर्ण गुणात्मक सुधार होंगें।

कृषि शिक्षा के पैमानें, संभावनाएं तथा विशेषताओं में अत्यन्त तेजी से विस्तार होता देखा जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप मंडल से यह अनुरोध किया जा रहा है कि कृषि अनुसंधान सेवा तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के वर्तमान पाठ्यक्रम में नए विषय क्षेत्रों का समावेश और स्थान दिया जाए। मंडल ने इस प्रकार के कुछ अनुरोधों को वहां पर स्वीकार कर लिया है जहां पर देखा गया है कि इनका उपयुक्त औचित्य है। परन्तु अनेक मामलों में इस प्रकार के अनुरोधों पर नीतिगत गहन परिक्षण के बिना संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से स्वीकार करना कठिन है। कृषि अनुसंधान सेवा तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के विषय क्षेत्र तथा पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली के अनुसंधान तथा शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। इस संदर्भ में आपको यह बताते हुए मुझे प्रसन्नता है कि इस प्रकार की पहलुओं पर एक कार्यशाला सह विचार मंथन सत्र के माध्यम से मंडल ने विशेषज्ञों के विचारों का संग्रहण किया। इस विचार मंथन सत्र से उभरी संस्तुतियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यदि एक बार इनका कार्यान्वयन हो जाए तो आशा है कि प्रणाली के हित में इस प्रकार की पहलुओं का समाधान हो जाएगा।

वैज्ञानिकों के आउटपुट तथा कार्यक्षमता को अनुकूलतम बनाने की दिशा में कैरियर एडवांसमैंट स्कीम के तहत समय पर पदोन्नतियां देना प्रोत्साहन होगा। मंडल ने इस संदर्भ में विशेष प्रयास किया है। इस अवधि के दौरान कैरियर एडवांसमैंट स्कीम के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक पद से प्रधान वैज्ञानिक पद पर पदोन्नतियों के सभी मामलों को अद्यतन किया गया। भविष्य में वैज्ञानिकों को कैरियर एडवांसमैंट स्कीम के अंतर्गत दी जाने वाली पदोन्नतियों को समय पर देने हेतु समय सीमा का निर्धारण किया गया।

मंडल द्वारा ऑनलाइन आयोजित एआरएस (प्रारम्भिक) और नेट परीक्षाओं से अर्जित अनुभव के आधार पर पार्श्व/सीधी भर्ती के आवेदनों तथा कैरियर एडवांसमैंट स्कीम के अंतर्गत पदोन्नतियों से सबंधित आवेदनों को भी ऑनलाइन पंजीकरण के अंतर्गत लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रणाली को

तभी लागू किया जाएगा जब परीक्षणों और पॉयलट ड्रिल के माध्यम से इसे पूरी तरह जांच कर लिया जाएगा। कृ.वै.च.मं. को आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध करा कर इसे सुदृढ़ बनाना अभी भी चिन्ता का विषय बना हुआ है। हमें आशा है कि निकट भविष्य में यह चिन्ता दूर हो जाएगी। लम्बे समय से बना हुआ एक अन्य पहलु है, स्वतंत्र कार्यालय भवन ताकि एक राष्ट्रीय स्तर की नियुक्ति निकाय के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक तथा अन्य उपाय किया जा सके। वास्तव में मुख्यालय की 12वीं योजना ईएफसी में यह एक प्रमुख प्रस्ताव है, आशा है निकट भविष्य में इसकी पूर्ति होगी।

माननीय श्री राधा मोहन जी, अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री; माननीय केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बालियान एवं श्री मोहनभाई कुन्दरिया के प्रति निरन्तर उनकी सहायता, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन के लिए कृ.वै.च.मं. सदैव अभारी रहेगा। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के प्रयासों में डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प.; श्री अरविन्द आर. कौशल, पूर्व अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प.; श्री आर. राजगोपाल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. तथा श्री पी. के. पुजारी, विशेष सविच एवं वित्त सलाहकार, भाकृअनुप/डेयर के सहयोग लिए कृ.वै.च.म. उनके प्रति अभारी हैं।

कृ.वै.च.मं. में मेरे सहयोगी डॉ. वी. एन. शारदा एवं डॉ. एस. के. बन्दोपाध्याय, सदस्यगण तथा श्री एन. एस. रंधावा, सचिव एवं अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।

इस प्रतिवेदन को समय पर प्रकाशित करने में डॉ. रामेश्वर सिंह, निदेशक, डी.के.एम.ए. के अलावा डॉ. वी. के. भारती, मुख्य उत्पादन अधिकारी एवं श्री पुनीत भसीन, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, डी.के.एम.ए. के सहयोग के लिए उन्हें विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं।

गुरबचन सिंह

(गुरबचन सिंह)
अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं.

विषय सूची

	प्रस्तावना	*iii*
	कार्यकारी सारांश	*vii*
1.	भूमिका	1
2.	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)	5
3.	परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां	6
4.	सीधी भर्ती	9
5.	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारीरिक विकलांग और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्तियां	11
6.	वैज्ञानिकों का मूल्यांकनः कैरियर एडवांसमेंट स्कीम	12
7.	सुधार	13
8.	सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 का अनुपालन	20
9.	राजभाषा हिन्दी की प्रगति	21
10.	स्थापना दिवस समारोह	22
11.	महिला सशक्तिकरण	25
12.	विविध	26
13.	सम्मान/एवार्ड	27
14.	दौरे	29
15.	प्रकाशन	33

अनुलग्नक

1.	भा.कृ.अनु.प. सोसाइटी के नियमों व उपनियमों के प्रावधानों का उल्लेख	35
2.	वर्ष 2014–15 के दौरान मंडल की प्राप्तियां एवं खर्च	37
3.	पिछले पांच वर्षों में मंडल के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण	38
4(अ).	राष्ट्रीय पात्रतापरीक्षा 2014–I एवं II में उम्मीदवारों का विषयवार विवरण	39
4(ब).	दिनांक 22–28 सितम्बर, 2014 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा–2014 (प्रारम्भिक) परीक्षा में उम्मीदवारों का विषयवार विवरण	41
4(स).	दिनांक 28 दिसम्बर, 2014 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा–2014 (मुख्य) परीक्षा में उम्मीदवारों का विषयवार विवरण	43
5.	सीधी भर्ती 2014–15	45

6. पदों का विवरण जिन पर भर्ती नहीं की जा सकी 2014–15 55

7(अ). वर्ष 2014–15 के दौरान भा.कृ.अनु.प. के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले 58

7(ब). वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों से प्रधान वैज्ञानिक पदों (न्यायिक मामलों की समीक्षा) पर किए गए मूल्यांकनों का विषय क्षेत्रवार विवरण 60

7(स). वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों से प्रधान वैज्ञानिक पदों (दिनांक 31.12.1998 से प्रभावी कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत) पर किए गए मूल्यांकनों का विषय क्षेत्रवार विवरण 61

8. संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन 62

9. संस्थानों की सूची जिनमें वर्ष 2014–15 के दौरान कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन 64

10. वर्ष 2014–2015 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या 66

11. कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवा निवृतियां इत्यादि) 67

12. दिनांक 31.03.2015 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची 68

कार्यकारी सारांश

वार्षिक प्रतिवेदन 2014–15 मोटे तौर पर दिनांक 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की गतिविधियों का लेखा–जोखा है। परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां करना एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। विभिन्न विषयक्षेत्रों में प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों की नियुक्ति हेतु कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर/लेक्चरर की नियुक्ति के लिए आवश्यक प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के दो अतिमहत्वपूर्ण कार्य हैं। रिपोर्ट अवधि के दौरान एआरएस–2013 परीक्षा का सम्पूर्ण चक्र पूर्ण कर कृषि अनुसंधान सेवा के 48 विषय क्षेत्रों में 362 उम्मीदवारों की नियुक्ति हेतु संस्तुतियां दी गईं। एआरएस–2014 के लिए 37 विषय क्षेत्रों के 307 रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए दिनांक 9 अगस्त, 2014 को अधिसूचना जारी की गई। एआरएस (प्रारम्भिक)–2014 परीक्षा का आयोजन दिनांक 22–28 सितम्बर, 2014 (जम्मू एवं काश्मीर केन्द्र में दिनांक 27–31 अक्टूबर) के दौरान पूर्ण रूप से ऑनलाइन पद्धति द्वारा तथा एआरएस–2014 मुख्य परीक्षा का आयोजन दिनांक 28 दिसम्बर, 2014 को किया गया जिसमें 2065 योग्यता प्राप्त उम्मीदवार उपस्थित हुए। अधिसूचित सभी विषयक्षेत्रों में एआरएस–2014 मौखिक परीक्षा का आयोजन मार्च–अप्रैल, 2015 के दौरान कृ.वै.च.मं. में किया गया तथा परिणामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इन्हें अप्रैल, 2015 में अधिसूचित कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) का आयोजन अब वर्ष में दो बार किया जा रहा है। तदनानुसार नेट–2014(I) का आयोजन दिनांक 26 मार्च से 4 अप्रैल, 2014 के दौरान किया गया इसमें 55 विषय क्षेत्रों में 2,712 उम्मीदवार सफल हुए। 56 विषय क्षेत्रों में नेट–2014(II) का आयोजन एआरएस–2014 प्रारम्भिक परीक्षा के साथ दिनांक 22–28 सितम्बर, 2014 के दौरान पूरी तरह ऑनलाइन किया गया जिसमें 4,225 उम्मीदवार सफल हुए।

कैरियर एडवांसमैंट स्कीम के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक पद से प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड में समयानुसार पदोन्नति के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई। इस प्रक्रिया के अंतर्गत वर्ष 2014 के अंत तक के 45 विषय क्षेत्रों के सभी 195 मामलों पर विचार किया एवं संस्तुतियां परिषद् मुख्यालय को भेज दी गईं। पदोन्नतियों का प्रतिशत् लगभग 88% (6% विलंबित संस्तुतियों सहित) रहा जिससे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थागत व्यवस्था में अनुसंधान प्रणाली की सुदृढता प्रतिबिंबित होती हैं। इस प्रकार कैरियर एडवांसमैंट स्कीम के अंतर्गत सभी पदोन्नतियों का अध्यतन किया गया है और भविष्य के लिए समय सीमाएं तय की गईं ताकि कार्य समय सीमा के अनुसार हो एवं वैज्ञानिकगणों को उनकी पदोन्नतियां समय पर प्राप्त हो सके।

सीधी भर्ती/पार्श्व नियुक्तियों के माध्यम से विभिन्न अनुसंधान, अनुसंधान प्रबंधन तथा वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर नियुक्तियां करना भी इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण कार्य रहा। इस अवधि के दौरान अनुसंधान के 86 पदों, मध्यम स्तर के प्रबंधन के 62 पदों जैसे प्रभागाध्यक्ष/ प्रादेशिक केन्द्रों के अध्यक्ष, प्रबंधन स्तर के 41 पद जैसे संस्थानों के निदेशक, परियोजना समन्वयक, जोनल परियोजना निदेशक एवं 15 वरिष्ठ प्रबंधन पदों जैसे राष्ट्रीय निदेशक, उपमहानिदेशक पदों के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन के लिए 3 खुले विज्ञापन जारी किए गए। कुल 143 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण की गई जैसे वरिष्ठ वैज्ञानिक/प्रधान वैज्ञानिकों के 14 पद, मध्यम स्तर जैसे प्रभागाध्यक्ष, प्रादेशिक केन्द्रों के अध्यक्ष के 92 पद, प्रबंधन स्तर के 32 पद जैसे परियोजना समन्वयक/जोनल परियोजन निदेशक/निदेशक एवं 5 वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पद। सम्पूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया के पश्चात् 117 मामलों में नियुक्ति की संस्तुतियां दी गई जबकि 26 पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हुए।

प्रशासनिक अधिकारी एवं वित्त व लेखा अधिकारी पदों के लिए अखिल भारतीय खुली प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन दिनांक 23 नवम्बर, 2014 को किया गया जिसके लिए 23,987 उम्मीदवारों ने पंजीकरण करवाया था जिसकी मूल्यांकन प्रक्रिया प्रगति पर है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद प्रणाली में 270 रिक्त सहायक पदों की भर्ती हेतु एक अखिल भारतीय स्तर पर सम्पूर्ण रूप से आनॅलाइन पद्धति

द्वारा सहायक ग्रेड (प्रारम्भिक) परीक्षा का आयोजन दिनांक 5 जनवरी से 2 फरवरी, 2015 के दौरान देश के विभिन्न भागों में स्थित 23 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित किया गया। सहायक ग्रेड (मुख्य) परीक्षा का आयोजन देश के विभिन्न भागों में से 12 परीक्षा केन्द्रों में जून माह में निर्धारित है।

दिनांक 22–23 दिसम्बर, 2014 के दौरान अनुभाग अधिकारी तथा निजी सचिव के 14 पदों की भर्ती हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। इसी प्रकार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् मुख्यालय में सहायक के 7 रिक्त पदों की भर्ती हेतु सीमित विभागीय परीक्षा का आयोजन दिनांक 27–28 नवम्बर, 2014 के दौरान किया गया। परिषद मुख्यालय में उच्च श्रेणी लिपिक पदों की भर्ती हेतु एक अन्य सीमित विभागीय परीक्षा का आयोजन दिनांक 27 फरवरी, 2015 को किया गया।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने वर्ष 2014 में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली की सेवा में 41 वर्ष पूर्ण कर लिए और इस उपलक्ष्य में मंडल ने 1 नवम्बर, 2014 को 41वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जिसके उदघाटन सत्र में माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. श्री राधामोहन सिंह जी ने वैज्ञानिक समुदाय को संबोधित किया। अन्य विषयों के साथ–साथ उन्होने इस विषय पर बल दिया कि फार्म सेक्टर विशेषकर ग्रासरूट स्तर पर एक संवेदनशील तथा किसानों के प्रति मैत्रीपूर्ण अनुसंधान सहायता प्रणाली को उपलब्ध कराना है। प्रोफेसर डा. राघवेन्द्र गडगकर, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा श्री राधा मोहन सिंह जी, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री को कृ.वै.च.मं. की वार्षिक रिपोर्ट 2013–14 प्रस्तुत करते हुए

अकादमी ने स्थापना दिवस व्याख्यान के दौरान कहा कि वर्तमान समय में वैज्ञानिक प्रयासों की अनन्त संभावनाएं है। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने अपने स्टेक होल्डरों से नियमित तौर पर फीडबेक लेने के संदर्भ में एक द्विभाषीय अर्धवार्षिक न्यूजलेटर प्रकाशित करने की पहल की है। इस न्यूजलेटर के प्रथम अंक का विमोचन माननीय कृषि मंत्री द्वारा 41वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 1 नवम्बर, 2014 को किया गया।

नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित वैज्ञानिक स्कोर कार्ड के साथ–साथ योजना, विषय क्षेत्र, पाठ्यक्रम आदि संबंधित विषयों पर समय–समय पर विभिन्न स्थानों से चिंताएं जताई गई। माननीय केन्द्रिय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष कृषि अनुसंधान परिषद् ने भी अनेक अवसरों पर कुछ विषयों पर चिंता व्यक्त की। इस प्रकार की पहलुओं पर बृहत रूप में विशेषज्ञतायुक्त फीडबेक प्राप्त करने के लिए विशेषकर स्टेक होल्डरों के अलावा विभिन्न वैज्ञानिक प्रणालियों के विशेषज्ञों से राय लेने हेतु कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने दिनांक 16–17 जनवरी, 2015 के दौरान राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में एक दो दिवसीय कार्यशाला सह विचार मंथन सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के वर्तमान एवं पूर्व

कुलपतिगण, पूर्व महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प.; कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पूर्व सदस्यगण; संघ लोक सेवा के पूर्व अध्यक्ष; भा.कृ.अनु.प. के चयनित संस्थानों के निदेशकगण के अलावा सरकारी संगठनों के काफी वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कृ.वै.च.म. के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा परिषद् के कुछ वरिष्ठ अधिकारीगण सम्मिलित हुए हैं। इस सत्र में की गई चर्चाएं काफी सफल रहीं। इस सत्र द्वारा की गई संस्तुतियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है तथा इनके लागू हो जाने से प्रणाली के हित में अनेक चिंताएं दूर हो जाएंगी। इस दो दिवसीय कार्यशाला सह विचार मंथन सत्र का उदघाटन माननीय केन्द्रिय कृषि मंत्री तथा माननीय केन्द्रिय कृषि राज्य मंत्री द्वारा किया गया जिन्होंने स्पष्ट रूप से किसानों के लिए स्थानीय रूप से ग्रास रूट स्तर पर अनुसंधान सहायता प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया।

किसी भी संगठन में उसके कार्यों में पारदर्शिता उस संगठन की उत्कृष्टता को दर्शाता है। यह विशेषकर कृ.वै.च.मं. जैसे राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्र नियुक्ति निकाय पर लागू होता है। चाहे आवेदनों की जांच हो, साक्षात्कार या परीक्षा प्रक्रिया या सलाहकारों/परीक्षकों/पैपर सैटर/मूल्यांकनकर्ताओं को सूचीबद्ध करना हो, इन सभी कार्यों में मंडल में सभी स्तरों पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु आंतरिक जांच एवं उद्देश्यपूर्णतः अपनाया जाता है। रिपोर्ट अवधि के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की यह उपलब्धि रही कि सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचनाओं को निर्धारित समय सीमा में नियमों के अनुसार उपलब्ध कराई गई। कृ.वै.च.मं. को किसी भी अवसर पर निंदा या प्रतिकूल टिप्पणियों का सामना नहीं करना पड़ा, चाहे सूचना अधिकार अधिनियम के मामलें हो या विभिन्न न्यायालयों के समक्ष प्रस्तुत मामलें हों। इसी प्रकार कृ.वै.च.मं. ने राजभाषा कार्यान्वयन के मामले में भी विशेष प्रयास किया। राजभाषा की प्रगति हेतु सभी संभव प्रयास एवं उपाय किए गए जिनमें उम्मीदवारों को साक्षात्कारों में हिन्दी का विकल्प देना भी शामिल है। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पुस्तकालय में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों का भी संग्रहण किया गया ताकि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अलावा बाहर से आने वाले विशेषज्ञ/सलाहकार/पैपर सैटर/मूल्यांकनकर्ता भी इनका उपयोग कर सकें। प्रश्न बैंक और सलाहकार/विशेषज्ञों के डेटाबेस को निरन्तर अध्यतन, उन्नयन तथा विस्तार हेतु विशेष प्रयास किए गए।

परीक्षाओं की संख्या, क्षेत्र तथा पैमाने में विस्तार तथा नियुक्ति गतिविधियों में वृद्धि के कारण कुछ गंभीर कठिनाईयां उत्पन्न हुई जैसे कार्यालय में प्रर्याप्त स्थान न होना तथा प्रशासनिक वर्ग के नियमित कर्मचारियों का अत्यधिक अभाव आदि। आशा है कि निकट भविष्य में भा.कृ.अनु.प. अतिरिक्त कर्मचारियों को उपलब्ध कराएगा। कृ.वै.च.मं. ने 12वीं योजना में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मुख्यालय की इएफसी में एक स्वतन्त्र कार्यालय भवन का प्रस्तावित किया। एक बार इस आवश्यकता की पूर्ति हो जाए तो मंडल सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय तथा संबंधित कार्यप्रणाली को अपना सकता है जो राष्ट्रीय स्तर के एक स्वतन्त्र नियुक्ति निकाय के लिए आवश्यक होता है। मंडल को नियुक्ति प्रक्रिया में स्वायत्तता तथा स्वतन्त्रता उपलब्ध है जबकि कुछ प्रशासनिक एवं वित्तीय समस्याएं हैं; विशेषकर विशेषज्ञों/सलाहकारों/पैपर सैटर/मूल्यांकनकर्ताओं के लिए मानदेय की दरों तथा पारितोषिकी को समय–समय पर संशोधन करने तथा मंडल की नियुक्ति कार्यों के लिए आने जाने वाले विशेषज्ञों की यात्रा के संदर्भ में कुछ लचीलापन अपनाने के संदर्भ में। यदि इन समस्याओं का समाधान प्रर्याप्त प्रशासनिक अधिकार दे कर किया जाता है तो राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली के हित में सभी नियुक्ति संबंधी कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ सलाहकार/विशेषज्ञ सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

1

भूमिका

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की स्थापना सन् 1973 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए एक स्वतंत्र भर्ती निकाय के रूप में भारत सरकार द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के तत्कालीन सदस्य डॉ. एम.एल. सहारे की अध्यक्षता में की गई। अपने अधिदेश के अनुसार कृ.वै.च.मं., भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् मुख्यालय तथा पूरे देश में फैले इसके अनुसंधान संस्थानों में श्रेष्ठ वैज्ञानिकों एवं अन्य प्रबंधन कार्मिकों की नियुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा मंडल परिषद को मानव संसाधन एवं इनके विकास हेतु कृषि वैज्ञानिक सेवा के वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम सहित अन्य योजनाओं को तैयार करने एवं उन्हें कार्यान्वित करने में सहायता और सुझाव देता है। 41 वर्ष पूर्व अपनी स्थापना से ही कृ.वै.च.मं. राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली की वर्तमान एवं उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रतिभा खोज की योजनाओं में सुधार एवं परिष्कृत करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

अधिदेश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का अधिदेश है कि देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं पूरे देश में फैले इसके संस्थानों में विभिन्न पदों के लिए अतिउत्तम मानव संसाधनों को उपलब्ध कराना है। कैबिनेट निर्णय के अनुसार मंडल को निम्नलिखित दायित्व सौंपे गए हैं।

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में कृषि अनुसंधान सेवा के विभिन्न पदों तथा समय समय पर अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा सूचित पदों एवं सेवाओं पर नियुक्तियां करना।
- अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अपेक्षित पदोन्नतियों सहित कार्मिक मामलों में परिषद को सहायता देना।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा नियुक्त व मंडल की सहमति से परिषद द्वारा नियुक्त अधिकारियों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों में परिषद को सुझाव देना।

अखिल भारतीय स्तर पर कृषि अनुसंधान सेवा के गठन के पश्चात मंडल को निम्नलिखित अतिरिक्त दायित्व सौंपे गए।

- अखिल भारतीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि वैज्ञानिक सेवा के प्रवेश स्तर के वैज्ञानिक ग्रेड में नियुक्तियां करना।
- कृषि वैज्ञानिक सेवा के गठन के प्रारम्भ में भा.कृ.अनु.प. के वर्तमान वैज्ञानिकों को कृषि वैज्ञानिक सेवा में सम्मिलित करना।
- कृषि वैज्ञानिक सेवा के वैज्ञानिकों के मेरिट प्रमोशन एवं अग्रिम वेतन वृद्धियों के लिए मूल्यांकन करना।

इनके अतिरिक्त कृ.वै.च.मं. को तकनीकी सेवा के अंतर्गत एक निर्धारित स्तर से ऊपर के अधिकारियों तथा प्रशासनिक व लेखा पदों जैसे प्रशासनिक अधिकारी/वित्त व लेखा अधिकारी, सहायक निदेशक (राजभाषा) और सहायक पदों पर नियुक्तियां करना जो कि सीधी भर्ती या खुली प्रतियोगिता परीक्षाओं के माध्यम से करनी होती हैं। चयन मंडल के कर्तव्य एवं दायित्वों का उल्लेख भा.कृ.अनु.प. सोसाइटी के नियम एवं उपनियमों में किया गया है (परिशिष्ट–1)।

चयन मंडल 56 विषय क्षेत्रों में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा का भी आयोजन वर्ष में दो बार करता है जो राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर/लेक्चरर पदों पर प्रारम्भिक नियुक्ति के लिए अपेक्षित है।

संगठन

मंडल में एक अध्यक्ष तथा दो सदस्य होते हैं और इनकी सहायता के लिए एक सचिव होता है। मंडल के दायित्वों के कुशल अनुपालन के लिए दो परीक्षा नियंत्रक, एक उपसचिव तथा एक प्रधान वैज्ञानिक के अलावा अन्य प्रशासनिक, वित्तीय एवं तकनीकी अधिकारी व कर्मचारीगण भी हैं।

चयन मंडल में दिनांक 31 मार्च, 2015 को अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 78 है (परिशिष्ट–10)। दिनांक 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 के दौरान चयन मंडल के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों की सूची परिशिष्ट–12 में दी गई है।

वित्तीय खर्च

चयन मंडल ने वित्त वर्ष 1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च, 2015 के दौरान गैर योजना खर्च के अंतर्गत ₹1651.93 लाख तथा एनएआईपी/विश्व प्रायोजित ऑनलाइन परीक्षा उप–परियोजना के अंतर्गत ₹ 598.07 लाख खर्च किया। खर्च का विवरण परिशिष्ट–2 में दिया गया है।

गतिविधियां

अधिदेशित गतिविधियों के कार्य निष्पादन के दौरान मंडल भर्ती एवं मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों में संलिप्त रहा। चयन मंडल के पिछले पांच वर्षों में मंडल की गतिविधियों का तुलनात्मक विवरण परिशिष्ट–3 में वर्णित किया गया है।

वर्ष के दौरान मंडल में भा.कृ.अनु.प. से आचरण, अस्थायी नियुक्तियां के संदर्भ में नियम II (5), नियम 15 (5) के अंतर्गत तथा प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के संदर्भ में नियम II (7) के अंतर्गत सुझाव हेतु कोई मामला नहीं आया है।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का आरगेनोग्राम

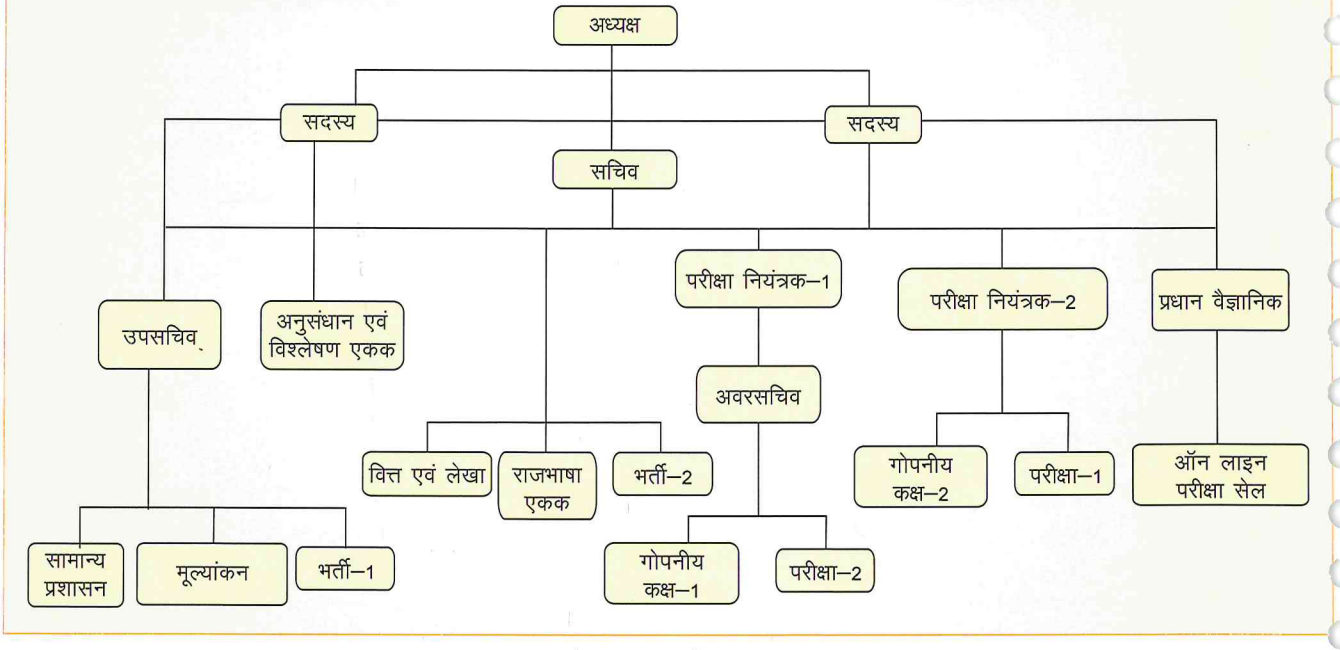

कृ.वै.च.मं. का वर्तमान ढांचा

वर्ष 2014–2015 के दौरान कृ.वै.च.मं. की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

गतिविधियां	संख्या
1. साक्षात्कार के माध्यम से नियुक्तियां (सीधी भर्ती)	
• पद जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया पिछले वर्षों से लम्बित रही	92
• चालू वर्ष के दौरान नियुक्तियों हेतु प्राप्त पद	118
• पदों की संख्या जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई	143
• विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	1741
• साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	570
• नियुक्ति हेतु सिफारिश किए गए उम्मीदवारों की संख्या	117
• ऐसे मामलें जिनमें उपयुक्त उम्मीदवार नहीं पाया गया	19
• ऐसे मामलें जिनमें साक्षात्कार के लिए कोई उम्मीदवार उपस्थित न हुआ हो	07
• वर्ष के दौरान विज्ञापनों में दिए गए विभिन्न पदों हेतु प्राप्त आवेदनों की जांच	2000
• ऐसे पद जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है	164
• विज्ञापित पदों की संख्या	204
2. परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां	
(i) राष्ट्रीय पात्रता प्रमाण पत्र हेतु आयोजित ऑनलाइन नेट परीक्षा, 2014 (I)	
• पंजीकृत आवेदकों की संख्या	18,245
• उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	14,178
• उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	2,712
• जारी किए गए नेट प्रमाण पत्र	2,712
(ii) राष्ट्रीय पात्रता प्रमाण पत्र हेतु आयोजित ऑनलाइन नेट परीक्षा, 2014 (II)	
• पंजीकृत आवेदकों की संख्या	25,359
• उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	18,415
• उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	4,225
• जारी किए गए नेट प्रमाण पत्र	4,225
(iii) प्रवेश स्तर के वैज्ञानिक पदों के लिए एआरएस परीक्षा, 2013	
• प्रारम्भिक परीक्षा हेतु पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों की संख्या	17,180
• परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	12,850
• मुख्य परीक्षा हेतु प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	3,638
• मुख्य परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	3,239
• चयनित उम्मीदवारों की संख्या	362

गतिविधियां	संख्या
(iv) प्रवेश स्तर के वैज्ञानिक पदों के लिए एआरएस परीक्षा, 2014	
• प्रारम्भिक परीक्षा हेतु पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों की संख्या	12,691
• प्रारम्भिक परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	9,177
• मुख्य परीक्षा हेतु प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	2,065
• मुख्य परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	1,835
(v) सहायक निदेशक (राजभाषा) परीक्षा	
• परीक्षा हेतु पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों की संख्या	534
• परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	172
(vi) प्रशासनिक अधिकारी तथा वित्त व लेखा अधिकारी परीक्षा	
• परीक्षा हेतु पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों की संख्या	23,987
• परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	10,434
(vii) सहायक पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा	
• प्रारम्भिक परीक्षा हेतु पंजीकरण कराने वाले उम्मीदवारों की संख्या	70,645
• प्रारम्भिक परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	24,468
3. मूल्यांकन तथा मूल्यांकनों की समीक्षा	
• संशोधित सीएएस के तहत वरिष्ठ वैज्ञानिकों का प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड में पदोन्नति हेतु मूल्यांकन	195
• पुराने सीएएस के तहत वरिष्ठ वैज्ञानिकों का प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड में पदोन्नति हेतु मूल्यांकन तथा न्यायालय में पड़े मामलों की समीक्षा	50
• वैज्ञानिकों के इन्डक्शन	1
• पंचवर्षीय मूल्यांकन	1
• मूल्यांकन की समीक्षा	1
4. गठित समितियां	
• सीधी भर्ती के स्कोर कार्ड की समीक्षा हेतु	1
• भा.कृ.अनु.प. द्वारा स्कोर कार्ड प्रणाली में असुविधाजनक घोषित परिषद के एककों/ केन्द्रों/स्टेशनों की सूची की समीक्षा हेतु	1

महत्वपूर्ण घटनाएं

स्थापना दिवस समारोह

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने भारतीय राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली की सेवा में 40 वर्षों से अधिक की सेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अपना 41वां स्थापना दिवस 1 नवम्बर, 2014 को मनाया। इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री तथा अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. श्री राधा मोहन सिंह जी मुख्य अतिथि रहे। स्थापना दिवस व्याख्यानदाता डा. गजेन्द्र गडगकर, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय अकादमी ने कृषि विज्ञान सहित विज्ञान के क्षेत्र में उभरते नई पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला सह विचार मंथन सत्र

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने ''राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली में प्रतिभा की खोज को अनुकूलतम बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 16–17 जनवरी, 2015 के दौरान एक दो दिवसीय कार्यशाला सह विचार मंथन सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार ने किया, जिसमें 50 से अधिक चयनित उच्च स्तर के प्रतिनिधियों जैसे चयनित राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के उपकुलपतिगण, भा.कृ.अनु.प. के मानद विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय निदेशकगण, परिषद के अनुसंधान संस्थानों के निदेशक तथा परिषद के वरिष्ठ अधिकारीगण के अलावा साथी संस्थान जैसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

हिन्दी प्रतियोगिताएं

इस वर्ष के दौरान मंडल ने अनेक हिन्दी प्रतियोगिताओं जैसे हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता, हिन्दी पत्र लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी शब्दावली प्रतियोगिता एवं आशुभाषण की प्रतियोगिता का आयोजन किया। मंडल के अनेक अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंडल में दिनांक 15 से 22 सितम्बर, 2014 के दौरान आयोजित हिन्दी सप्ताह में नगद पुरस्कार दिया गया।

श्रीमती प्रियंवदा, निदेशक (राजभाषा), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में डॉ. सुरेश पाल को प्रथम पुरस्कार

स्वच्छ भारत अभियान

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने स्वच्छ भारत अभियान की सफलता के लिए पूर्ण निष्ठा से जमीनी स्तर पर कार्य प्रारम्भ किया। मंडल के अध्यक्ष डा. गुरबचन सिंह ने मंडल के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों को साथ लेकर दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को कार्यालय परिसर तथा कृषि अनुसंधान भवन–1 के चारों ओर विशेष सफाई हेतु एक अभियान प्रारम्भ किया।

स्वच्छता अभियान में कृ.वै.च.मं के अध्यक्ष एवं सचिव

स्वच्छता अभियान में कृ.वै.च.मं के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भाग लेते हुए

नव वर्ष पर सफाई अभियान

कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष ने अपने सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों सहित 1 जनवरी, 2015 को पूसा परिसर में विशेष सफाई अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्वच्छता अभियान में अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. तथा भा.कृ.अनु.प. के अन्य अधिकारीगण

2

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

नेट परीक्षाएं

राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि संकाय वाले अन्य विश्वविद्यालयों में लेक्चरर/ सहायक प्रोफेसर की अर्हता निर्धारण में नेट एक आवश्यक परीक्षा है। वर्ष के दौरान दो नेट परीक्षाओं नेट–2014 (I) तथा नेट–2014 (II) का आयोजन 55 विषय क्षेत्रों में क्रमशः 26 मार्च से 04 अप्रैल, 2014 तथा 22 से 28 सितम्बर, 2014 (जम्मू और काश्मीर केन्द्रों में 27 से 31 अक्टूबर, 2014) के दौरान देश के 21 परीक्षा केन्द्रों में पूरी तरह ऑनलाइन किया गया। प्रथम नेट परीक्षा हेतु 18,245 उम्मीदवारों ने आवेदन किया जबकि दूसरी नेट परीक्षा के लिए 25,359 उम्मीदवारों ने आवेदन किया। दोनों नेट परीक्षाओं में क्रमशः 14,178 तथा 18,415 उम्मीदवार परीक्षा हेतु उपस्थित हुए। प्रथम नेट परीक्षा में 2,712 (19%) उम्मीदवार तथा दूसरी नेट परीक्षा, 2014 में 4,225 (23%) उम्मीदवार उर्तीण हुए। पहली नेट परीक्षा में दो विषय क्षेत्र नामतः पशु पुनरात्पादन एवं मादा रोग विज्ञान और गृह विज्ञान क्षेत्र में कोई भी उम्मीदवार सफल नहीं रहा जबकि दूसरी नेट परीक्षा में सभी विषयक्षेत्रों में उम्मीदवारों ने सफलता प्राप्त की (परिशिष्ट IV-A)

वर्ष 2014 के दौरान आयोजित नेट परीक्षाओं का विवरण

दोनों ही परीक्षाओं में सफल उम्मीदवारों का उच्चतम प्रतिशत पशु शरीर विज्ञान (70.11%) विषय क्षेत्र में रहा तथा इसके बाद का स्थान क्रमशः पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान (59.46%), कुक्कुट पालन विज्ञान (58.49%), मत्स्य पोषण (54.29%) क्षेत्र से रहा जबकि निम्नतम प्रतिशत गृहविज्ञान (0.25%) क्षेत्र में रहा। 10 विषय क्षेत्रों में सफलता दर 10% से भी कम रहा।

संगठनवार योगदान

आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि दोनों परीक्षाओं से उर्त्तीण 6,937 उम्मीदवारों में से 35% उम्मीदवार 10 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा परिषद के मानद विश्वविद्यालयों (तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर; आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; गोबिन्द वल्लब पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर; डा. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला; डा. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन; बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, नदिया; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना;

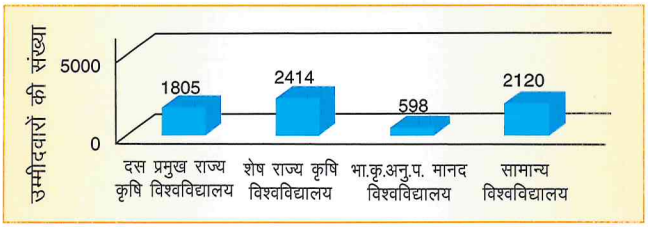

वर्ष 2014 में आयोजित प्रथम एवं दूसरी नेट परीक्षाओं (I एवं II) में संगठनवार निष्पादन

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड; आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, आनन्द तथा परिषद के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर; केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुम्बई एवं राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल) से हैं एवं शेष उम्मीदवारों में से 35% अन्य राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से तथा 30% सामान्य विश्वविद्यालयों से हैं।

राज्यवार योगदान

राज्यवार वितरण इस बार भी तिरछा रहा। 68% सफल उम्मीदवार 11 राज्यों से (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, जम्मू एवं कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश) हैं। सफल उम्मीदवारों

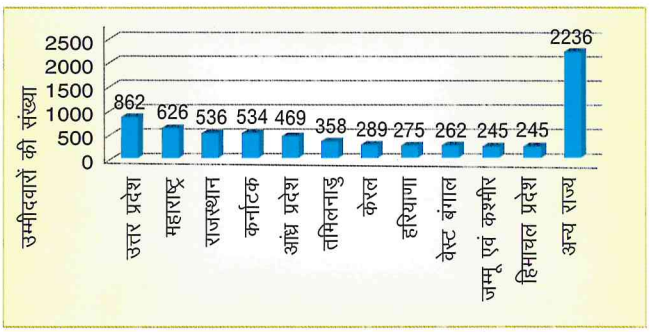

वर्ष 2014 में आयोजित नेट परीक्षाओं (I एवं II) में सफल उम्मीदवारों का राज्यवार विवरण

की सूची में चंडीगढ़ (संघ क्षेत्र), अण्डमान एवं निकोबार द्वीप, लक्षद्वीप, गोवा तथा दमन एवं दीव का प्रतिनिधित्व बहुत ही कम रहा।

पुरूष एवं महिला उम्मीदवारों का योगदान

कुल उत्तीर्ण 6937 उम्मीदवारों में से 41 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं।

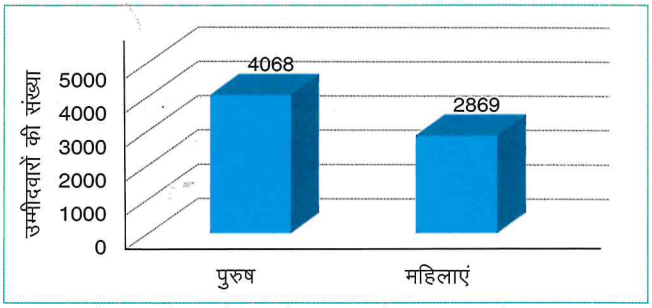

वर्ष 2014 में आयोजित नेट परीक्षाओं (I एवं II) में सफल उम्मीदवारों में पुरूष एवं महिला उम्मीदवारों का अनुपात

3

परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां

कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) परीक्षा 2013

कृषि अनुसंधान सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा का आयोजन 33 परीक्षा केन्द्रों में दिनांक 29 दिसम्बर, 2013 को किया गया जिसमें 48 विषय क्षेत्रों में 12,850 उम्मीदवार उपस्थित हुए और इनमें से मुख्य परीक्षा हेतु 3,638 उम्मीदवार सफल हुए। परन्तु दिनांक 9 मार्च, 2014 को देश के 12 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित मुख्य परीक्षा में वास्तव में 3,239 उम्मीदवार ही उपस्थित हुए। जिनमें से 48 विषय क्षेत्रों के लिए 1,091 उम्मीदवारों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। अंततः मंडल द्वारा 362 उम्मीदवारों की नियुक्ति हेतु सिफारिश की गई।

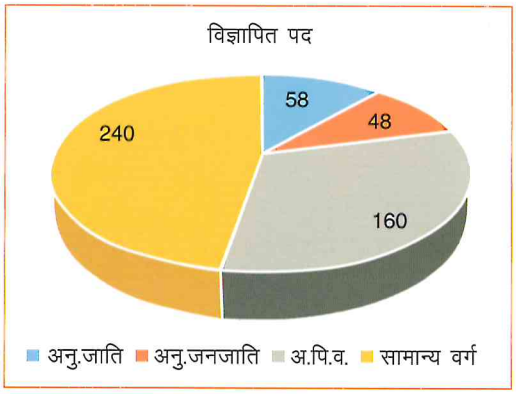

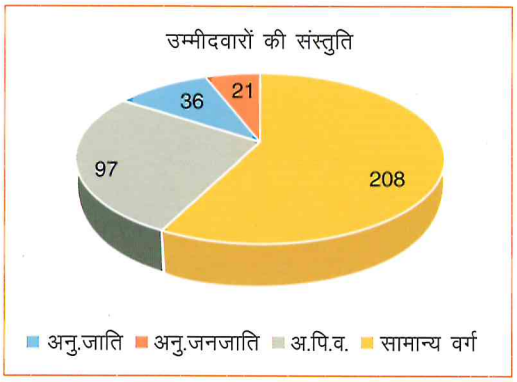

एआरएस 2013 में सफल उम्मीदवारों का वर्गवार विवरण

संगठनवार योगदान

सिफारिश किए गए 362 उम्मीदवारों में से 78% उम्मीदवार 10 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों एवं भा.कृ.अनु.प. के मानद विश्वविद्यालयों (तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर; आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; गोबिन्द वल्लब पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर; डा. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला; डा. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़; चौधरी चरणसिंह

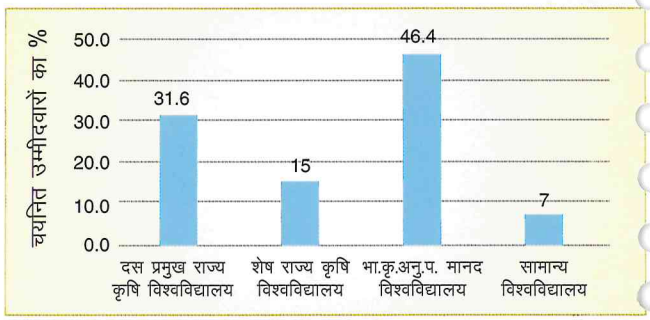

एआरएस 2013 परीक्षा में संगठनवार निष्पादन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; केरल कृषि विश्वविद्यालय तिरूचूर; बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट तथा परिषद के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर; केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुम्बई; राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल) से हैं तथा 15% उम्मीदवार शेष राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों से एवं 7% उम्मीदवार सामान्य विश्वविद्यालयों से हैं।

राज्यवार योगदान

- राज्यवार वितरण इस बार भी तिरछा ही रहा। 84% सफल उम्मीदवार 11 राज्यों से (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा और मणिपुर) हैं। सफल उम्मीदवारों की सूची में पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात, सिक्किम तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप का प्रतिनिधित्व बहुत ही कम रहा है।

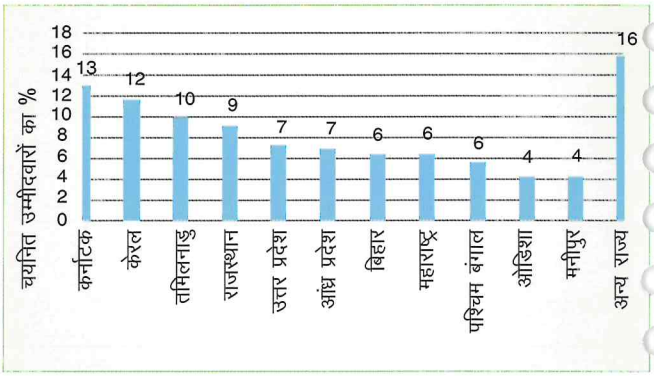

एआरएस 2013 में सफल उम्मीदवारों का राज्यवार विवरण

पुरूष एवं महिला उम्मीदवारों का योगदान

- चयनित कुल 362 उम्मीदवारों में 31% महिला उम्मीदवार हैं।

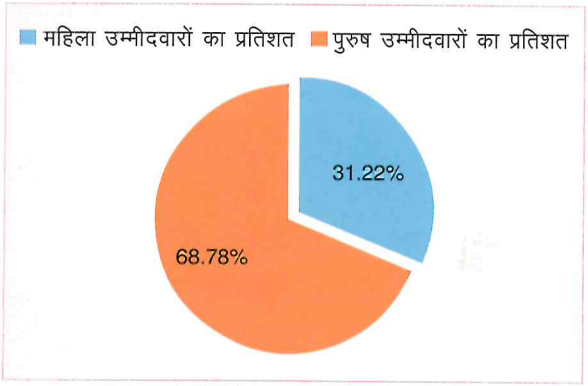

एआरएस–2013 में पुरुष एवं महिला उम्मीदवार

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा-2014

दिनांक 22 से 28 सितम्बर, 2014 के दौरान देश के विभिन्न भागों में स्थित 21 परीक्षा केन्द्रों में कृषि अनुसंधान सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2014 तथा नेट 2014(II) का संयुक्त आयोजन पूर्णतः ऑनलाइन पद्धति से किया गया। श्रीनगर एवं जम्मू परीक्षा केन्द्रों में बाढ़ की विपरीत परिस्थितियों के कारण परीक्षा को स्थगित करना पड़ा जिसे 27 से 31 अक्टूबर, 2014 के दौरान आयोजित किया गया। एआरएस परीक्षा हेतु आवेदन करने वाले 12,691 उम्मीदवारों में से 9,177 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए और इनमें से 2,065 उम्मीदवार एआरएस प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, परन्तु दिनांक 28 दिसम्बर, 2014 को देश के 12 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित एआरएस मुख्य परीक्षा में केवल 1,835 उम्मीदवार ही उपस्थित हुए। इस परीक्षा में सफल 706 उम्मीदवारों का साक्षात्कार कार्यक्रम 9 मार्च, 2015 से 10 अप्रैल, 2015 के दौरान निर्धारित की गई है।

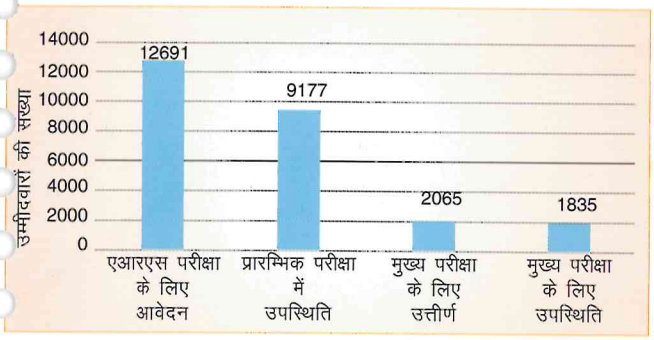

एआरएस परीक्षा 2014 का विवरण

प्रशासनिक अधिकारियों और वित्त व लेखा अधिकारियों की नियुक्ति

प्रशासनिक अधिकारियों और वित्त व लेखा अधिकारियों के कुल 28 पदों को भरने हेतु देश के 12 परीक्षा केन्द्रों में अखिल भारतीय स्तर पर खुली प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा हेतु 23,987 उम्मीदवारों ने आवेदन किया और दिनांक 23 नवम्बर, 2014 को आयोजित इस परीक्षा में केवल 10,434 उम्मीदवार ही उपस्थित हुए। आगे की नियुक्ति प्रक्रिया कार्याधीन है।

सहायक निदेशक (राजभाषा) की नियुक्ति

सहायक निदेशक (राजभाषा) के कुल 11 पदों पर भर्ती हेतु देश के विभिन्न भागों में स्थित 4 केन्द्रों में अखिल भारतीय स्तर पर एक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा हेतु 534 उम्मीदवारों ने आवेदन किया परन्तु दिनांक 22 नवम्बर, 2014 को आयोजित इस परीक्षा में केवल 172 उम्मीदवार ही उपस्थित हुए। आगे की नियुक्ति प्रक्रिया कार्याधीन है।

सहायक पदों पर नियुक्ति

सहायक के 270 पदों पर नियुक्ति हेतु दिनांक 5 जनवरी, 2015 से 2 फरवरी, 2015 के दौरान देश के विभिन्न भागों में स्थित 23 ऑनलाइन परीक्षा केन्द्रों में अखिल भारतीय स्तर पर खुली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसके लिए 23 परीक्षा केन्द्रों के लिए कुल 70,645 उम्मीदवारों ने पंजीकरण करवाया। किन्तु परीक्षा हेतु वास्तव में 24,468 (35%) उम्मीदवार ही उपस्थित हुए। आगे की नियुक्ति प्रक्रिया कार्याधीन है।

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की नियुक्ति

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों के कुल 3 पदों पर भर्ती हेतु कृ.वै.च.मं. ने दिनांक 14 जून, 2014 को एक अधिसूचना जारी किया। इन पदों के लिए कुल 112 आवेदन प्राप्त हुए हैं और चयन प्रक्रिया प्रगति पर है।

सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी पद पर नियुक्ति

केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल में सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी–कृषि अभियंता (T.7.8) पद हेतु विज्ञापन संख्या 04/2014 जारी किया और चयन प्रक्रिया प्रगति पर है।

अनुभाग अधिकारी तथा निजी सचिव सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा

भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में अनुभाग अधिकारी और निजी सचिव के कुल 14 पदों पर नियुक्ति हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन दिनांक 22–23 दिसम्बर, 2014 के दौरान नई दिल्ली में किया गया। परीक्षा हेतु कुल 44 उम्मीदवारों ने आवेदन किया, जिनमें 32 आवेदन अनुभाग अधिकारी पदों के लिए तथा 7 आवेदन निजी सचिव पदों के लिए तथा शेष 5 आवेदन दोनों ही पदों के लिए थे। परीक्षा हेतु वास्तव में 35 उम्मीदवार उपस्थित हुए हैं और चयन प्रक्रिया प्रगति पर है।

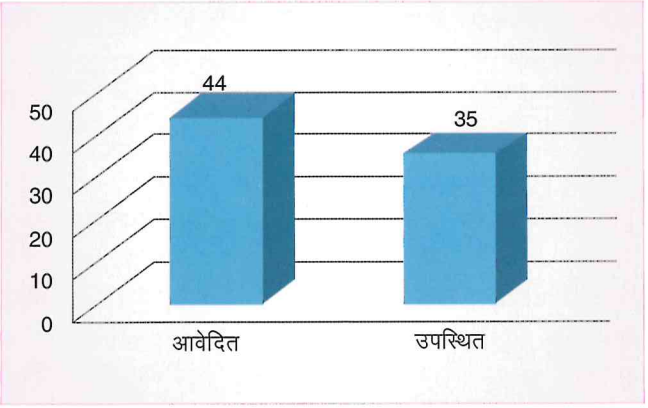

अनुभाग अधिकारी और निजी सचिव पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के उम्मीदवारों का विवरण

सहायक पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा

भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में सहायक के कुल 7 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 27–28 नवम्बर, 2014 के दौरान मंडल ने नई दिल्ली में एक सीमित विभागीय परीक्षा का आयोजन किया। प्रतियोगिता परीक्षा हेतु कुल 12 उम्मीदवारों ने आवेदन किया किन्तु इनमें से 10 उम्मीदवार ही परीक्षा में उपस्थित हुए।

सहायक पदों के लिए सीमित विभागीय परीक्षा का एक दृश्य

उच्च श्रेणी लिपिक पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा

भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में उच्च श्रेणी लिपिक के कुल 3 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु दिनांक 27 फरवरी, 2015 को मंडल ने नई दिल्ली में एक सीमित विभागीय परीक्षा का आयोजन किया। प्रतियोगिता परीक्षा हेतु कुल 29 उम्मीदवारों ने आवेदन किया किन्तु इनमें से 25 उम्मीदवार ही परीक्षा में उपस्थित हुए।

4

सीधी भर्ती

रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल ने सीधी भर्ती की दिशा में दिए गए विवरण के अनुसार मुख्यतः 3 विज्ञापनों जैसे 02/2014, 03/2014 तथा 01/2015 के तहत कार्य प्रारम्भ किया। वर्ष के दौरान मंडल में भा.कृ.अनु.प. से 118 पदों की भर्ती हेतु मांग पत्र प्राप्त हुए जबकि पिछले वर्ष प्राप्त हुए मांग पत्रों में से 92 पदों पर कार्रवाई लम्बित थी।

कुल विज्ञापित पदों में लगभग 28 प्रतिशत पद वरिष्ठ वैज्ञानिक और कार्यक्रम समन्वयक स्तर के, 14 प्रतिशत पद प्रधान वैज्ञानिक स्तर के, 35 प्रतिशत पद मध्य स्तर के जैसे प्रभागाध्यक्ष और परियोजना समन्वयक स्तर के जबकि शेष 24 प्रतिशत पद अनुसंधान प्रबंधन स्तर के हैं जैसे उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक एवं संयुक्त निदेशक, सहायक महानिदेशक, निदेशक, परियोजना निदेशक, जोनल परियोजना निदेशक आदि।

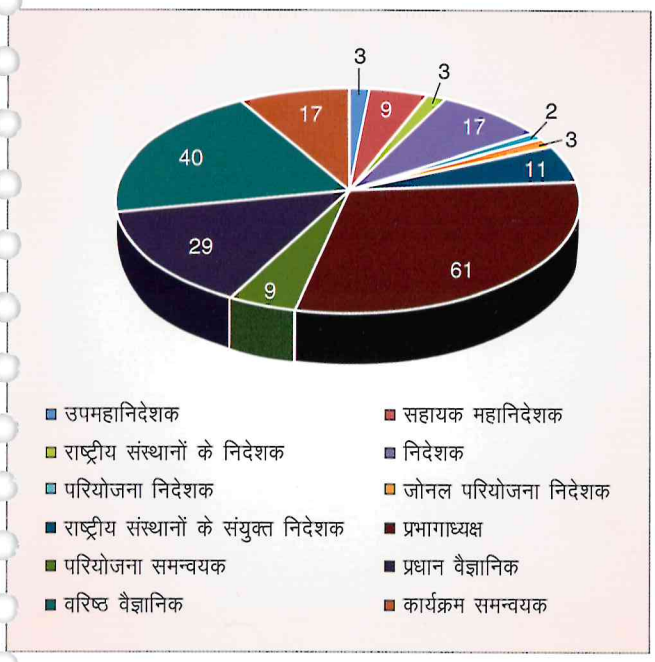

वर्ष 2014–15 के दौरान विज्ञापित वैज्ञानिक पदों का पदवार विवरण

रिपोर्ट अवधि के दौरान 143 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। आंकड़ों के अनुसार नियुक्ति की गई कुल पदों में से 26% पद अनुसंधान प्रबंधन स्तर (आरएमपी) के, 64% पद प्रभागाध्यक्ष एवं परियोजना समन्वयक स्तर के तथा शेष पद वरिष्ठ वैज्ञानिकों के हैं। मंडल द्वारा 117 मामलों में नियुक्ति संस्तुतियां दी गई हैं जबकि शेष 26 पद भरे नहीं जा सके हैं।

कुल मिलाकर मंडल ने 1700 आवेदनों की जांच की तथा

वर्ष 2014–15 के दौरान विज्ञापित वैज्ञानिक पदों का स्तरवार विवरण

विज्ञापित पद	2/2014	3/2014	1/2015	कुल
उपमहानिदेशक	2	–	1	3
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक	3	–	–	3
सहायक महानिदेशक	4	1	4	9
निदेशक	7	1	9	17
परियोजना निदेशक	–	–	2	2
जोनल परियोजना निदेशक	2	–	1	3
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक	1	–	10	11
प्रभागाध्यक्ष	32	6	23	61
परियोजना समन्वयक	3	–	6	9
प्रधान वैज्ञानिक	–	21	8	29
वरिष्ठ वैज्ञानिक	–	34	6	40
कार्यक्रम समन्वयक	–	16	1	17
कुल	**54**	**79**	**71**	**204**

चयन समिति का एक दृश्य

759 उम्मीदवारों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया। इनमें से केवल 570 उम्मीदवार ही साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए। इस प्रकार प्रत्येक पद के लिए औसतन 4 उम्मीदवार थे। कुल 143 पदों में से 11 पदों पर एक ही उम्मीदवार के आधार पर, 18 पदों पर 2 उम्मीदवारों के आधार पर, 21 पदों पर 3 उम्मीदवारों के आधार पर, 12 पदों पर 4 उम्मीदवारों के आधार पर तथा केवल 14 पदों पर 5 उम्मीदवार, 14 पदों पर 6 उम्मीदवार एवं 27 ऐसे पद थे जिनके लिए 6 से अधिक उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा के लिए उपस्थित हुए।

मंडल ने विज्ञापन सं. 1/2013, 2/2013, 1/2014 तथा 2/2014 द्वारा विज्ञापित पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करली

रिपोर्ट अवधि के दौरान पूर्ण की गई सीधी भर्ती प्रक्रिया का विवरण

विज्ञापित पद	पदों की संख्या	आवेदनों की संख्या	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	चयनित	उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	साक्षात्कार हेतु कोई उम्मीदवार उपस्थित नहीं हुए
उपमहानिदेशक	4	85	28	26	4	0	0
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक	1	27	11	7	0	1	0
सहायक महानिदेशक	5	289	59	42	5	0	0
निदेशक	21	430	161	122	19	1	1
जोनल परियोजना निदेशक	2	65	15	15	2	0	0
परियोजना निदेशक	1	23	9	7	0	1	0
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक	3	59	16	14	3	0	0
प्रभागाध्यक्ष	87	592	405	306	74	12	1
परियोजना समन्वयक	5	53	28	19	5	0	0
वरिष्ठ वैज्ञानिक	14	118	27	12	5	4	5
कुल	**143**	**1741**	**759**	**570**	**117**	**19**	**7**

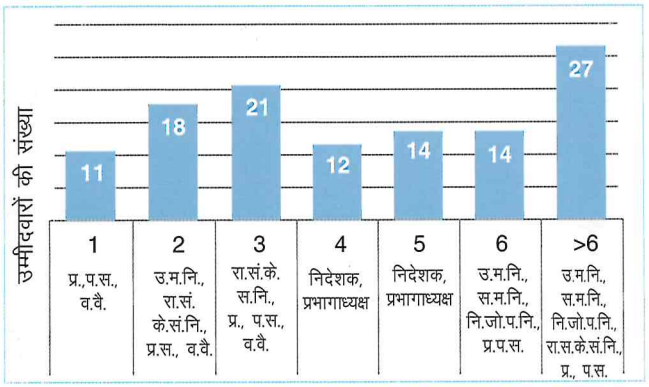

रिपोर्ट अवधि के दौरान पूर्ण की गई सीधी भर्ती प्रक्रिया का विवरण

है। प्रत्येक पद के लिए उपलब्ध उम्मीदवारों की संख्या के संदर्भ में गैर अनुसंधान प्रबंधन पदों की तुलना में अनुसंधान प्रबंधन पदों पर अधिक उम्मीदवार थे। यद्यपि प्रभागाध्यक्ष और निदेशक का वेतनमान स्तर एक समान है, परन्तु प्रबंधन के प्रत्येक पद हेतु आवेदनों की संख्या अधिक है।

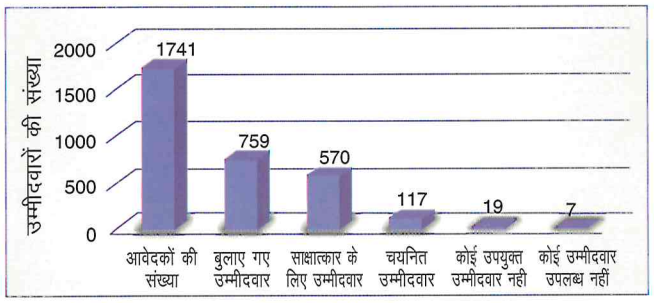

सीधी भर्ती के 143 पदों का विवरण

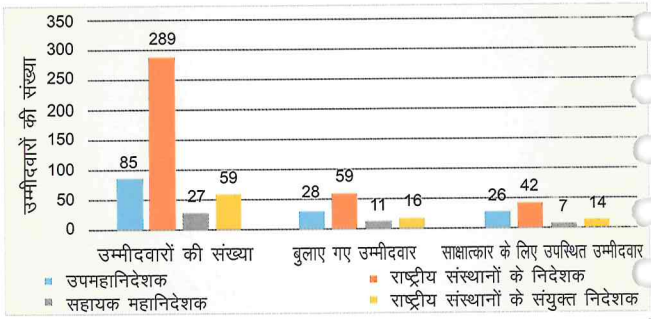

उपमहानिदेशक, सहायक महानिदेशक, राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक एवं संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति विवरण

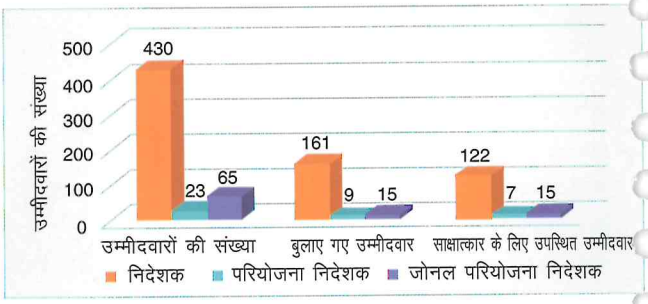

निदेशक, परियोजना निदेशक एवं जोनल परियोजना निदेशक पदों पर नियुक्ति का विवरण

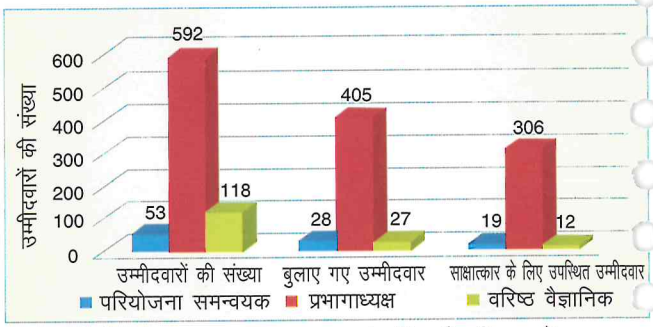

परियोजना समन्वयक, प्रभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों पर नियुक्ति का विवरण

5

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारीरिक विकलांग और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्तियां

परीक्षाओं के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा में नियुक्तियां

मंडल ने भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारीरिक विकलांग तथा अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया में शिथिल मानकों को अपनाया। चयनित उम्मीदवार तथा प्रत्येक वर्ग के लिए रिक्त पदों का विवरण निम्नलिखित है।

एआरएस परीक्षा 2013 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारीरिक विकलांग और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों का वितरण

वर्ग	पदों की संख्या	संस्तुति दी गयी उम्मीदवारों की संख्या
अनुसूचित जाति	58	36
अनुसूचित जनजाति	48	21
अन्य पिछड़े वर्ग	160	97
कुल	266	**154**

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 266 रिक्त पदों में से 42 प्रतिशत पद अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध न होने के कारण रिक्त रह गए हैं। इसके अतिरिक्त शारीरिक विकलांग उम्मीदवारों के दो पदों की संस्तुति दी गयी।

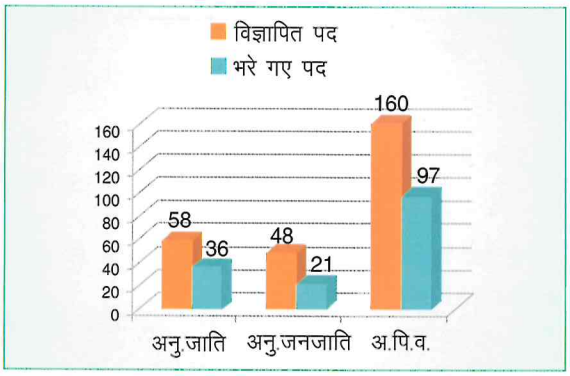

विभिन्न वर्गों का वर्गवार निष्पादन

6

वैज्ञानिकों का मूल्यांकनः कैरियर एडवांसमेंट स्कीम

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन/पदोन्नतियां

कृ.वै.च.मं. के स्तर पर 195 मामलों पर विचार किया गया (अनुलग्नक 7ए)। मूल्यांकन पदोन्नतियों के मामलों में 82% सफलता के अलावा उम्मीदवारों के 6% आस्थगित पदोन्नतियों की सिफारिशें भी अगले उच्च ग्रेड हेतु की गईं। सफल उम्मीदवारों में 17% उम्मीदवारों ने 90% या अधिक अंक प्राप्त किए जबकि 40% उम्मीदवारों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। केवल 12% उम्मीदवारों ने ही 73% से कम अंक प्राप्त किए हैं। ये पदोन्नतियां भा.कृ.अनु.प. की अनुसंधान प्रणाली की सुदृढ़ता को दर्शाता है।

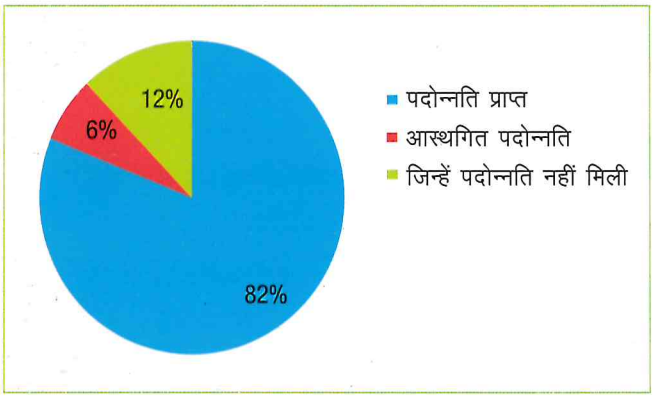

कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत अगले उच्च ग्रेड पर वरिष्ठ वैज्ञानिकों की मूल्यांकन पदोन्नतियां

आंकडों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 45 विषय क्षेत्रों में से 16 विषय क्षेत्र नामतः कृषि विस्तार, सस्य विज्ञान, कृषि कीट विज्ञान, कृषि आर्थिकी, बीज प्रौद्योगिकी, पादप प्रजनन, पादप शरीर क्रिया विज्ञान, पादप रोगविज्ञान, जेनेटिक्स एवं साइटो जेनेटिक्स, मृदा रसायनिकी/ उर्वरता/सूक्ष्म जैविकी, मृदा विज्ञान एवं भूमि विज्ञान, वस्त्र निर्माण, फार्म मशीनरी एवं पॉवर, कृषि में कम्प्यूटर एप्लीकेशन, जैव रसायनिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी (पशु विज्ञान) को छोड़कर शेष सभी विषय क्षेत्रों में शत्–प्रतिशत् पदोन्नतियां दी गई हैं।

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत वैज्ञानिकों का मूल्यांकन/पदोन्नतियां (न्यायिक मामलों की समीक्षा)

मंडल ने वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रेड से प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड की पदोन्नति के 19 विषय क्षेत्रों में कुल 50 मामलों (31 दिसम्बर 1998 से प्रभावी पुरानी प्रणाली के 3 मामलों सहित) पर विचार किया जिनमें कानूनी/न्यायालय के निर्णयों पर आधारित मामले भी सम्मिलित हैं। पदोन्नतियों से संबंधित सिफारिशें परिषद को सूचित कर दी गई हैं। विषयवार विवरण अनुलग्नक 7 (ब एवं स) में दिया गया है।

मूल्यांकन मामले पर पुर्नविचार

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के निर्देश अनुसार संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत मूल्यांकन/पदोन्नति हेतु एक मामले पर विचार किया गया।

कृषि अनुसंधान सेवा में इंडक्शन

वर्ष के दौरान कृषि अनुसंधान सेवा में रिसर्च एवं अनुसंधान प्रबंधन पद (उपमहानिदेशक–पशु विज्ञान) के एक मामले पर स्थायी समावेशन/इंडक्शन पर विचार किया गया एवं संस्तुति परिषद को भेज दी गयी।

वैज्ञानिकों का पंचवर्षीय मूल्यांकन

माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्देश अनुसार केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के पूर्व वैज्ञानिक डा. डी.एस. सिंह के मामले पर विचार किया गया एवं संस्तुति परिषद को भेज दी गयी।

7

सुधार

प्रतिभा खोज की नई दिशाएं

मंडल ने ''राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली'' विषय पर एक दो दिवसीय कार्यशाला–सह–विचार मंथन सत्र का आयोजन दिनांक 16–17 जनवरी, 2015 के दौरान राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में किया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक वरिष्ठ स्तर के प्रतिभागी जैसे राष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालयों के वर्तमान एवं पूर्व कुलपतिगण, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानद विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय निदेशक, परिषद के अनुसंधान संस्थानों के निदेशक, अन्य नियुक्ति आयोग/बोर्ड के प्रतिनिधि तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया।

करनाल में दो दिवसीय कार्यशाला–सह–विचारमंथन सत्र का उद्घाटन करते हुए माननीय श्री राधा मोहन सिंह, केन्द्रीय कृषि मंत्री

माननीय कृषि राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बालियान अध्यक्षीय भाषण देते हुए

कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई कि प्रख्यात वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ संरचित प्रस्तुतियां दे सकें।

डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, सभा को संबोधित करते हुए

स्वागत भाषण देते हुए डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष कृ.वै.च.मं.

चर्चाओं में भाग लेने वालों में डॉ. एस. अय्यप्पन, महानिदेशक, भा.कृ.अ.प.; डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं.; प्रो. (डॉ.) डी. पी. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग; डॉ. जे. एस. सामरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नेशनल रेनफैड एरिया अथॉरिटी एवं डॉ. पंजाब सिंह, पूर्व महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. प्रमुख हैं। चर्चाओं का उद्देश्य कृषि अनुसंधान प्रणाली हेतु उन्नत मानव संसाधनों का न केवल खोज करने, प्रवेश कराने, विकास कर बनाए रखना ही नहीं बल्कि देश में कृषि शिक्षा को बड़े पैमाने पर अनुकूलतम स्तर तक ले जाना है।

कार्यक्रम की परिकल्पना में मुख्य रूप से दो पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। प्रथमतः किसी भी कार्यप्रणाली में समय के साथ उत्पन्न समस्याओं की पहचान करना और उनका समाधान करना तथा दूसरी प्रतिभा खोज, विकास एवं बनाए रखने की प्रणाली को प्रभावकारी बनाना एवं समय के साथ इनमें सुधार लाना ताकि पूरी प्रणाली को सम्पूर्ण रूप से पारदर्शी, न्यायसंगत,

उद्देश्यपूर्ण के अलावा उच्च गुणीय बनाया जा सके। मुख्य ध्येय के अंतर्गत सात विभिन्न विषयों को तैयार किया गया ताकि राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली के विशेष संदर्भ में प्रतिभा खोज प्रणाली की महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेश किया जा सके।

प्रो.(डॉ.) डी.पी. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, यूपीएससी, करनाल में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

कार्यशाला–सह–विचारमंथन सत्र की संस्तुतियों को प्रस्तुत करते हुए अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं.

डॉ. एन. के. त्यागी, पूर्व सदस्य, कृ.वै.च.मं. का प्रस्तुतिकरण

प्रत्येक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता एवं सह अध्यक्षता प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा की गई जिन्हें विभिन्न संगठनों में प्रतिभा खोज प्रणाली की गहरी समझ एवं दीर्घ अवधि का कार्य अनुभव प्राप्त है। तकनीकी सत्र इस प्रकार संरचित किये गए कि मुख्य विषय की प्रस्तुतिकरण के पश्चात् पैनल के प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा विचार विमर्श के बाद में खुले सत्र में चर्चा हो सके।

उद्घाटन सत्र में माननीय श्री राधा मोहन सिंह, केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. के की–नोट व्याख्यान तथा डॉ. संजीव कुमार बालियान, माननीय केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री के अध्यक्षीय भाषण से ही विचार मंथन का स्वर एवं स्वरूप व्यक्त हो गया। प्रयोगशाला की सीमाओं से बाहर कृषि वैज्ञानिकों की बड़ी भूमिका एवं दायित्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों को स्थानीय कृषि क्षेत्र की मांग के अनुरूप पुनर्व्यवस्थित करने की आवश्यकता और ग्रामीण प्रगति एवं समृद्धि के लिए मूलभूत वैज्ञानिक हस्तक्षेपों पर बल दिया गया। छोटे केन्द्रों, विशेषकर कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत वैज्ञानिकों का अनुसंधान एवं विकास में गंभीर एवं असाधारण योगदान का उल्लेख किया गया जो कि खेतों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए अनुसंधानात्मक हस्तक्षेपों को प्रभावकारी रूप से स्थानीय लोगों तक पहुंचाते हैं। यह आवश्यकता महसूस की गई कि इस प्रकार के योगदानों को पर्याप्त रूप से पहचान कर अवार्ड, रिवार्ड तथा कैरियर एडवांसमेंट स्कीम व प्रणालियों के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए।

संस्तुतियां

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान की गई चर्चाओं, प्रस्तुतिकरणों तथा प्रत्येक तकनीकी सत्र में हुई खुली चर्चाओं के आधार पर निम्नलिखित संस्तुतियां उभर आई हैं जिन पर आगे की कार्रवाई प्रस्तावित है। इन संस्तुतियों में वे पहलुएं हैं जिन पर पूर्ण एकमत हैं। कुछ ऐसी पहलुएं भी हैं जिन पर सम्पूर्ण एकमत नहीं हैं चूंकि इनमें अंतर्विभागीय सरकारी नीतियों या और अधिक समीक्षा की आवश्यकता है, उस प्रकार की पहलुओं को संस्तुतियों के उपरांत सुझावों के अंतर्गत दिया गया।

- कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा को प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से निर्धारित तारीखों पर आयोजित करना आवश्यक है। इससे परीक्षार्थियों को परीक्षा के लिए आशाएं बंधी रहेंगी और प्रतिभागिता में वृद्धि होगी साथ ही प्रतियोगिता के पैमाने एवं गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी।
- यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना होगा कि कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा को प्रत्येक वर्ष सभी अनुमोदित विषय क्षेत्र/विशेषज्ञता 'स्कूलों' में आयोजित किया जाना जिसमें रिक्त पदों की उपलब्धता या अन्य विषयों की बाधा न हों।
- जिस प्रकार कृषि अनुसंधान सेवा आधारित नियुक्तियां कृ.वै.च.मं. द्वारा की जा रही हैं उसे उसी प्रकार जारी रखना चाहिए परंतु इसे कैडर आधारित के स्थान पर संस्थान

आधारित बनाया जाना चाहिए यानि संस्थानों में कार्मिकों की संख्या के आधार पर उत्पन्न एवं विज्ञापित पदों के अनुसार हो। इससे लम्बे समय से वांछित संस्थानों का एलाइनमेंट, निष्ठा तथा संस्थान के अधिदेश के अनुसार स्थानीय अनुसंधान पहलुओं को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, परिषद को थकाऊ अंतर्संस्थान स्थानांतरण पहलुओं से भी छुटकारा मिलेगा। इससे अंतर्संस्थानों में स्थानांतरण केवल उन संस्थानों में विज्ञापित रिक्त पदों पर चयन के द्वारा ही संभव हो पाएगा, जिससे व्यक्तिगत आवश्यकताओं से अधिक संस्थागत आवश्यकताओं को बल मिलेगा, जिसका वर्तमान समय में अभाव है।

- कृषि अनुसंधान सेवा एवं राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के विषय क्षेत्र तथा पाठ्यक्रम की योजना को एक बार पूर्णतः समीक्षा एवं संशोधित करने के उपरांत इनमें बार–बार परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए। उपयुक्त समय तक अनुरूपता बनाए रखने पर इनमें स्थिरता आएगी। परिणामतः उत्तम मानव संसाधन को आकर्षित किया जा सकेगा।
- सन् 1976 में कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा के आरंभिक वर्षों में निबंध लेखन तथा सामान्य ज्ञान जैसे विषयों के लिए स्थान दिया जाता था, परंतु वर्षों से प्रक्रिया में लाए गए परिवर्तनों से इन दोनों विषयों को पूर्णतः हटा दिया गया। विशेषज्ञता पर ध्यान केन्द्रित करना सराहनीय है परंतु राष्ट्रीय एवं वैश्विक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आए परिवर्तनों के संदर्भ में सामान्य सामाजिक–आर्थिक समझ तथा सम्प्रेषण क्षमताओं को पूर्णतः अनदेखा नहीं किया जा सकता। निबंध लेखन को यथावत पुनर्स्थापित किया जाना चाहिए जबकि सामान्य ज्ञान या सामान्य अध्ययन के स्थान पर कम से कम समेकित 'सामान्य कृषि ज्ञान' को सम्मिलित किया जाना चाहिए ताकि परीक्षार्थीओं में भारतीय एवं वैश्विक कृषि का सामान्य ज्ञान के अलावा इस क्षेत्र की समझ तथा कौशल हो।
- कृषि अनुसंधान सेवा के सभी विषय क्षेत्रों में एक समान कट ऑफ अंक नहीं होना चाहिए बल्कि विषय क्षेत्रवार/'स्कूलवार' कट ऑफ अंक लागू करना चाहिए जिसमें प्रत्येक वर्ग में प्रत्येक पद के लिए उम्मीदवारों की निर्धारित संख्या का मानदंड भी सम्मिलित किया जाना चाहिए। स्कूल शब्द संबंधित विषय क्षेत्रों तथा इनसे सम्बद्ध मौलिक विज्ञान विषयों का प्रतिनिधित्व करता है।
- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के सभी विषय क्षेत्रों में एक समान कट ऑफ अंक रखना उचित नहीं है अतः इस परीक्षा में विषय क्षेत्र वार कट ऑफ अंक निर्धारित किया जाना चाहिए।
- कई ऐसे नए उभरते विषय क्षेत्र हैं जिनमें कई विषय क्षेत्रों के मिश्रित ज्ञान की आवश्यकता है। अतः कृषि अनुसंधान सेवा एवं नेट परीक्षाओं में इन विषय क्षेत्रों के लिए प्रभावकारी उपाय यह है कि विषय क्षेत्रों की संख्या को समेकित करते हुए इन्हें कम करते हुए विशिष्ट बृहत समूह या 'स्कूल' में विभाजित किया जाना चाहिए जिनमें संबंधित विषय क्षेत्र के साथ–साथ सम्बद्ध मौलिक विज्ञान भी सम्मिलित हो।
- अखिल भारतीय खुली एआरएस प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भाग लेते हैं। इनमें से प्रत्येक विषय क्षेत्र में साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा अवस्था तक सीमित संख्या में अभ्यर्थी पहुंच पाते हैं। इसके पश्चात् इनमें से भी एक छोटी संख्या को ही विज्ञापित पदों के अनुसार कृषि अनुसंधान सेवा हेतु सिफारिश की जाती है। जो उम्मीदवार परीक्षा में उत्तीर्ण होकर साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा में उपस्थित हुए हैं परंतु जिनका अंतिम रूप से चयन नहीं हुआ हो वे भी अखिल भारतीय खुली प्रतियोगिता परीक्षा में मैरिट प्राप्त अभ्यर्थी हैं। अतः यह उचित होगा कि इस प्रकार के उम्मीदवारों की सूची को राज्य कृषि विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर और लेक्चरर पदों पर नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों के चयन में उपयोग करें। इससे अखिल भारतीय स्तर पर प्राप्त मैरिट के उपयोग के अलावा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में व्याप्त समस्याओं का समाधान भी होगा जिनके कारण इनकी शैक्षणिक विशेष रूप से अध्यापन गुणवत्ता मानक प्रभावित हो रहे हैं।
- कृषि अनुसंधान सेवा एक अखिल भारतीय खुली प्रतियोगिता परीक्षा है जिसमें कृ.वै.च.मं परीक्षार्थीयों को कठिन परीक्षण एवं चयन प्रक्रिया के उपरांत प्रत्येक विषय क्षेत्र एवं वर्ग में उपलब्ध रिक्त पदों पर मैरिट के अनुसार नियुक्ति की सिफारिश करता है। अतः यह न्यायसंगत होगा कि तैनाती, संबंधित विषय क्षेत्र में उपलब्ध रिक्त पदों पर मैरिट एवं उनके विकल्प के अनुसार हो। इस प्रकार मैरिट के आधार पर तैनाती से प्रतियोगिता एवं परिणामस्वरूप गुणवत्ता में वृद्धि होगी जिससे चयनित मानव संसाधन में दक्षता प्रदर्शित होगी।
- प्रत्येक स्तर पर सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश से सबंधित स्कोर कार्ड में कृषि क्षेत्र में स्थानीय ग्रास रूट स्तर पर दिए गए विशिष्ट योगदान की पहचान के लिए प्रावधान होना चाहिए विशेषकर कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत वैज्ञानिकों जिन्हें इस प्रकार के योगदानों के लिए विभिन्न कारणों से अंतर्राष्ट्रीय पहचान प्राप्त नहीं होती है। स्कोर कार्ड में 'रिमोट एरिया' के अंतर्गत इस प्रकार के योगदानों की पहचान एवं पुरस्कार हेतु पर्याप्त एवं विशिष्ट प्रावधान किया जाना चाहिए ताकि ग्रास रूट स्तर पर अनुसंधान, विकास तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं फार्म सेवाओं को प्रोत्साहित एवं सुदृढ़ किया जा सके।
- उत्कृष्ट प्रतिभा को खोज करने के संदर्भ में उच्च वैज्ञानिक पदों पर सीधी भर्ती/पार्श्व नियुक्ति हेतु वर्तमान योग्यता शर्तों में वैकल्पिक योग्यता का प्रावधान है। परन्तु इमिनेंट साइंटिस्ट की वैकल्पिक योग्यता के अंदर भी अनुसंधान प्रबंधन सेवाकाल से संबंधित एक और शर्त निहित है।

उत्कृष्टता के मापदण्डों को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा विस्तृत रूप से परिभाषित किया गया है और यह सही प्रतीत होता है। परन्तु अनुसंधान प्रबंधन पद पर सेवाकाल की अनिवार्यता देश–विदेशों में कार्यरत प्रोफेसर या राष्ट्रीय प्रोफेसर पदों के वैज्ञानिकों से या उन वैज्ञानिक प्रणालियों से जहां पूर्णरूप से अनुसंधान प्रबंधन पद नहीं होते हैं, उन स्थानों से प्रतिभा को आकर्षित करने में अवरोध उत्पन्न करता है। यह वैकल्पिक प्रावधान सामान्य संस्थागत धाराओं से बाहर उत्कृष्ट प्रतिभा को आकर्षित करने में प्रभावशाली नहीं है। अतः इस वैकल्पिक योग्यता से उद्देश्य पूर्ण नहीं होता है। यद्यपि वैज्ञानिक सेवाकाल का एक निर्धारित अवधि या किसी ग्रेड और प्रोफेसर पद पर सेवाकाल पर रखना अनुचित नहीं होगा परन्तु अनुसंधान प्रबंधन पद पर सेवाकाल के शर्त को पूरी तरह हटा दिया जाना चाहिए ताकि प्रणाली के भीतर एवं बाहर तथा विदेशों से भी उत्कृष्ट प्रतिभा को आकर्षित किया जा सके। इमिनेंट साइंटिस्टों के लिए वर्तमान नियमों के अनुसार उपलब्ध वैकल्पिक योग्यताओं को शीघ्र उपरोक्त के अनुसार संशोधित किया जाना चाहिए।

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वर्तमान नियमों के अनुसार अनुसंधान प्रबंधन पद तथा वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पद पर 'सेवाकाल का नवीकरण' परिषद के स्तर पर एक विशिष्ट पद्धति द्वारा किया जाता है जो 'प्रणाली केन्द्रित' के स्थान पर व्यक्ति केन्द्रित है। इसके अलावा, प्रथम पांच वर्ष पूरे होने के उपरांत 'सेवाकाल का नवीकरण' के प्रावधान से संस्थानों की नई प्रतिभा को भविष्य के अवसरों से संभवतः वंचित होना पड़ रहा है। इस प्रकार के पदों पर पांच वर्षों का सेवाकाल उम्मीदवार को अपनी क्षमताओं एवं योगदान को प्रदर्शित करने के लिए सामान्य रूप से पर्याप्त होता है। इस प्रकार का सेवाकाल उम्मीदवार के प्रोफाइल को इससे उच्च पदों या इसी पद के लिए खुले चयन के लिए और अधिक प्रतियोगी बनाता है। अतः 'व्यक्ति केन्द्रित' नवीकरण के प्रावधान के स्थान पर 'प्रणाली केन्द्रित' प्रयास जैसे पद को पुनः विज्ञापित कर खुले चयन का आयोजन किया जाए जिसमें वर्तमान उम्मीदवार भी आवेदन करने एवं प्रतिस्पर्धा के लिए योग्य हो सके। इससे न केवल नई प्रतिभा के विकास एवं उन्नयन होगा बल्कि उन वर्तमान उम्मीदवारों को अपनी प्रतिद्वंदिता एवं प्रणाली को दिए गए योगदान के आधार पर प्रतिस्पर्धा करने में प्रोत्साहन मिलेगा जो वर्तमान में मौजूद गैर प्रतियोगी व्यक्तिगत सेवाकाल नवीकरण प्रक्रिया से बेहतर होगा।
- अनुसंधान प्रबंधन पद/वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पदों पर चयन की वर्तमान पद्धति स्कोरकार्ड की दृष्टि से स्क्रिनिंग एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया में अंकों का वितरण उचित है। चूंकि अनुसंधान प्रबंधन कार्य निरंतर जटिल एवं पेचिदा होता जा रहा है, अतः वैज्ञानिक सूझबूझ, प्रबंधन कौशल, मानव संसाधन प्रबंधन क्षमताएं विशेषकर अप्रत्याशित स्थितियों में उचित निर्णय लेने की क्षमता की दृष्टि से श्रेष्ठ प्रतिभा को चुनने की आवश्यकता है। अधिकतर मामलों में इस तरह के नेतृत्व गुणों का मूल्यांकन करना 20–30 मिनट के साक्षात्कार एवं वैयक्तिक प्रस्तुतिकरण के दौरान संभव नहीं है। अतः इस प्रकार के पदों के लिए आवश्यक क्षमताओं का 360 डिग्री मूल्यांकन पद्धति को दुनियाभर में अपनाया जा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संदर्भ में चयन प्रक्रिया में सुधार हेतु कम से कम वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पदों के चयन में टू–टायर प्रणाली को अपनाया जाना आवश्यक है। आकस्मिक बदलाव से बचने एवं निरंतरता की दृष्टि से एक अतिरिक्त टायर के रूप में एक वैयक्तिक सेमिनार अपने संस्थान/पद से संबंधित अल्पकालिक/दीर्घकालिक विजन के संबंध में आयोजित किया जाना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा अंतिम साक्षात्कार के पूर्व 3/4 प्रख्यात विशेषज्ञों के समक्ष इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए जो एक अतिरिक्त शार्ट लिस्टिंग होगी। इस प्रकार अंतिम साक्षात्कार हेतु उम्मीदवारों को छांटे जाने से मंडल के पास उम्मीदवारों के मूल्यांकन के लिए अधिक समय होगा जिससे चयन प्रक्रिया की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। अब समय आ गया है कि कृ.वै.च.मं./भा.कृ.अनु.प. संबंधित नियमों में संशोधन करते हुए वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पदों के लिए टू–टायर प्रक्रिया को प्रारंभ करे।
- वर्तमान संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम सुचारू रूप से चल रही है। कुछ विशिष्ट विषय क्षेत्रों को छोड़कर औसतन पदोन्नति दर 80 प्रतिशत से अधिक है जो अत्यंत संतोषजनक है। कुछ वैज्ञानिक 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने में सक्षम हैं जो आवश्यक बेंचमार्क 75 प्रतिशत से काफी अधिक है। इस प्रकार के उच्च निष्पादकों को उनके विशिष्ट योगदान के लिए अग्रिम वेतन वृद्धियों के रूप में वित्तीय प्रोत्साहन तथा उत्कृष्ट वैज्ञानिक जैसे पदनाम से सम्मानित किया जाना चाहिए। इससे पूरी प्रणाली में उच्च गुणीय अनुसंधान आउटपुट की सतता बनाए रखने में प्रोत्साहन मिलेगा।
- वर्तमान नियमों के अनुसार सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश के संदर्भ में कृ.वै.च.मं. प्रथम 10 उम्मीदवारों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित करता है बशर्ते अनुसंधान प्रबंधन पद/वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पदों के लिए उन्हें न्यूनतम 60 प्रतिशत बेंचमार्क अंक तथा गैर–अनुसंधान पदों के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हों। यह अक्सर देखा गया है कि योग्य उम्मीदवारों में से एक बड़ी संख्या बेंचमार्क पूर्ति न कर पाने के कारण चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत होने के अवसर से वंचित रह जाते हैं कभी–कभी बहुत ही कम अंतर से। सामान्यतः निराशा, नाराजगी, प्रतिवेदन आदि के अलावा प्रतिस्पर्धा भी कम

हो जाती है। कभी–कभी मंडल को ऐसे चयन भी करने पड़ते हैं जहां बेंचमार्क के आधार पर साक्षात्कार के लिए दो–तीन या चार उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं। कभी–कभी उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करने के उपरांत भी साक्षात्कार के लिए उपस्थित नहीं होते हैं, इससे भी प्रतिस्पर्धा घट जाती है। अतः चयन के आधार में विस्तार तथा प्रतिस्पर्धा की गुणवत्ता में वृद्धि के उद्देश्य से प्रावधानों में ऐसे संशोधन किए जाने चाहिएं जिससे न्यूनतम बेंचमार्क के आधार पर प्रत्येक पद के लिए अधिकतम 10 योग्य उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जा सके।

- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल एक स्वतंत्र राष्ट्रीय स्तर का नियुक्ति निकाय है। इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा सन् 1973 में की गई थी। मंडल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद प्रणाली के अंतर्गत कृषि अनुसंधान, मानव संसाधन के निर्माण तथा सुदृढ़ता प्रदान करने में अत्यधिक योगदान दिया बल्कि प्रतिभा खोज प्रणाली को मानक बनाया तथा इस क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करते हुए इसे उत्कृष्टता के स्तर तक पहुंचाया। अब समय आ गया है कृ.वै.च.मं. की इस विशेषज्ञता को न केवल भा.कृ.अनु.प. प्रणाली में प्रतिभा लाने के लिए उपयोग किया जाए बल्कि इसे राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न विभागों में तकनीकी एवं वैज्ञानिक पदों की नियुक्ति के लिए भी उपयोग किया जाना चाहिए। इस प्रकार के दायित्वों के निर्वाहन के लिए कृ.वै.च.मं को भी और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है जैसे इसे संघ लोक सेवा आयोग के समकक्ष अधिकार प्रदान किया जाए और अतिरिक्त सदस्यों की नियुक्ति की जाए, साथ ही अध्यक्ष एवं सदस्यों का स्तर संघ लोक सेवा आयोग के तर्ज पर उनके समकक्ष बनाया जाए एवं इसकी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए इसे भारतीय कृषि सेवा आयोग नाम दिया जाना चाहिए।

सुझाव

- कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा में छात्रों की सफलता के संदर्भ में भा.कृ.अनु.प. के मानद विश्वविद्यालयों तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में काफी भिन्नताएं एवं असमानताएं हैं और इसी प्रकार राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में एक दूसरे विश्वविद्यालय में भी काफी विभिन्नताएं एवं असमानताएं हैं। इसके तीन मुख्य कारण हो सकते हैं, संसाधनों, अवसरों, प्रदर्शनों में भिन्नताओं के कारण हैं इसके अलावा आपसी तालमेल न होना, अध्यापकों की गुणवत्ता में कमी, अध्यापकों की कमी आदि भी कारण हैं। इन असमानताओं का समाधान अति आवश्यक है। इन समस्याओं के समाधानों में एआरएस मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण परंतु चयन नहीं किए गए उम्मीदवारों को अध्यापकों के रूप में नियुक्त करना भी सम्मिलित किया जा सकता है तथा संकाय सदस्यों तथा वरिष्ठ पदों पर जैसे कुलपति, डीन, निदेशक आदि की नियुक्ति कृ.वै.च.मं. द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर सीधी भर्ती द्वारा करना भी सम्मिलित किया जा सकता है। इसके अलावा, एक और पहल भी की जा सकती है, राज्य शिक्षा विभागों से उचित स्तर पर चर्चा करते हुए 10+2 स्तर पर कृषि क्षेत्र को सम्मिलित किया जा सकता है। संयोग से राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में जहां स्कूल स्तर पर कृषि विषय को सम्मिलित किया गया है, उन राज्यों का योगदान में कृषि अनुसंधान सेवा सहित कृषि की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशेष वृद्धि हुई है। इस प्रकार के नीतिगत हस्तक्षेप का प्रयास उचित स्तर पर किया जाना चाहिए।
- लम्बी अवधि में यह उचित होगा कि एआरएस परीक्षा हेतु न्यूनतम अर्हता वर्तमान एमएससी के स्थान पर पीएचडी निर्धारित कर दिया जाए। ऐसा करने पर वर्तमान संकोचन दर में कमी आएगी और चयनित व प्रशिक्षित वैज्ञानिकों का अन्य सेवाओं में जाने की दर मे भी कमी आएगी। इससे चयनित विशेषज्ञता क्षेत्र में अनुसंधान के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध एवं समर्पित उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित होगा।
- अपर्याप्त एवं असामान्य सीटों की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए एआरएस परीक्षा में आयु सीमा तथा परीक्षा में बैठने के अवसरों में छूट दिया जाना चाहिए। परीक्षा में बैठने के अवसर छः तक बढ़ाया जा सकता है।
- जहां एआरएस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की तुलना में रिक्त पदों की संख्या कम है वहां बेसिक साईंस विषयों पर विशेष ध्यान एवं पहचान किया जाना चाहिए।
- समस्त साक्षात्कार प्रक्रियाओं में चाहे एआरएस के प्रवेश स्तर हो या अनुसंधान प्रबंधन पद/वरिष्ठ अनुसंधान प्रबंधन पद हो, संकटमय काल में निर्णय करने की क्षमता से संबंधित पहलु पर विशेषज्ञों द्वारा किए गए निर्णय को महत्व दिया जाना चाहिए। मनोवैज्ञानिक या इस प्रकार के विशेषज्ञों को प्रक्रिया के साथ जोड़ने पर भी विचार किया जाना चाहिए।
- एआरएस परीक्षा के विभिन्न विषय क्षेत्रों के लिए निर्धारित कटऑफ अंकों को सर्वसाधारण के लिए बहिरंग किया जाना चाहिए ताकि छात्र अपनी तैयारियों के स्तर का आंकलन कर सके।
- वर्तमान कृषि अनुसंधान सेवा यूजीसी पैटरन तथा वेतन पैकेज, अनुसंधान की प्रगति तथा उत्कृष्ठता के लिए लाभकारी नहीं पाया गया है। प्राथमिक तौर पर यह प्रणाली शिक्षा एवं अध्यापन के लिए उपयुक्त है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का प्रमुख कार्य अनुसंधान एवं इसका प्रचार प्रसारण है। अतः यह उपयुक्त समय है कि कृषि अनुसंधान सेवा को मूल रूप से परिकल्पित एस–1 से एस–8 व्यक्तिगत पदोन्नति प्रणाली में वापिस लाया जाए जो 80 के दशक के अंत में यूजीसी पैटरन तथा वेतन पैकेज अपनाने के पूर्व कई दशकों तक अनुसंधान प्रणाली को प्रभावशाली रूप से चलाया। चूंकि वर्तमान समय में 7वां वेतन आयोग कार्यरत है, अतः यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए उपयुक्त समय होगा कि कृषि अनुसंधान सेवा को अपनी पुरानी

पद्धति एस–1 से एस–8 प्रणाली में लाया जाए जिसे कृषि अनुसंधान सेवा हेतु परिकल्पना की गई थी।

- वर्तमान यूजीसी प्रणाली के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कैरियर एडवांसमेंट स्कीम की पदोन्नतियों के अनुसार प्रत्येक ग्रेड में सीधी तथा खुले चयन का अवसर प्रदान किया है। यह पद्धति नियमों के विरूद्ध है जिससे उत्कृष्ठता हेतु व्यक्तिगत प्रेरणा में बाधा पहुंचती है और अनुसंधान प्रणाली के लिए उपयोगी नहीं है क्यों कि हर वैज्ञानिक किसी न किसी रूप से प्रायः एक ही समय पर उच्च स्तर पर पहुंच जाते हैं जिससे उत्कृष्ठता के लिए आवश्यक सम्मान एवं उच्च प्राथमिकताएं कमजोर हो जाती हैं। अतः मूल एस–1 से एस–8 एआरएस स्कीम में लौट आना प्रणाली के हित में होगा।
- केन्द्रीय/भारतीय कृषि सेवा का सृजन करना राष्ट्रीय हित में आज की मांग है जिस सेवा में अनुसंधान, विस्तार, विकास, शिक्षा, विदेशी कृषि सेवा, विपणन तथा कमानीकरण सेवाएं जैसी विशेषज्ञता शाखाएं हों।
- चिकित्सा, अभियांत्रिकी के समान कृषि को भी व्यवसायिक स्टेटस दिया जाना चाहिए। भारतीय कृषि परिषद् की स्थापना की आवश्यकता है जो कृषि स्नातकों को व्यवसायिक कार्य करने हेतु लाइसेंस जारी करेगा, जिससे उद्यमिता के विकास में सहायता मिलेगी। भारतीय कृषि परिषद् देश में कृषि शिक्षा को नियमित करेगा। वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र के निजी कॉलेजों को नियमित करने हेतु कोई नियमन निकाय उपलब्ध नहीं है।

गठित समितियां

वैज्ञानिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए स्कोर कार्ड की समीक्षा

मंडल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अंतर्गत विभिन्न वैज्ञानिक पदों पर सीधी भर्ती से संबंधित स्कोर कार्ड की समीक्षा हेतु डा. एस.के. बन्धोपाध्याय, सदस्य, कृ.वै.च.मं. के संयोजन में बाहरी विशेषज्ञों की एक समिति गठित की। समिति की अब तक 6 बैठकें हो चुकी हैं और संशोधित स्कोर कार्ड के मसौदे को अंतिम रूप दिया गया जो अभी वैधीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत है।

स्कोर कार्ड प्रणाली के संदर्भ में असुविधाजनक क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एकक/केन्द्र/स्टेशनों की सूची की समीक्षा

डा. एस. के. बन्धोपाध्याय, सदस्य, कृ.वै.च.मं. की अध्यक्षता में दिनांक 15 अप्रैल, 2014 को, विभिन्न स्थानों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के असुविधाजनक एकक/केन्द्र/स्टेशनों की समीक्षा हेतु एक बैठक की गई।

नई पहल

परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए आधुनिक आईसीटी टेकनोलोजी को अपनाने के प्रयास में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने नेट/एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्षा को ऑफलाइन पद्धति से ऑनलाइन पद्धति में लाने की योजना बनाई। इस प्रयास में एनएआईपी तथा विश्व बैंक ने "भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में नेट/एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्षा हेतु ऑनलाइन प्रणाली का विकास, स्थापना, परिचालन तथा प्रबंधन" नामक उपपरियोजना हेतु आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराया। प्रारम्भिक तौर पर यह परियोजना दिनांक 31 मार्च, 2010 से 31 मार्च, 2012 तक कुल बजट प्रावधान 3,050 लाख राशि से किया गया था जिसमें कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली को कंसोर्टियम लीडर तथा परिषद् के 2 संस्थानों एवं 2 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को कंसोर्टियम पार्टनर बनाया गया। ततपश्चात् परियोजना को दिनांक 31 मार्च, 2014 तक बढ़ाया गया और कुल बजट प्रावधानों को बढ़ाकर 3,710.50 लाख कर दिया गया। इसके पश्चात् इसे ऑनलाइन परीक्षा आयोजन हेतु दिनांक 30 जून, 2014 तक बढ़ाया गया।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. नेट/एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्षा को ऑनसाइट से ऑनलाइन में परिवर्तित करने हेतु मौलिक सुविधाओं तथा क्षमताओं का विकास।
2. राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली हेतु ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली का निर्माण, स्वामित्व तथा परिचालन कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में करना जिसके पूरे देश में 23 मॉडल केन्द्र होंगें और जिस प्रणाली के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीकरण, वैद्यीकरण, प्रवेश पत्र जारी करना, परीक्षा केन्द्रों का आंवटन तथा परिणामों की घोषणा करना सम्मिलित है।
3. नेट/एआरएस परीक्षाओं के सभी विषय क्षेत्रों के लिए क्वेश्चन बैंक का विकास करना।
4. देश के 23 नोडल केन्द्रों में वार्षिक तौर पर नेट/एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्षा का आयोजन करना।
5. अंततः ऑनलाइन परीक्षा का एक राष्ट्रीय सुविधा स्थापित करना जिसका उपयोग न केवल कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल बल्कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा ऑनलाइन ऑडिट एंड अकाउंट्स परीक्षा हेतु, परिषद के शिक्षा प्रभाग द्वारा स्कालरशिप एवं प्रवेश परीक्षा को ऑनलाइन आयोजन करने तथा ऑनलाइन परीक्षाओं के माध्यम से कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए उपयोगी हो।

परियोजना की समाप्ति सफलतापूर्वक दिनांक 30 जून, 2014 को किया गया। एनएआइपी के दिशा निर्देशों के अनुसार इंटरनेशनल कॉम्पिटेटिव बिडिंग प्रक्रिया द्वारा मैसर्स वयम टेक्नॉलोजिस लिमिटेड जिसका कंसोर्टियम मैसर्स एड्यूकेटिव कैरियर टेक्नॉलोजिस प्राइवेट लिमिटेड के साथ है, उस परियोजना नेटवर्क के अंतर्गत हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की आपूर्ति, स्थापना तथा सफल परिचालन के अलावा अगले 3 वर्ष तक सम्पूर्ण प्रणाली के रख–रखाव तथा ऑनलाइन परीक्षाओं को आयोजन करने हेतु चयन किया गया। एजेंसी ने ऑनलाइन

परीक्षा आयोजन हेतु आवश्यक हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की आपूर्ति एवं स्थापना डीसी, डीआर साइट तथा 23 ऑनलाइन परीक्षा केन्द्रों में की। इस परियोजना के अंतर्गत एक नेटवर्क की स्थापना, 23 परीक्षा केन्द्रों में 2020 कम्प्यूटरों को परीक्षा हेतु 21 संस्थानों तथा 2 राज्य कृषि विश्वविद्यायों में किया गया।

सभी परीक्षा केन्द्रों में सरवर, डेस्कटॉप, लोकल एरिया नेटवर्क, फर्नीचर, बैकअप तथा एयरकंडीशन मशीनें उपलब्ध हैं। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में कम्प्यूटरों की संख्या 20 से 120 के बीच रखा गया है। डाटा सेन्टर अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है जैसे अनेक सरवर, एसएएन स्टोरेज, टेप लाइब्रेरी, आधुनिक एप्लीकेशन एवं सिस्टम सॉफ्टवेयर आदि हैं जिसके माध्यम से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ऑनलाइन गतिविधियों को नियंत्रित करता है। परीक्षा केन्द्रों से जुड़ने के लिए एक डेडिकेटेड इंटरनेट लीज्डलाइन (1:1)लिया गया है जिसकी क्षमता 4 एम.बी.पी.एस. है। डाटा सेन्टर में सुरक्षा हेतु इंटरनेट फायरवाल (बैक प्वाइंट) तथा नेटवर्क इन्ट्रोशन प्रिवेंशन सिस्टम (रेडवेयर) लगाया हुआ है और इसके अलावा सभी सरवरों में होस्ट इन्ट्रोशन प्रिवेंशन सिस्टम (ट्रेंड माइक्रो) सॉफ्टवेयर स्थापित है। डीआर साइट का सृजन आईएआरआई परिसर में किया गया है और इसमें सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध है। डीसी और डीआर साइट्स को डेटा बेकअप हेतु एक 10 एम.बी.पी.एस. डेडिकेटर वायरलैस लिंक से जोड़ा गया है।

आउटसोर्स एजेंसी द्वारा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के लिए आवश्यक सुविधाएं जैसे ऑनलाइन पंजीकरण, शुल्क भुगतान, प्रवेश पत्रों की तैयारी एवं जारी करना, परीक्षा केन्द्रों का आंवटन तथा परिणामों की घोषणा करने हेतु आवश्यक सॉफ्टवेयर का विकास तथा कस्टमाइज किया गया। नेट/एआरएस परीक्षाओं हेतु टेस्ट एडमिनिस्ट्रेशन सॉफ्टवेयर तैयार किया गया। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की आवश्यकताओं के अनुसार क्वेश्चन बैंक सॉफ्टवेयर में संशोधन किया गया। एआरएस/नेट परीक्षाओं के 56 विषयक्षेत्रों के लिए डिजिटाइज्ड क्वेश्चन बैंक का सृजन किया गया। क्वेश्चन बैंक से क्वेश्चन पेपर तैयार करने हेतु सॉफ्टवेयर मोड्यूल विकसित किया गया। कम्प्यूटर आधारित परिक्षण से संबंधित सॉफ्टवेयर उपयोगकर्ता के लिए मैत्रीपूर्ण तथा उम्मीदवारों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराता है। किसी भी प्रश्न को उत्तर देने या ततपश्चात् इसकी समीक्षा के लिए या उत्तर दिए बिना छोड़ देने के लिए चुना जा सकता है। ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली से परीक्षाओं में पारदर्शिता, उद्देश्यता, सटीकता एवं कुशलता में वृद्धि हुई है। पंजीकरण प्रक्रिया, प्रवेश पत्रों की तैयारी एवं जारी करना, परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणामों की घोषणा आदि ऑनलाइन होने के कारण उल्लेखनीय रूप से श्रमशक्ति, समय, मानविक भूल तथा आवेदन एवं परिणाम प्रक्रिया की लागत में बचत हुई है।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली में दिनांक 21 नवम्बर, 2013 से 22 नवम्बर, 2013 के दौरान नोडल अधिकारियों तथा तकनीकी कर्मचारियों को ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली से अवगत कराने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी संबंधित परीक्षा केन्द्रों में तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक फील्ड लेबल ट्रेनिंग का प्रबंध किया गया जिसमें ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली की सम्पूर्ण प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। उपपरियोजना के अंतर्गत मुख्य तकनीकी नवनमेशी कार्य हैं – भारत के विभिन्न भागों में फैले 23 परीक्षा केन्द्रों में मौलिक सुविधाओं का सृजन; क्वेश्चन बैंक को डिजिटाइज्ड करने हेतु सॉफ्टवेयर का विकास, क्वेश्चन बैंक से क्वेश्चन पेपर की तैयारी, नेट एवं एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्षा हेतु आवेदनों का ऑनलाइन पंजीकरण जिसमें इलेक्ट्रॉनिक पेयमेंट गेटवे, प्रवेश पत्रों की तैयारी एवं ऑनलाइन जारी करना, टेस्ट एडमिनिस्ट्रेशन सॉफ्टवेयर आदि सम्मिलित हैं; ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली को समझने हेतु लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना है।

सम्पूर्ण ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली के अंतर्गत सभी हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर का परीक्षण प्रथम ऑनलाइन परीक्षा से पूर्व मैसर्स के.पी.एम.जी. के द्वारा कराया गया ताकि विकसित सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन तथा प्रणाली की सुरक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

ऑनलाइन परीक्षा केन्द्र का एक दृश्य

प्रथम ऑनलाइन नेट 2014 (I) परीक्षा दिनांक 26 मार्च, 2014 से 4 अप्रैल, 2014 तक आयोजित किया गया। इस परीक्षा हेतु 18,245 उम्मीदवारों ने आवेदन किया परन्तु 14,178 (77.71%) आवेदक ही परीक्षा में उपस्थित हुए। यह परीक्षा प्रथम है जिसे पूरी तरह कागज और कलम से बदलकर कम्प्यूटर आधारित बनाया गया। दूसरी ऑनलाइन परीक्षा नेट 2014 (II) तथा एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्षा का सफल आयोजन दिनांक 22 सितम्बर, 2014 से 28 सितम्बर, 2014 के दौरान किया गया।

8

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का अनुपालन

भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल अपनी नियुक्तियों, मूल्यांकन एवं चयन प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता अपनाने एवं सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 को सच्चे अर्थों में लागू करने हेतु कटिबद्ध है। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के अनुसार नियुक्तियों एवं मूल्यांकन से संबंधित अद्यतन सूचनाएं समय समय पर मंडल के वेबसाईट (www.asrb.org.in) पर डाला जाता है। मंडल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अनेक अनुरोधों एवं अपीलों को निर्धारित अवधि में बड़ी कुशलता एवं संतोषजनक रूप से निपटारा किया। इस संदर्भ में मंडल ने एक दायित्वपूर्ण लोक प्राधिकरण के रूप में सभी आवश्यक एवं उचित कार्रवाईयां की। मंडल ने सूचना याचकों के अनुरोधों के निपटान के लिए दो मुख्य जन सूचना अधिकारियों तथा एक अपील अधिकारी की नियुक्ति की।

मंडल में कुल 482 मामले प्राप्त हुए जो मुख्यतः निम्नलिखित संदर्भों में हैं –

1. विशेषज्ञों के नाम
2. जांच एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंक
3. सीधी भर्ती के पदों के आवदनों की जांच प्रक्रिया
4. एआरएस/नेट परीक्षा में प्राप्त अंक
5. एआरएस उत्तर पुस्तिका की मूल्यांकन प्रक्रिया
6. प्रारम्भिक परीक्षा की 'आन्सर की'
7. आन्सर शीट, ओएमआर शीट तथा प्रश्न पत्रों की फोटो प्रतियां
8. मंडल के प्रोएक्टिव आदेश/निर्णय तथा सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 का अनुपालन।

सभी मामलों को सफलतापूर्वक निपटाया गया। कुल 482 मामलों में केवल 6 आवेदक ही मंडल के निर्णयों के विरूद्ध केन्द्रीय सूचना आयोग में अपील किए हैं। उन मामलों को भी संतोषजनक रूप से निपटाया गया है। सम्पूर्ण विवरण तालिका 5 में दर्शाया गया है।

वर्ष 2014–2015 के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत निष्पादित मामलों का विवरण

खण्ड–1 : (अनुरोधों एवं अपीलों का विवरण)

	01.04.2012 से पूर्व लम्बित मामलें	अन्य स्थानों से स्थानांतरित हो कर आए मामलें	तिमाही के दौरान प्राप्त अनुरोध (अन्य स्थानों पर भेजे गए पत्रों सहित)	अन्य स्थानों पर भेजे गए मामलें	निर्णय जहां अनुरोध/अपील अस्वीकार किया गया हो	निर्णय जहां अनुरोध/अपील स्वीकृत किया गया हा
अनुरोध	0	23	459	10	9	463
प्रथम अपील	0	–	57	–	0	57
		सीएपीआईओ की कुल संख्या		सीपीआईओ की कुल संख्या		अपील अथॉरिटी
		–		2		1

खण्ड–2: (संग्रहि शुल्क, लगाया गया जुर्माना राशि तथा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई)

वसूल की गई पंजीकरण राशि धारा 7(1)	वसूल की गई अतिरिक्त राशि धारा 7(3)	केन्द्रीय सूचना आयोग के निर्देशों के अनुसार वसूल की गई जुर्माना राशि धारा 20(1)	अधिकारियों के विरूद्ध की अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलें धारा 20(2)
4,120/–	14,773/–	0	0

खण्ड–3 : (मांगी गई सूचना मना करने के दौरान धारा 8 के विभिन्न प्रावधानों के उपयोग)

मांगी गई सूचना देने से मना करने के दौरान कितने बार विभिन्न प्रावधानों का सहारा लिया गया उसका विवरण

धारा 8(1)										अन्य धारा			
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)	(एच)	(आई)	(जे)	(9)	(11)	(24)	अन्य
—	–	–	0	6	–	0	–	6	–	—			3

9

राजभाषा हिन्दी की प्रगति

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल अपने कार्यालय में हिन्दी के गामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए वचनबद्ध है ताकि केन्द्र सरकार/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित हो एवं वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु एक उपनिदेशक (राजभाषा) तैनात हैं। हिन्दी (राजभाषा) की उन्नति के लिए किए गए प्रयास निम्नलिखित हैः

- मंडल में राजभाषा अधिनियम एवं नियमों के अनुसार मंडल में परिपत्रों, रिपोर्टों एवं अन्य प्रलेखों की द्विभाषी आवश्यकता समुचित रूप से पालन किया जाता है।
- मंडल में कार्यरत 95 प्रतिशत् अधिकारीगण एवं शत–प्रतिशत् कर्मचारी हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त हैं।
- हिन्दी में कार्य करने में सहायता हेतु कर्मचारियों को कृषि शब्दावली, सामान्य कार्यालयीन वाक्यों का हिन्दी समानार्थक वाक्य तथा पत्रों के मानक मसौदे आदि उपलब्ध कराया गया।
- मंडल द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं से संबंधित अधिसूचनाऐं, पाठ्यक्रम, उम्मीदवारों के लिए अनुदेश, परीक्षा प्रवेश पत्र, प्रश्न पत्र, आवेदन प्रपत्र, परीक्षा में उपस्थिति की सूची आदि द्विभाषीय रूप में तैयार किए जाते हैं।
- वर्ष के दौरान मंडल द्वारा जारी किए गए तीनों विज्ञापन हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में ''रोजगार समाचार'' सहित देश के प्रमुख समाचार पत्रों में दिया गया है।
- मंडल के कार्यालय में उपलब्ध सभी कम्प्यूटरों पर देवनागरी में टंकण करने की सुविधा उपलब्ध है।
- मंडल के 8 अनुभागों में से 2 अनुभागों को पूर्णतः हिन्दी में काम करने हेतु अधिसूचित किया गया है।
- प्रश्न पत्र बनाने वाले विशेषज्ञों की सुविधा के लिए कृषि शिक्षा/अनुसंधान से संबंधित प्रमुख तकनीकी शब्दों हेतु शब्दकोशों की सुविधा उपलब्ध है।
- मंडल विभिन्न परीक्षाओं के उम्मीदवारों को हिन्दी में परीक्षा लिखने तथा साक्षात्कारों में हिन्दी में उत्तर देने का विकल्प उपलब्ध करता है।
- रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल द्वारा पुस्तकालय हेतु ₹15,000/– की पुस्तकों की खरीद की गई।
- रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसेः हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता, हिन्दी पत्र लेखन प्रतियोगिता, प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता आदि। प्रतियोगिताओं के निर्वाहन के लिए बाहरी व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया नामतः श्रीमती अर्चना राघव, सहायक निदेशक (राजभाषा), राष्ट्रीय पादप अनुवांशिकी ब्यूरो, नई दिल्ली; डा. पूरन सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा), कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली; श्री एस.पी. उनियाल, पूर्व उपनिदेशक (राजभाषा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली तथा डा. हेमचन्द्र जोशी, पूर्व प्रभागाध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली।

श्रीमती प्रियंवदा, निदेशक (राजभाषा), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, हिन्दी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार प्रदान करते हुए

- मंडल में 15 सितम्बर से 22 सितम्बर, 2014 के दौरान हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर डा. रमेश बाबू अनिनेरी, निदेशक (राजभाषा), जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में श्रीमती प्रियंवदा, निदेशक (राजभाषा), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंडल के अध्यक्ष, सदस्यगण तथा मुख्य अतिथि द्वारा नगद पुरस्कार दिए गए।
- वर्ष के दौरान राजभाषा नियमानुसार राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 4 बैठकें, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन के अलावा राजभाषा व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याख्यान हेतु श्रीप्रकाश शुक्ला, अवर सचिव, संसदीय राजभाषा उपसमिति–II नई दिल्ली को मंडल में आमंत्रित किया गया था।

राजभाषा कार्यशाला का एक दृश्य

10

स्थापना दिवस समारोह

भारतीय राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली की सेवा में चार दशक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने अपना 41वां स्थापना दिवस दिनांक 01 नवम्बर, 2014 को नई दिल्ली में मनाया। इस अवसर पर श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. मुख्य अतिथि रहे।

माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री जी ने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की सेवाओं की सराहना करते हुए इस बात पर बल दिया कि प्रतिभा खोज योजनाओं में और अधिक सुधार एवं नयापन लाते हुए इन्हें पुनः गढ़ने की आवश्यकता है ताकि एक ऐसे खेत वैज्ञानिकों का समुदाय बनाया जा सके जो कृषि और भारतीय किसानों कि समस्याओं के प्रति पूर्णतः समर्पित एवं संवेदनशील हो। बढ़ती कृषि लागत, घटती भूमि, जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में कम लागत वाले अनुसंधानात्मक समाधानों को किसानों तक पहुंचाने के संदर्भ में किसानों के पास उपलब्ध छोटे भूखंडों पर चिंता जताई। इस अवसर पर कृ.वै.च.मं. का छमाही, द्विभाषी न्यूजलैटर के प्रथम अंक तथा द्विभाषी प्रोफाइल का विमोचन भी किया गया।

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने सन् 1973 में मंडल की स्थापना से लेकर अब तक की प्रमुख उपलब्धियों को संक्षिप्त रूप में दोहराया। इस अवधि के दौरान मंडल ने प्रवेश स्तर के 7,198 वैज्ञानिकों की नियुक्ति की, कृषि अनुसंधान सेवा में 3,332 वैज्ञानिकों को इंडक्ट किया, कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत 13,072 वैज्ञानिकों के कार्य द. मूल्यांकन किया, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के 44,715 प्रमाण–पत्र जारी किए तथा सीधी भर्ती के माध्यम से विभिन्न स्तर के वैज्ञानिक पदों पर 5,500 से अधिक वैज्ञानिकों की नियुक्ति की जैसे उपमहानिदेशक, सहायक महानिदेशक, निदेशक, जोनल परियोजना निदेशक, प्रभागाध्यक्ष, परियोजना समन्वयक, प्रधान वैज्ञानिक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक।

मंच पर मुख्य अतिथि माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. एवं अन्य उच्च पदाधिकारी

कृषि अनुसंधान सेवा प्रारंभिक परीक्षा तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षाओं को कागज और कलम पद्धति से उन्नत बनाते हुए इन्हें पूर्ण रूप से कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षाओं के रूप में परिवर्तित किया गया जो उन्नत प्रतिभा खोज में एक महत्वपूर्ण पहल है। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा अब वर्ष में दो बार आयोजित की जा रही है वह भी संभावित न्यूनतम समय सीमा में। अध्यक्ष ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का भी जिक्र किया जिनमें अब तक विशेष प्रयास किए गए हैं। प्रतिभा की खोज के विस्तार के रूप में विदेश के उन्नत अनुसंधान संस्थाओं में अध्ययनरत एवं कार्यरत भारतीय छात्रों/अनुसंधानकर्ताओं को आकर्षित करना एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। अन्य प्राथमिकताओं में अफ्रिका–एशिया प्रदेश में भारतीय सहयोगिक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सुदृढ़

कृ.वै.च.मं. के 41वां स्थापना दिवस के अवसर पर श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री जी का संबोधन

करने हेतु कृषि अनुसंधान सेवा के अंतर्गत एक अंतराष्ट्रीय कैडर का गठन करना है। नियुक्ति प्रक्रिया में निरंतर सुधार लाने हेतु कृषक एवं स्टेकहोल्डरों से नियमित रूप से फीडबैक लेने की एक स्पष्ट नीति का निमार्ण करना है। विदेशों में स्थित उन्नत मानव संसाधन विकास संस्थाओं से नियमित रूप से संपर्क बनाए रखना ताकि राष्ट्रीय प्रणाली हेतु प्रतिभा खोज की नवीनतम प्रयासों का लाभ उठाया जा सके।

औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के दौरान डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने अपना मूल्यवान समय निकालकर इस समारोह में उपस्थित हुए। उन्होंने अपने सभी सहकर्मियों एवं कार्मिकों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया। डॉ. राघवेन्द्र गडगकर, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी जिन्होंने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया, नेकृषिविज्ञान क्षेत्र में नई उभरती पहलुओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने राष्ट्रीय विकास में वैज्ञानिक प्रयासों की अपार संभावनाओं को महत्वपूर्ण बताया। समाज को वैज्ञानिक समुदाय से इस ओर बड़ी आशाएं हैं। डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. ने कृ.वै.च.मं. के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को उच्च मानव संसाधन उपलब्ध कराने हेतु बधाई दी। उन्होंने कहा कुछ महत्वपूर्ण पहलूओं भा.कृ.अनु.प.–राज्य कृषि विश्वविद्यालयों एवं इसके विपरीत वैज्ञानिकों के आने–जाने से संबंधित पहलुओं का समाधान किया गया है। उन्होंने कहा संभवतः यह समाधान मंडल के प्रतिभा खोज प्रयासों में सहायक होगा। डॉ. जे. एस. सामरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नेशनल रेनफैड एरिया अथॉरिटी जिन्होंने समारोह की अध्यक्षता की, ने आग्रह किया कि संघ लोक सेवा आयोगोग की तर्ज पर कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की स्वायत्तता को बनाए रखना आवश्यक है ताकि कृषि में विज्ञान एवं वैज्ञानिकों की गुणवत्ता बनी रहे।

डॉ. एस. के. बन्दोपाध्याय, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने प्रो. राघवेन्द्र गडगकर, अध्यक्ष, आईएनएसए के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने इस समारोह हेतु अपना मूल्यवान समय दिया। उन्होंने विशेष रूप से कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष एवं सदस्य, अन्य उच्च पदाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने इस स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए अपने अनुभवों को व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक एवं संयुक्त निदेशक को उनकी सहायता के लिए विशेष रूप से और अपने सहयोगियों एवं कार्मिकों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के 41वां स्थापना दिवस की कुछ झलकियां

माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा कृ.वै.च.मं. के न्यूजलेटर का विमोचन

माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा एएसआरबी प्रोफाइल का विमोचन

कृ.वै.च.मं. के 41वां स्थापना दिवस के अवसर पर श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. का सम्बोधन

अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. को स्मृति चिन्ह से सम्मान

डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. का सम्बोधन

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. का सम्बोधन

डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा धन्यवाद ज्ञापन।

प्रो. राघवेन्द्र गडगकर, अध्यक्ष, आईएनएसए का सम्बोधन

डॉ. जे. एस. सामरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नेशनल रेनफैड एरिया अथॉरिटी का सम्बोधन

डॉ. एस. के. बन्दोपाध्याय, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. बी. पी. पाल आडिटोरियम में उपस्थित अतिथियों का एक दृश्य

11

महिला सशक्तिकरण

कृ.वै.च.मं. ने वर्ष के दौरान दो राष्ट्रीय पात्रता परीक्षाओं (नेट परीक्षा) का आयोजन किया। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि दोनों परीक्षाओं में सफल कुल 6937 उम्मीदवारों में से 42% उम्मीदवार महिलाएं थीं।

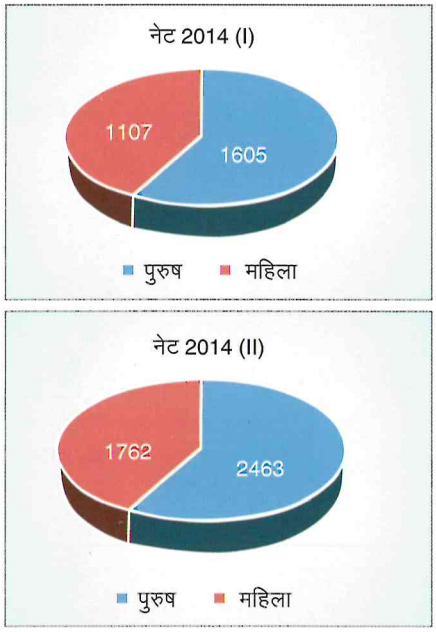

नेट परीक्षा 2014 (I एवं II) में लिंग अनुपात

पिछले 5 वर्षों के आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कृषि अनुसंधान सेवा में प्रवेश स्तर पर महिलाओं की नियुक्तियां वर्ष 2009–10 के 16% से बढ़कर वर्ष 2014–15 में 31% हो गई हैं, जो कि एक सकारात्मक वृद्धि है। भारत सरकार की नीति तथा इस प्रणाली में लिंग समानता में सुधार करने हेतु

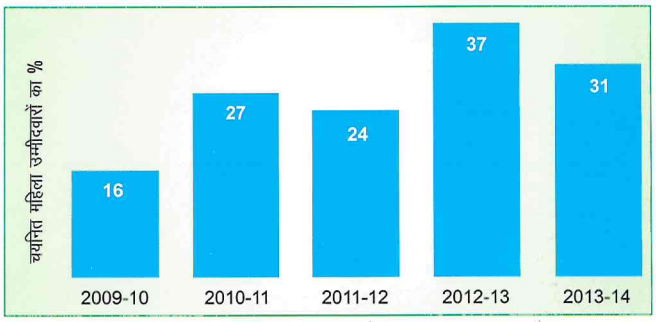

वर्ष 2009–10 से 2014–15 के दौरान कृषि अनुसंधान सेवा में महिलाओं की नियुक्तियों का विवरण

महिलाओं को प्रतिस्पर्धा में प्रोत्साहित करने के लिए मंडल द्वारा सभी सम्भव उपाय किए जाते हैं।

वर्ष 2014–15 के दौरान कृषि अनुसंधान एवं प्रबन्धन के पदों पर की गयी भर्ती में अनुमानतः 5% महिलाओं की नियुक्ति हुई।

12

विविध

कैरियर एडवांसमेंट योजना के नियमों के अनुसार अध्यक्ष, कृ.व.च.मं. ने परिषद् के मुख्यालय एवं संस्थानों में वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कार्मिकों की पदोन्नतियों पर विचार करने हेतु विभागीय पदोन्नति समितियों के विशेषज्ञों/अध्यक्षों का नामांकन किया। कृ.वै.च.मं. ने संस्थानों में तकनीकी कार्मिकों के चयन के लिए गठित चयन समितियों के प्रमुख/अध्यक्षों का भी नामांकन किया।

वैज्ञानिकों की मूल्यांकन पदोन्नति

मंडल ने 45 संस्थानों में वैज्ञानिकों के मूल्यांकन आरजीपी ₹6000 से ₹7000, आरजीपी ₹7000 से ₹8000 तथा आरजीपी ₹8000 से ₹9000 हेतु विभागीय पदोन्नति समितियों के गठन के लिए विशेषज्ञों के नामांकनों को अंतिम रूप दे कर अधिसूचित किया जिनका विवरण परिशिष्ट–8 में दिया गया है।

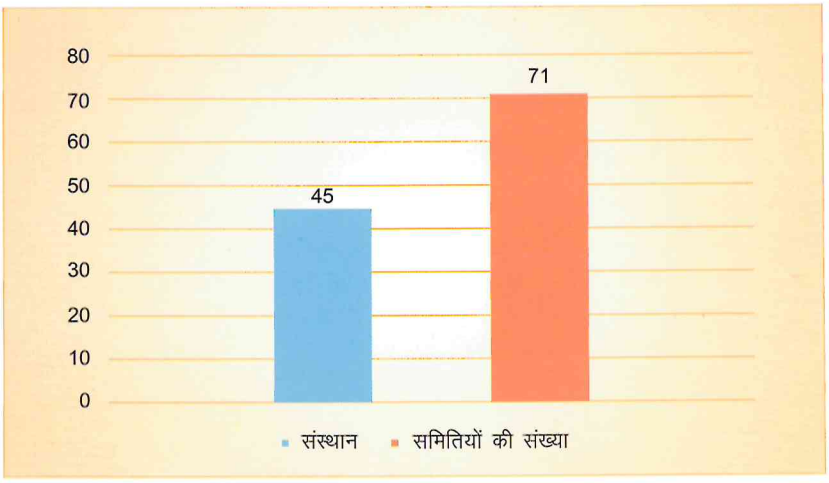

वैज्ञानिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

तकनीकी कर्मचारियों की मूल्यांकन पदोन्नति

परिषद के 35 संस्थानों में विभिन्न तकनीकी वर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए मूल्यांकन समितियों का नामांकन किया गया। इन नामांकनों का विवरण परिशिष्ट 9 में दिया गया है।

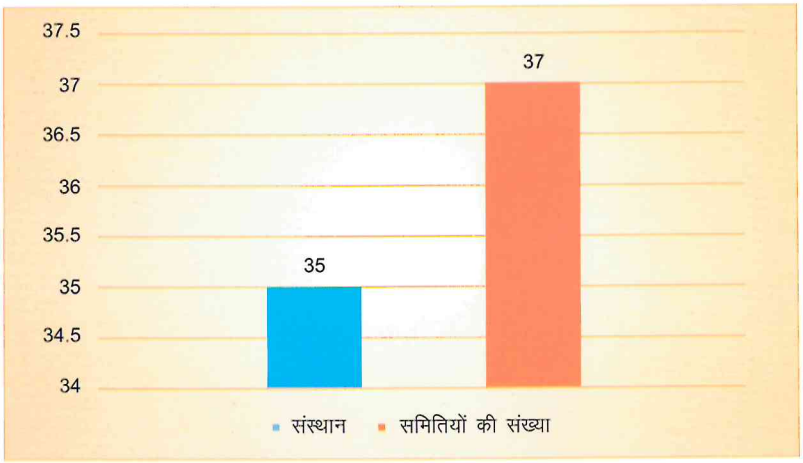

तकनीकी कर्मचारियों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

13

सम्मान/एवार्ड

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त सम्मान/एवार्ड/आनर्स

हरित रत्न एवार्ड

आल इंडिया एग्रीकल्चरल स्टूडेन्टस् एसोसिएशयन ने दिनांक 31 दिसम्बर, 2014 को डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को हरित रत्न एवार्ड से सम्मानित किया।

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को हरित रत्न एवार्ड से सम्मान

डॉ. एम.एस. रंधावा मेमोरियल एवार्ड

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी ने डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को 12वीं एग्रीकल्चरल साईंस कांग्रेस के दौरान दिनांक 3 फरवरी, 2015 को डॉ. एम. एस. रंधावा मेमोरियल एवार्ड से सम्मानित किया।

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. पंजाब और हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी के हाथों से डॉ. एम. एस. रंधावा मेमोरियल एवार्ड लेते हुए।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त सम्मान/एवार्ड/आनर्स

- "खाद्य सुरक्षा तथा ग्रामीण जीविका हेतु प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन" विषय पर दिनांक 13 फरवरी, 2015 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में माननीय केन्द्रीय जनजातीय मंत्री श्री जुअल ओरम जी द्वारा मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान हेतु आईएएसडब्ल्यूसी का लाइफ टाइम एचीवमेंट से सम्मानित किया गया।

माननीय केन्द्रीय जनजातीय मंत्री द्वारा डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को लाइफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड से सम्मान

- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 3 सितम्बर, 2014 को "इंजिनियरिंग इन्टरवेंशन्स इन प्रोसेसिंग एण्ड वैल्यू एडिशन ऑफ मिल्क एण्ड मिल्क प्रोडक्टस" विषय पर आयोजित नेशनल समर स्कूल के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि।

डॉ. वी. एन शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल नेशनल समर स्कूल के उद्घाटन समारोह में।

- दिल्ली रत्न पुरस्कार हेतु 21 दिसम्बर, 2014 को "एथिक्स एण्ड फंडामेंटल ड्यूटीज : रोल ऑफ इन्टेलेच्युअलस्" विषय पर दिल्ली में आयोजित 33वीं आल इंडिया कांफरेन्स ऑफ इन्टेलेच्युअलस्–2014 में गेस्ट ऑफ हॉनर।
- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 3 से 6 फरवरी, 2015 के दौरान आयोजित एग्रीकल्चरल साईंस काग्रेस के तकनीकी सत्र–'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तनः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' की दिनांक 5 फरवरी, 2015 को अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में आयोजित 12वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस के सत्र में अध्यक्षता करते हुए डॉ. वी. एन शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं.

- नई दिल्ली में 10–13 फरवरी, 2015 के दौरान "खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण जीविका के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिनांक 12 फरवरी, 2015 को "भारत में खाद्य एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु मृदा एवं जल संरक्षण उपाय" प्लीनरी सेशन–III में की–नोट व्याख्यान।
- "खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण जीविका" विषय पर दिनांक 10–15 फरवरी, 2015 को नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु राष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्यता।
- नार्म, हैदराबाद में दिनांक 31 मार्च, 2015 को फोकर्स 101 बैच के समापन समारोह में मुख्य अतिथि।
- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदत्त प्रख्यात शान्ति स्वारूप भटनागर पुरस्कार–2014 हेतु रेफरी के रूप में नामांकन।

नार्म, हैदराबाद में फोकर्स के 101वां बैच के वैज्ञानिकों को डॉ. वी. एन शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. का संबोधन।

- इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स द्वारा वर्ष 2014 के लिए प्रदत्त फेलोशिप के लिए न्याय निर्णय समिति की अध्यक्षता।

डॉ. एस. के. बन्दोपाध्याय, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त सम्मान/एवार्ड/आनर्स

डॉक्टर ऑफ साईंस (हॉनौरिस कौजा)

पश्चिम बंगाल मात्स्यिकी एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय ने 29 जनवरी, 2015 को आयोजित विश्वविद्यालय के 9वां दीक्षान्त समारोह में डॉ. एस. के. बन्दोपध्याय, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को पशु चिकित्सा विज्ञान के अनुसंधान एवं विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साईंस (हॉनौरिस कौज़ा) की उपाधि प्रदान किया।

डॉ. एस. के. बन्दोपाध्याय, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को डॉक्टर ऑफ साईंस की उपाधि प्रदान करते हुए पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल

14

दौरे

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा विशेष व्याख्यान, तकनीकी दौरे तथा पारस्परिक चर्चाएं

- दिनांक 1–3 अप्रैल, 2014 के दौरान करनाल और लुधियाना परीक्षा केन्द्रों में ऑनलाइन नेट परीक्षा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण।
- यूपीसीएआर, लखनऊ द्वारा दिनांक 6–7 मई, 2014 के दौरान ''इम्प्रूविंग एग्रीकल्चरल प्रोडक्टविटी इन द बैकड्रॉप ऑफ डिप्लीटिंग नेचुरल रिसोर्सेस एण्ड चेंजिंग क्लाइमेट कंडिशन्स'' विषय पर आयोजित विचार मंथन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हो कर सत्र का उदघाटन एवं लखनऊ स्थित परिषद के संस्थानों के वैज्ञानिकों से चर्चा।
- नई दिल्ली में दिनांक 19 अगस्त, 2014 को इन्टरवेंशन्स इन ट्राइबल एरिया एण्ड एफिशियन्सी एनहांसमेंट विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र संवाद कार्यशाला में विशेष व्याख्यान दिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र की कार्यशाला में डा. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.म. का व्याख्यान

- दिनांक 21–23 अगस्त, 2014 के दौरान केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में संस्थान के 65वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में दिनांक 30 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2014 के दौरान ''सतत जीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि में विविधता'' विषय पर प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठि की प्रगति की समीक्षा और विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वैज्ञानिकों से चर्चा की।
- दिनांक 10–11 नवम्बर, 2014 के दौरान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठि ''सतत जीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि में विविधता'' के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की।
- दिनांक 17–21 नवम्बर, 2014 के दौरान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठि ''सतत जीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि में विविधता'' में उपस्थित हो कर अध्यक्षीय व्याख्यान, एक तकनीकी लीड व्याख्यान दिया एवं कृ.वै.च.मं. की गतिविधियों पर फीडबैक प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिकों व अनुसंधान प्रबंधकों से पारस्परिक चर्चाएं की तथा केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना स्थित परिषद के अन्य केन्द्रों का दौरा किया एवं वैज्ञानिकों से चर्चाएं की।
- डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन में दिनांक 24–26 नवम्बर, 2014 के दौरान विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हो कर दीक्षान्त व्याख्यान दिया।

डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन का 7वां दीक्षान्त समारोह

- ''कृषि वानिकी परितंत्रों में कीट समस्याएं एवं उनके प्रबंधन का बदलता परिदृश्य'' विषय पर दिनांक 27 नवम्बर, 2014 को आरसीए, एमपीयूएटी, उदयपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

''कृषि वानिकी परितंत्रों में कीट समस्याएं एवं उनके प्रबंधन का बदलता परिदृश्य'' विषय पर आरसीए, एमपीयूएटी, उदयपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 06–08 दिसम्बर, 2014 को आयोजित डेरी विज्ञान महाविद्यालयों के डीनों के बैठक का उदघाटन किया और दिनांक 16–17 जनवरी, 2015 के दौरान प्रस्तावित ''राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली हेतु प्रतिभा खोज प्रणाली को अनुकूलतम बनाना'' विषय पर कार्यशाला सह विचार मंथन सत्र हेतु की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की।
- केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना में दिनांक 18–19 दिसम्बर, 2014 को आयोजित रजत जयन्ती सेमिनार के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना का रजत जयन्ती सेमिनार

- दिनांक 25 से 28 दिसम्बर, 2014 के दौरान एआरएस मुख्य परीक्षा हेतु जम्मू परीक्षा केन्द्र में की गईं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और गुरू नानक देव विश्वविद्यालय का दौरा किया।
- दिनांक 3–06 फरवरी, 2015 के दौरान 12वां एग्रीकल्चरल साईंस कांग्रेस में भाग ले कर डॉ. एम. एस. रंधावा एवार्ड प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय पशु अनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो एवं परिषद के अन्य केन्द्रों का दौरा कर वहां के वैज्ञानिकों से चर्चाएं की।
- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 13 फरवरी, 2015 को संस्थान के 13वां दीक्षान्त समारोह में गेस्ट ऑफ हॉनर के रूप में उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में 13वां दीक्षान्त समारोह

- डॉ. पी. डी. कृषि विद्यापीट, कृष्णा, अकोला में दिनांक 25 फरवरी, 2015 को ''फार्म इम्प्लीमेंट टेस्टिंग केन्द्र'' का उद्घाटन।
- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 2(फरवरी, 2015 को डेरी मेला के समापन समारोह में अध्यक्षता।
- भा.प.चि.अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में दिनांक 17 मार्च, 2015 को नार्थन जोन रीजनल कृषि मेला का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन।
- दिनांक 21 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल में 15वां आल इंडिया एग्रीकल्चरल युनिवर्सिटीज यूथ फेस्टीवल के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति।
- दिनांक 27 मार्च, 2015 को गुरू काशी विश्वविद्यालय, तेलवांडी साबो, भाटिंडा के प्रथम दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त व्याख्यान।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा विशेष व्याख्यान, तकनीकी दौरे तथा पारस्परिक चर्चाएं

- दिनांक 2–3 अप्रैल, 2014 के दौरान भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली में ऑनलाइन नेट परीक्षा आयोजन का निरीक्षण

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा भा.प.चि.अनुसंधान संस्थान में ऑनलाइन नेट परीक्षा आयोजन का निरीक्षण

- एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 28 अप्रैल, 2014 को कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा परिषद के संस्थानों के निदेशकों से पारस्परिक चर्चा।
- उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) की सेवा अवधि बढ़ाने हेतु दिनांक 22 मई, 2014 को आयोजित टेन्यूर रिनिवल कमेटी की बैठक में प्रतिभागिता।
- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में 4–5 जून, 2014 के दौरान वार्षिक आम बैठक तथ स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थिति।
- इंडियन नेशनल एकादमी ऑफ इंजिनियरिंग के वर्ष 2015 के फेलों चुनने हेतु 23 अगस्त, 2014 को गुड़गांव में निर्णेता समिति के सदस्य के रूप में चयन समिति में उपस्थिति।
- भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के निदेशकों का सेवाकाल बढ़ाने हेतु दिनांक 28 अगस्त, 2014 को टेन्यूर रिनिवल कमेटी बैठक में प्रतिभागिता।

- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में द्विवार्षिक रूप से 2013–14 दी जाने वाली सम्मान हेतु नामांकन की जांच के लिए बनी निर्णेता समिति में सदस्य के रूप में दिनांक 17 सितम्बर, 2014 को एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में उपस्थिति।
- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में फेलो चुनने हेतु बनी सेक्शनल कमेटी में सदस्य के रूप में दिनांक 17–19 सितम्बर, 2014 के दौरान एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में उपस्थिति।
- केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में दिनांक 21–22 सितम्बर, 2014 के दौरान एआरएस प्रारम्भिक परीक्षा एवं नेट परीक्षा–2014 हेतु की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण।

के.मृ.ज.स.अनु.प्र.सं., देहरादून में डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा परीक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण

- केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में दिनांक 23–24 सितम्बर, 2014 के दौरान एआरएस प्रारम्भिक परीक्षा तथा नेट परीक्षा–2014 हेतु की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण।

के.अ.अनु.सं., शिमला में परीक्षा व्यवस्थाओं का डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा निरीक्षण।

- दिनांक 11–13 दिसम्बर, 2014 के दौरान बिड़ला इंस्टीटूयट ऑफ साईंटिफिक रिसर्च, जयपुर में आयोजित 'आईएनएई वार्षिक अधिवेशन 2014' में भाग लिया और केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों से पारस्परिक चर्चाएं की।
- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अकादमी सचिवालय, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 26 दिसम्बर, 2014 को आयोजित एनएएएस जरनल स्कोर कमेटी की बैठक में भाग लिया।
- उपमहानिदेशक (पशु विज्ञान) तथा परिषद के संस्थानों के निदेशकों का सेवा काल बढ़ाने हेतु दिनांक 30 दिसम्बर, 2014 को कृषि भवन, नई दिल्ली में आयोजित टेन्यूर रिनिवल कमेटी की बैठक में प्रतिभागिता।
- कृ.वै.च.मं. द्वारा राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में दिनांक 15–17 जनवरी, 2015 के दौरान आयोजित विचार मंथन सत्र सह कार्यशाला में उपस्थित एवं ''स्टेटस ऑफ कैरियर एडवांसमेंट स्कीम'' विषय पर की–नोट व्याख्यान
- दिनांक 13 मार्च, 2015 को केन्द्रीय बरानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा एवं वैज्ञानिकों से चर्चा।

डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. सीआरआईडीए, हैदराबाद के वैज्ञानिकों से चर्चा करते हुए

- नार्म, हैदराबाद में दिनांक 30 मार्च, 2015 को फोकर्स के 101वां बैच के वैज्ञानिकों के लिए ''भारत में खाद्य एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु मृदा संरक्षण एवं वाटरशेड प्रबंधन'' विषय पर व्याख्यान।
- दिनांक 31 मार्च, 2015 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलिट रिसर्च, हैदराबाद का दौरा तथा वैज्ञानिकों से चर्चा।

डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. नार्म, हैदराबाद में वैज्ञानिकों के लिए व्याख्यान देते हुए।

आईआईएमआर, हैदराबाद के वैज्ञानिकों से चर्चा करते हुए डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं.

डॉ. एस. के. बन्दोपाध्याय, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा विशेष व्याख्यान, तकनीकी दौरे तथा पारस्परिक चर्चाएं

- दिनांक 18 से 23 अप्रैल के दौरान शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल तथा मुक्तेश्वर स्थित खुरपका एवं मुंहपका रोग परियोजना निदेशालय, आईवीआरआई प्रादेशिक परिसर एवं सीआईटीएच प्रादेशिक केन्द्रों का दौरा कर वैज्ञानिकों से पारस्परिक चर्चाएं की।
- दिनांक 18 से 20 जून, 2014 के दौरान आईवीआरआई के प्रादेशिक केन्द्र पालमपुर का दौरा किया और कृ.वै.च.म. के स्कोर कार्ड कमेटी की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 20 सितम्बर, 2014 राष्ट्रीय पशु अनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रू में उपस्थित हुए।
- दिनांक 24 सितम्बर, 2014 को मुंबई परीक्षा केन्द्र म ऑनलाइन नेट परीक्षा (II) तथा एआरएस (प्रारम्भिक) परीक्ष के आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।
- दिनांक 29 जनवरी, 2015 को पश्चिम बंगाल मात्स्यिक विज्ञान विश्वविद्यालय के 9वां दीक्षान्त समारोह में उपस्थि हो कर डी. एससी (हॉनौरिस कौजा) की उपाधि ग्रहण की और मात्स्यिकी विज्ञान के संकाय सदस्यों से पारस्परि चर्चाएं की।

15

प्रकाशन

ानुसंधान लेख

गजेन्द्र, **गुरबचन सिंह**, जे.सी. डागर, खजांची लाल एवं आर. क. यादव, 2014। लवणीय पर्यावरण में खाने योग्य कैक्टस ोपनटियाफिकस–इन्डिका) का निष्पादन। इंडियन जरनल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस 84(4):509–13

घोष, पी.के., सुनील कुमार एवं **गुरबचन सिंह**, भारत में कृषि ानिकी प्रणाली के लिए सस्य विज्ञानी पद्धतियां। इंडियन जरनल ऑफ एग्रोनोमी 59(4):497–510

एडामोस्की, जे, एच.एफ. चान, एस.ओ. प्राशेर एवं **वी.एन. शारदा 2014।** कम्पेरिजन ऑफ मल्टिवेरियेट एडाप्टिव रिग्रेशन स्प्लाइन्स ोद कपल्ड वेवलेट ट्रांसफार्म आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क फॉर रनऑफ फॉरकास्टिंग इन हिमालयान वाटरशेड विद लिमिटेड ेटा। जरनल ऑफ हाइड्रो–इंफोमेटिक्स, 14(3):731–744

ोगरा, प्रदीप, **वी.एन. शारदा,** पी.आर. ओजस्वी, शिव ओ प्राशेर एवं आर.एम. पटेल 2014। कम्प्रोमाइस प्रोग्रामिंग बेसड मॉडल फॉर ऑग्मेटिंग फूड प्रोडक्शन विद मिनिमम वाटर एलोकेशन न ए वाटरशेडः केस स्टडी इन द इंडियन हिमालयास। वाटर रिसोर्सेस मैनेजमेंट, 28:5247–5265

कुमार गोपाल, डी.आर. सेना, के.एन. तिवारी, आर.एस. कुरोथे एवं **वी.एन.शारदा 2014** स्टेटिस्टीकल एसेसमेंट ऑफ सोइल–वाटर रैरेक्ट्रेरिस्ट्रिक मॉडल्स। इंडियन जरनल ऑफ सोयल कंजर्वेशन, 42(1):1–9

शारदा वी.एन., प्रदीप डोगरा एवं डी.आर. सेना 2015। म्पेरेटिव इकोनॉमिक एनालासिस ऑफ इंटर–क्रॉप बेसड कंजर्वेशन बैन्च टैरेस एंड कंवेन्शनल सिस्टम्स इन ए सब–ह्यूमिड क्लाइमेट ऑफ इंडिया ज. रिसोर्सेस, कन्वर्जन एंड रिसाइक्लिंग, 8(2015):30–40

नोज एम., आर.एस. गांधी, राजा टी.वी., **ए.पी. रूहिल,** ए. सिंह एवं ए.के. गुप्ता, 2014। ''कम्पेरिजन ऑफ आर्टिफिशियल यूरल नेटवर्क एंड मल्टीपल लीनियर रिग्रेसन फॉर प्रिडिक्शन ऑफ फस्ट लेक्टेशन मिल्क यील्ड यूसिंग अर्ली बॉडी वेईट्स इन साहिवाल केटल'', *इंडियन जरनल ऑफ ऐनिमल साइंसस* 4(4), पीजीः 427–430

सिंह अनिमेश, एन.एल. जाट, राघवेन्द्र सिंह, **सुरेश पाल**, अमितेश कुमार सिंह एवं बी.ए. गुडाडे (2014) इफेक्ट ऑफ फर्टीलिटी लेवल्स एंड बायोइनोक्यूलेंटस् ऑन ग्रोथ, प्रोडक्टिविटी एंड कोनॉमिक्स ऑफ कलस्टर बीन (सियामोप्सिसटेट्रागोनोलोबा)। इंडियन जरनल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस 84(6): 784–786

सिंह अनिमेश, एन.एल. जाट, राघवेन्द्र सिंह, एवं **सुरेश पाल** (2014) इफेक्ट ऑफ फर्टीलिटी लेवल्स एंड बायोइनोक्यूलेंटस् प्रोडक्टिविटी, क्वालिटी एंड न्यूट्रिएंट एक्वीजिशन ऑफ कलस्टर बीन (सियामोप्सिसटेट्रागोनोलोबा)। इंडियन जरनल ऑफ एग्रोनोमी 59(3): 485–488 (सितम्बर, 2014)

डेडगले, पी.एल., डी.ए., चवान, बी.ए. गुडाडे, एस.जी. जाधव, वी.ए. देशमुख एवं **सुरेश पाल 2014**। प्रोडक्टिविटी एंड क्वालिटी ऑफ बीटी कॉटन (गोसीपियम हिरसटम) एज इन्फ्ल्यूएंस्ड बाइ प्लांटिंग ज्योमेट्री एंड नाइट्रोजन लेवल्स अंडर इरिगेटेड एंड रैनफेड कंडीशंस। इंडियन जरनल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस 84(9):1069–72

लोकप्रिय लेख

प्रसाद दशरथ एवं **सुरेश पाल** (2014)। एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी फॉर राइस व्हीट क्रॉपिंग सिस्टम इन इंडिया, कुरूक्षेत्र 62(8): 28–30

तिवारी एस.के., मूरे सन्ध्या, **सुरेश पाल** एवं सुभाष बाबु 2014। कैसे हो कृषक महिलाओं का विकास। खेती सितम्बर 2014: 43–45

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

टी.वी. राजा, **ए.पी. रूहिल** एवं आर.एस. गांधी, 2015, ''एप्लीकेशन ऑफ डाटा माइनिंग टेक्नीक्स टू स्टडी द सेक्स रेशिओ डिस्टोर्सन इन क्रोसब्रेड डेरी केटल'', प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ''कम्प्यूटिंग फॉर सस्टेनेबल ग्लोबल डेवलपमेंट'' (इंडियन कॉम–2015 एंड आईईईई कॉनफ्रेंस आईडीः 35071), आईएसएसएन 0973–7529; आइएसबीएन 978–93–80544–14–4, मार्च 11–13, 2015, नई दिल्ली, पेजः 5.131–134

रवि कान्त गुप्ता, एस.एस. लाथवाल, **ए.पी. रूहिल,** टी.के. मोहन्ती एंड वाई. सिंह, 2015। ''लेमनेस प्रेडिक्शन इन करन फ्राइस क्रोसब्रेड कावस् यूसिंग डिसिजन ट्री मॉडल्स'', प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ''कम्प्यूटिंग फॉर सस्टेनेबल ग्लोबल डेवलपमेंट'' (इंडियन कॉम–2015 एंड आईईईई कॉनफ्रेंस आईडीः 35071), आईएसएसएन 973–7529; आइएसबीएन, 978–93–80544–14–4, मार्च 11–13, 2015, नई दिल्ली, पृ.सं. 5.125–130

एस. सारंगी, ए. बिष्ट, वी. राव, एस. कार, टी.के. मोहन्ती,

ए.पी. रूहिल, 2014। ''डेवलपमेंट ऑफ ए वायरलेस सेंसर नेटवर्क फॉर एनिमल मैनेजमेंटः एक्सपीरियंसिस विद मूसेन्स'', प्रोसीडिंग्स ऑफ आईईईई इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स ऑन एडवांस नेटवर्क्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन्स सिस्टम्स (एएनटीएस), 2014, नई दिल्ली, दिसम्बर 14–17, 2014। डीओआईः 10.1109/एएनटीएस.2014.7057261, आईएसबीएनः 978–1–4799–5867–2, 2014 पृ.सं. 1–6

राष्ट्रीय सम्मेलन

सिंह गुरबचन 2014 खाद्य, जीविका और पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए कृषि में विविधता के विकल्प। नेशनल सिम्पोजियम ऑन ''एग्रीकल्चरल डाइवर्सीफिकेशन फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड एंड एन्वायरमेंटल सिक्युरिटी'', पी.ए.यू., लुधियाना, 17–21 नवम्बर, 2014

सिंह गुरबचन 2014 खाद्य, पोषण एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए एकीकृत कृषि प्रणालीः सीएसएसआरआई मॉडल। नेशनल सिम्पोजियम ऑन ''एग्रीकल्चरल डाइवर्सीफिकेशन फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड एंड एन्वायरमेंटल सिक्युरिटी'', पीएयू, लुधियाना, 17–21 नवम्बर, 2014

शारदा वी.एन. 2014 कंजर्वेशन स्ट्रेटेजिस फॉर मिटीगेंटिंग प्रोडक्शन लॉसेस डयू टू लैंड डिग्रेडेशन इन इंडिया। प्रोसीडिंग्स ऑफ नेशनल सिम्पोजियम ऑन इंजीनियरिंग इंटरवेंशन्स इन कंजर्वेशन एग्रीकल्चर, 48 एन्यूवल कन्वेंशन ऑफ आईएसएई, ऑर्गेनाइज्ड बाई आईएसएई एंड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, एमपीयूए एंड टी, उदयपुर, 50–66

पाल सुरेश, राजवीर शर्मा एवं एच.बी. शर्मा 2014। ''इफेक्ट ऑफ डिफरेंट हर्बीसाइड मोलीक्युल्स ऑन वीड डेनसिटी इन व्हीट (ट्रिटिकम एस्टीवम एल.), ''प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल सिम्पोजियम ऑन एग्रीकल्चरल डाइवर्सीफिकेशन फॉर सस्टैनेबल लाइवलीहुड एंड इनवायरमेन्टल सिक्यूरिटी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, 18–20 नवम्बर, पृ.सं. 404–405

पुस्तक अधयाय

सुभाष चन्द, अलोक के. सिक्का, **वी.एन. शारदा,** एम. मधु, डी.वी. सिंह, आर. रघुपथि एवं एम.एस.मीना 2015. सस्टेनेबल एग्रीकल्चरल डेवलपमेन्ट इन रेनफेड एरिया थ्रो वाटरशेड प्रोग्राम: ए केस स्टडी। इन वाटर मेनेजमेंट इन एग्रीकल्चरल, एम.एस. मीना, के.एम. सिंह एंड बी.पी. भट्ट (सम्पादक), पेज 75–9.., जया पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर

बुलेटिन

सिंह गुरबचन एवं अन्य, 2014। चावल–गेहूं प्रणाली में संसाधान संरक्षण प्रौद्योगिकी/तकनीकी बुलेटीन सीसएएसआरआई/करनाल/2014/02, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल, भारत।

महापत्रा, एस.के., आर.पी. यादव, एस.पी. सिंह, आर.के. अग्रवाल, जे.पी. शर्मा, ए.के. तिवारी, जी.एस. सिधु, दीपक सरकार, एस.के. सिंह **वी.एन. शारदा** एवं पी.के. मिश्रा 2014। सोयल एरोसन इन दिल्ली। टेक्नीकल बुलेटिन न० 166, एनबीएसएस एंड एलयूपी, नागपुर एंड सीएसडब्ल्यूसीआर एंड टीआई, देहरादून, 34 पी.

भा.कृ.अनु.प. सोसाइटी के नियमों व उपनियमों के प्रावधानों का उल्लेख

ंविधान

नियम 25

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में पूर्णकालिक एक अध्यक्ष तथा ो सदस्य होंगे, जिनकी नियुक्ति भारत सरकार के अनुमोदन से अध्यक्ष द्वारा की जाएगी।

25 (अ) यदि अध्यक्ष पद रिक्त हो जाता है या अनुपस्थिति ं कारण या किसी अन्य कारण से कार्य हेतु उपस्थित न हो पाने से इन कर्तव्यों का, जब तक नियम 25 के तहत अन्य व्यक्ति को रिक्त पद पर नियुक्त नहीं किया जाता या कार्य के ाए उपस्थित होने तक, जो भी मामला हो, जब तक अध्यक्ष अपना कार्यभार नहीं संभालते या नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होती तब तक अन्य सदस्य कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष के रूप में कार्य रेंगे जिन्हें भा.कृ.अनु.प. के अध्यक्ष नियुक्त करेंगे।

25 (ब) अध्यक्ष कृ.वै.च.मं. का कार्यकाल 7 वर्ष एवं कृ.वै. च.मं. के अन्य सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होंगे जिस दिन .. वे कार्यभार ग्रहण करेंगे या जब तक वे 65 वर्ष आयु के न हो जाएंगे, जो पहले होगा।

25 (स) (i) नीचे दिए गए प्रावधानों के अनुसार कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष या अन्य सदस्यों को अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. के आदेश से ी गलत आचरण के आधार पर तब ही निकाला जा सकता है जब अध्यक्ष द्वारा शासी निकाय के पास मामला लाने पर उसके द्वारा तीन सदस्यों का एक उच्च अधिकार समिति द्वारा न्यायिक सिद्धांतों के जांच की गई हो तथा अध्यक्ष या अन्य सदस्य हों, जिनका भी मामला हो, अपदस्थ करने के आधार पाए गए हों।

उपर्युक्त मामलों के अलावा कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष या किसी न्य सदस्य को अध्यक्ष के आदेश से अपदस्थ किया जा सकता है यदि:

(अ) दिवालिया घोषित होता है तो या

(ब) अपने कार्यालयीन दायित्वों से अलग भुगतान पर किसी रोजगार से संलिप्त हों तो या

(स) अध्यक्ष की दृष्टि से यदि मन या शरीर की दुर्बलता के कारण कार्यालय में कार्य करने में अक्षम हैं तो

25 (स) (ii) अध्यक्ष लिखित आदेश द्वारा जैसा उचित समझते हैं अपने अधिकारों को कृ.वै.च.मं. के किसी अन्य सदस्य को सौंप सकते हैं।

कार्य

नियम 26

(अ) चयन मंडल एक स्वतंत्र चयन एजेन्सी जैसा कार्य करेगा और इसका दायित्व होगा कि कृषि अनुसंधान सेवा के पदों तथा समय समय पर अध्यक्ष द्वारा सौंपे गए अन्य पदों एवं सेवाओं का चयन करना।

(ब) चयन मंडल अध्यक्ष द्वारा अपेक्षित पदोन्नतियों सहित अन्य कार्मिक मामलों में परिषद् को सहायता करेगा।

(स) चयन मंडल, परिषद् द्वारा नियुक्त या चयन मंडल के परामर्श से नियुक्त कर्मियों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों में परिषद को सलाह देगा।

(द) चयन मंडल प्रत्येक वर्ष वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् मई माह के दूसरे सप्ताह तक अपनी गतिविधियों से संबंधित रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा

भर्ती नियम

नियम 73

परिषद के विभिन्न पदों पर नियुक्तियां परिषद द्वारा अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. या कोई अन्य सदस्य जिन्हें नियम 25(स) (ii) के अंतर्गत अधिकार दिए गए हों, के परामर्श से बनाए गए तथा शासी निकाय व अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित भर्ती नियमों के आधार पर करेगा।

चयन समितियां, साक्षात्कार मंडलों का गठन

उपनियम 24

परिषद के विभिन्न पदों से संबंधित पदोन्नतियों, चयन, नियुक्तियों या संबंधित अन्य किसी मामलों के लिए समितियों, बोर्ड या अन्य निकायों का गठन अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. या उनके द्वारा अधिकृत एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अनुमोदित अन्य किसी सदस्य के परामर्श से किया जाएगा।

उत्कृष्ट (एमीनेंट) वैज्ञानिकों की नियुक्ति/ साईंटिस्ट प्लेसमेंट स्कीम

उपनियम 26

महानिदेशक स्वयं या संस्थानों के निदेशकों या कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की सलाह से किसी उत्कृष्ट वैज्ञानिक को योग्यता एवं अनुभव के आधार पर उपयुक्त ग्रेड में नियुक्ति हेतु कृ.वै.च.मं. की सहमति एवं अध्यक्ष के अनुमोदन से आमंत्रित कर सकते हैं।

वर्ष 2014–15 के दौरान मंडल की प्राप्तियां एवं खर्च

प्राप्तियां		कुल राशि (₹ लाखों में)		
क.	**प्राप्तियां**			
	आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	264.03		
ख.	**खर्च**			
		(गैर–योजना)	**योजना**	**एनएआईपी (30.03.14)**
	वेतन	405.61	–	–
	मजदूरी (कॉन्ट्रैक्टचुअल स्टाफ)	66.70	–	–
	समयोपरीभत्ता	0.15	–	–
	यात्रा खर्च (देश/विदेश)	11.27	–	–
	कार्यालयीन खर्च	134.41	–	–
परीक्षाओं तथा चयन/ नियुक्तियों संबंधी खर्च				
क	यात्रा/मानदेय खर्च (विशेषज्ञ/सलाहकार एवं उम्मीदवार)	228.04	–	–
ख	अन्य खर्च	135.41	72.27*	598.07
उपकुल		**981.59**	**72.27**	**598.07**
उपकुल (कृ.वै.च.म. योजना+एनएआईपी)				**670.34**
महायोग (गैर–योजना एवं योजना)		**1651.93**		

*पूंजीलागत

पिछले पांच वर्षों में मंडल के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण

		2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
क	**परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां**					
	आयोजित परीक्षाओं की संख्या	03+	05@	*02	**6	#07
	पदों की संख्या	319	764	431	506	640
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	28,379	1,04,894	45,801	41,976	1,07,862
	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार	740	665	745	1,104	706
	भारत में परीक्षा केन्द्रो की संख्या जहां परीक्षाएं हुईं	33	99	33	33	2
ख	**साक्षात्कारों के माध्यम से नियुक्तियां / सीधी भर्ती**					
	पदों की संख्या जिनके लिए साक्षात्कार लिए गए	371	228	97	508	143
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	5,390	3,224	1,505	4,050	1,741
	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	2,426	1,488	683	1,592	75
	साक्षात्कार हेतु उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	1,808	1,132	442	1081	57
ग	नेट परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	4,904	2,342	1,845	2,591	6,93
घ	वैज्ञानिको की संख्या जिनका मूल्यांकन किया गया (सीएएस)	247	9	749	255	24
ड़	पांच वर्षिय मूल्यांकन	–	–	11	0	1
च	एआरएस में इंडक्शन	–	–	1	2	1

+1. एआरएस / नेट परीक्षा, 2010 तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय के लिए सहायक एवं अनुभाग अधिकारी पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2010

@2. एआरएस / नेट परीक्षा, 2011, प्रशासनिक अधिकारी तथा वित्त व लेख अधिकारी परीक्षा, भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में सहायक एवं अनुभाग अधिकारी पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2011 तथा सहायक पदों के लिए ऑन लाइन परीक्षा

*3. एआरएस और नेट की प्रारम्भिक परीक्षा, 2012

**4. एआरएस और नेट 2013 प्रारम्भिक परीक्षा, एआरएस मुख्य परीक्षा तथा मुख्यालय में सहायक, निजी सचिव एवं अनुभाग अधिकारी पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2013

#5. एआरएस और नेट 2014 प्रारम्भिक परीक्षा, एआरएस मुख्य परीक्षा प्रशासनिक अधिकारी तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी, सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं सहायक परीक्षा 2014, मुख्यालय में उच्च श्रेणी लिपिक, सहायक, निजी सचिव एवं अनुभाग अधिकारी पदों के लिए सीमित विभागीय परीक्षा 2014

राष्ट्रीय पात्रतापरीक्षा 2014–I एवं II में उम्मीदवारों का विषयवार विवरण

क्र. सं.	विषय वस्तुक्षेत्र	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2014(I)			राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2014(II)		
		पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
1.	पशुचिकित्सा रोग विज्ञान	138	112	49	143	112	52
2.	पशुपोषण	130	106	39	151	118	55
3.	पशुचिकित्सा परजीवी विज्ञान	77	63	19	107	85	69
4.	पशुचिकित्सा औषध	170	145	27	217	182	55
5.	कुक्कट पालन विज्ञान	61	52	39	70	54	23
6.	पशुचिकित्सा शरीर विज्ञान	0	0	0	96	87	61
7.	पशुचिकित्सा लोक स्वास्थ	70	56	11	109	84	49
8.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	85	69	13	118	94	46
9.	पशुचिकित्सा सूक्ष्म जैविकी	147	114	19	155	119	40
10.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	188	129	8	229	195	39
11.	पशुपुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	123	94	0	176	148	42
12.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	120	104	9	167	122	21
13.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	174	149	8	275	185	15
14.	वेटरीनरी फर्माकॉलोजी	93	70	5	129	96	16
15.	डेरी सूक्ष्मजैविकी	22	16	5	47	29	14
16.	पशुअनुवांशिकी एवं प्रजनन	98	70	2	134	100	15
17.	पशु जैव रसायनिकी	150	125	8	227	147	8
18.	डेरी रसायनिकी	21	15	3	59	42	13
19.	पशु शल्य चिकित्सा	135	121	1	151	127	13
20.	डेरी प्रौद्योगिकी	127	93	5	129	95	6
21.	कृषि जैव प्रौद्योगिकी	2821	2325	652	4339	2920	326
22.	पादपरोग विज्ञान	803	572	185	1282	905	344
23.	कृषि कीट विज्ञान	869	670	155	1178	861	363
24.	कृषि सूक्ष्म जैविकी	1182	967	180	1584	1039	303
25.	सस्य विज्ञान	1243	954	214	1358	1053	190
26.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	906	670	47	1309	991	307
27.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	412	316	54	604	423	90
28.	बीजविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	229	176	58	263	209	74

क्र. सं.	विषय वस्तुक्षेत्र	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2014(I)			राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2014(II)		
		पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
29.	नेमेटोलोजी	86	65	17	103	72	19
30.	पादप जैव रसायनिकी	329	255	7	555	383	21
31.	कृषि रसायन	50	37	11	76	42	7
32.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन	163	126	6	387	221	9
33.	खाद्य प्रौद्योगिकी	666	552	101	1016	736	191
34.	कृषि प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	227	196	16	346	296	61
35.	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	287	225	16	386	287	59
36.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	183	152	4	244	207	9
37.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	6	5	2	14	10	3
38.	जलजीव पालन	196	153	30	250	185	101
39.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	83	69	16	102	75	26
40.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	127	96	21	260	189	15
41.	मत्स्य स्वास्थ्य	34	25	10	48	37	18
42.	मत्स्य पोषण	16	14	7	26	21	12
43.	मत्स्य अनुवांशिकी एवं प्रजनन	23	15	8	29	21	10
44.	सब्जी विज्ञान	625	459	194	598	465	195
45.	फल विज्ञान	538	394	10	676	540	268
46.	पुष्पोत्पादन एवं लैंडस्केपिंग	178	135	75	219	175	65
47.	मसाला, रोपण तथा औषधी व सुगंधीय पादप	104	77	10	142	110	10
48.	मृदाविज्ञान	821	618	129	1036	832	144
49.	पर्यावरणीय विज्ञान	727	560	85	1025	712	86
50.	कृषिवानिकी	332	262	16	399	309	42
51.	कृषि मौसम विज्ञान	66	49	14	87	70	17
52.	कृषि विस्तार	605	442	56	831	595	77
53.	कृषि आर्थिकी	527	374	27	668	524	99
54.	कृषि व्यापार प्रबंधन	313	218	5	303	212	6
55.	कृषि सांख्यिकी	157	119	4	304	207	5
56.	गृह विज्ञान	182	133	0	423	261	1
	कुल	**18,245**	**14,178**	**2,712**	**25,359**	**18,415**	**4,225**

परिशिष्ट–4(ब)

दिनांक 22–28 सितम्बर, 2014 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा–2014 (प्रारम्भिक) परीक्षा में उम्मीदवारों का विषयवार विवरण

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	मुख्य परीक्षा के लिए उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
1.	कृषि जैव प्रौद्योगिकी	2120	1287	30
2.	कृषि कीट विज्ञान	867	648	135
3.	कृषि सूक्ष्म जैविकी	1119	698	61
4.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन	316	187	13
5.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	1191	937	306
6.	नेमेटोलोजी	57	44	15
7.	पादप जैव रसायनिकी	335	222	36
8.	पादप रोग विज्ञान	1187	902	330
9.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	252	175	15
10.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	107	79	15
11.	फल विज्ञान	189	146	30
12.	मसाला, रोपण तथा औषधी व सुगंधीय पादप	72	53	14
13.	सब्जी विज्ञान	200	151	15
14.	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोगविज्ञान	69	59	16
15.	डेरी रसायनिकी	51	40	15
16.	डेरी सूक्ष्म जैविकी	60	38	15
17.	डेरी प्रौद्योगिकी	74	54	17
18.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	104	81	56
19.	पशु चिकित्सा औषधी	112	101	53
20.	पशु शल्य चिकित्सा	90	79	15
21.	मत्स्यपालन	189	150	119
22.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	292	217	36
23.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	105	81	52
24.	मत्स्य पोषण	26	22	15
25.	मत्स्य स्वास्थ्य	51	40	26
26.	कृषि रसायन/जैव रसायनिकी	72	45	16
27.	कृषि मौसम विज्ञान	42	35	15
28.	सस्य विज्ञान	600	480	61

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	मुख्य परीक्षा के लिए उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
29.	मृदा विज्ञान	550	447	121
30.	कृषि आर्थिकी	329	258	76
31.	कृषि विस्तार	466	343	62
32.	कृषि सांख्यिकीय एवं सूचना विज्ञान	266	184	6
33.	गृहविज्ञान	163	103	2
34.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	205	172	26
35.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	25	12	2
36.	भूमि एवं जलप्रबंधन अभियांत्रिकी	343	273	92
37.	कृषि प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	395	334	136
	कुल.	**12,691**	**9,177**	**2,065**

दिनांक 28 दिसम्बर, 2014 को आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा–2014 (मुख्य) परीक्षा में उम्मीदवारों का विषयवार विवरण

क्र.सं.	विषय वस्तु क्षेत्र	मुख्य परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों की संख्या	मुख्य परीक्षा में उम्मीदवरों की उपस्थिति	साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों की संख्या
1.	कृषि जैव प्रौद्योगिकी	30	27	11
2.	कृषि कीट विज्ञान	135	119	46
3.	कृषि सूक्ष्म जैविकी	61	56	19
4.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन	13	13	10
5.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	306	281	97
6.	नेमेटोलोजी	15	13	5
7.	पादप जैव रसायनिकी	36	33	22
8.	पादप रोग विज्ञान	330	279	110
9.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	15	13	5
10.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	15	13	5
11.	फलविज्ञान	30	26	11
12.	मसाला, रोपण तथा औषधी व सुगंधीय पादप	14	11	9
13.	सब्जी विज्ञान	15	15	5
14.	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	16	16	5
15.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	15	13	5
16.	डेरी सूक्ष्म जैविकी	15	13	6
17.	डेरी प्रौद्योगिकी	17	15	6
18.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	56	45	19
19.	पशुचिकित्सा औषधी	53	43	19
20.	पशु शल्य चिकित्सा	15	10	2
21.	मत्स्य पालन	119	108	52
22.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	36	36	20
23.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	52	50	7
24.	मत्स्य पोषण	15	14	1
25.	मत्स्य स्वास्थ्य	26	24	24

क्र.सं.	विषय वस्तु क्षेत्र	मुख्य परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों की संख्या	मुख्य परीक्षा में उम्मीदवरों की उपस्थिति	साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों की संख्या
26.	कृषि रसायन / जैव रसायनिकी	16	15	11
27.	कृषि मौसम विज्ञान	15	13	5
28.	सस्य विज्ञान	61	55	20
29.	मृदा विज्ञान	121	108	20
30.	कृषि आर्थिकी	76	60	25
31.	कृषि विस्तार	62	55	20
32.	कृषि सांख्यिकीय एवं सूचना विज्ञान	6	6	3
33.	गृहविज्ञान	2	2	1
34.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	26	26	12
35.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	2	1	1
36.	भूमि एवं जलप्रबंधन अभियांत्रिकी	92	81	44
37.	कृषि प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	136	127	23
	कुल	**2,065**	**1,835**	**706**

सीधी भर्ती 2014–15

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
उपमहानिदेशकगण									
1.	01/2014	(01)	उपमहानिदेशक (शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	03–07–2014	36	12	10	चयनित	03–07–2014
2.	01/2014	(02)	उपमहानिदेशक (अभियांत्रिकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	04–07–2014	11	6	6	चयनित	07–07–2014
3.	02/2014	(81)	उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	24–11–2014	12	2	2	चयनित	24–11–2014
4.	02/2014	(80)	उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	06–01–2015	26	8	8	चयनित	07–01–2015
सहायक महानिदेशकगण									
1.	01/2014	(03)	सहायक महानिदेशक (समन्वयन), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	20–08–2014	64	10	8	चयनित	21–08–2014
2.	01/2014	(04)	सहायक महानिदेशक (शिक्षा, गुणवत्ता आश्वासन एवं सुधार), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	25–08–2014	67	11	11	चयनित	26–08–2014
3.	02/2014	(85)	सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन विकास), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	22–01–2015	95	18	10	चयनित	22–01–2015
4.	02/2014	(86)	सहायक महानिदेशक (शिक्षा, योजना एवं गृह विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	23–01–2015	36	10	6	चयनित	23–01–2015
5.	02/2014	(84)	सहायक महानिदेशक (भोजन और चारा फसलें), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय, नई दिल्ली	09–02–2015	27	10	7	चयनित	09–02–2015

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
निदेशकगण									
1.	01/2013	(11)	निदेशक, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	04–04–2014	18	10	5	चयनित	04–04–2014
2.	01/2014	(07)	निदेशक, केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचिन	30–07–2014	11	7	7	चयनित	30–07–2014
3.	01/2014	(08)	निदेशक, केन्द्रीय लवणीय खारा जल संस्थान, चैन्नई	31–07–2014	24	6	5	चयनित	31–07–2014
4.	01/2014	(16)	निदेशक, राष्ट्रीय घोडा अनुसंधान संस्थान, हिसार	01–08–2014	24	6	4	चयनित	01–08–2014
5.	01/2014	(18)	निदेशक, केन्द्रीय पशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ	04–08–2014	38	10	8	चयनित	04–08–2014
6.	01/2014	(05)	निदेशक, राष्ट्रीय पशु पोषण एवं शरीर विज्ञान, बैंगलोर	07–08–2014	28	9	8	चयनित	11–08–2014
7.	01/2014	(11)	निदेशक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	11–08–2014	24	11	7	चयनित	11–08–2014
8.	01/2014	(10)	निदेशक, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	12–08–2014	19	10	9	चयनित	12–08–2014
9.	01/2014	(14)	निदेशक, केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	13–08–2014	37	10	8	चयनित	14–08–2014
10.	01/2014	(06)	निदेशक, औषधीय एवं सुगंधित पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द, गुजरात	26–08–2014	28	10	6	चयनित	26–08–2014
11.	01/2014	(09)	निदेशक, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुन्द्री	27–08–2014	16	7	5	चयनित	27–08–2014
12.	01/2014	(12)	निदेशक, केन्द्रीय रोपण अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	28–08–2014	10	5	4	चयनित	29–08–2014
13.	01/2014	(13)	निदेशक, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बाटूर	09–09–2014	10	6	6	चयनित	09–09–2014
14.	01/2014	(15)	निदेशक, मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	10–09–2014	14	8	6	चयनित	11–09–2014
15.	02/2014	(93)	निदेशक, राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केन्द्र, नागालैंड	05–01–2015	12	7	6	चयनित	05–01–2015
16.	02/2014	(88)	निदेशक, जल प्रबंधन निदेशालय, भुबनेश्वर	08–01–2015	22	12	10	चयनित	08–01–2015
17.	02/2014	(89)	निदेशक, राष्ट्रीय आर्किड अनुसंधान केन्द्र, पेकयोंग (सिक्किम)	09–01–2015	11	5	5	चयनित	09–01–2015
18.	02/2014	(90)	निदेशक, विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, वीपीकेएएस, अल्मोड़ा	30–01–2015	45	10	7	चयनित	30–01–2015

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
19.	02/2014	(92)	निदेशक, सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय, इंदौर	09–02–2015	16	7	5	चयनित	09–02–2015
जोनल परियोजना निदेशकगण									
1.	02/2014	(95)	जोनल परियोजना निदेशक, जोन–1, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय कैम्पस, लुधियाना, पंजाब	29–01–2015	35	9	9	चयनित	29–01–2015
2.	02/2014	(96)	जोनल परियोजना निदेशक, जोन–1, रावतपुर, कानपुर	29–01–2015	30	6	6	चयनित	29–01–2015
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशकगण									
1.	01/2014	(20)	संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	06–08–2014	37	11	9	चयनित	11–08–2014
2.	01/2014	(19)	संयुक्त निदेशक (विस्तार), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	08–09–2014	10	2	2	चयनित	09–09–2014
3.	02/2014	(97)	संयुक्त निदेशक (सीएडीआरएडी), भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जततगर	07–01–2015	12	3	3	चयनित	08–01–2015
प्रभागाध्यक्ष									
1.	02/2013	(200)	प्रभागाध्यक्ष, पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का अनुसंधान परिसर के अधीनस्थ क्षेत्रीय केन्द्र दरभंगा	16–04–2014	8	5	2	चयनित	23–04–2014
2.	02/2013	(201)	प्रभागाध्यक्ष, कृषि उत्पादन प्रसंस्करण, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	16–04–2014	3	2	2	चयनित	23–04–2014
3.	02/2013	(202)	प्रभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान प्रभाग, भारतीय चारा व चारागाह अनुसंधान संस्थान, झांसी	16–04–2014	10	6	4	चयनित	23–04–2014
4.	01/2014	(30)	प्रभागाध्यक्ष, डेयरी पशु प्रजनन प्रभाग, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	05–08–2014	6	4	3	चयनित	26–08–2014
5.	01/2014	(37)	प्रभागाध्यक्ष, पशु विज्ञान प्रभाग, केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	05–08–2014	6	5	2	चयनित	20–08–2014
6.	01/2014	(41)	प्रभागाध्यक्ष, पोषण, आनुवंशिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, केन्द्रीय खारा जल मात्स्यिकी संस्थान, चेन्नई	08–08–2014	7	5	4	चयनित	20–08–2014

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
7.	01/2014	(56)	प्रभागाध्यक्ष, जैव रसायन एवं पोषण प्रभाग, केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन	08–08–2014	2	1	1	चयनित	20–08–2014
8.	01/2014	(59)	प्रभागाध्यक्ष, फल एवं फसल प्रभाग, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	08–08–2014	6	3	3	चयनित	19–08–2014
9.	01/2014	(71)	प्रभागाध्यक्ष, पशु पोषण प्रभाग, केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	11–08–2014	3	3	3	चयनित	20–08–2014
10.	01/2014	(36)	प्रभागाध्यक्ष, मत्स्यपालन उत्पादन एवं पर्यावरण प्रभाग, केन्द्रीय मीठा पानी मत्स्यपालन संस्थान, भुबनेश्वर	20–08–2014	11	9	9	चयनित	26–08–2014
11.	01/2014	(38)	प्रभागाध्यक्ष, मत्स्य पालन प्रभाग, केन्द्रीय मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	20–08–2014	6	4	1	चयनित	26–08–2014
12.	01/2014	(34)	प्रभागाध्यक्ष, समुद्री जैव विविधता प्रभाग, केन्द्रीय समुद्री मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान, कोचीन	21–08–2014	7	4	3	चयनित	26–08–2014
13.	01/2014	(35)	प्रभागाध्यक्ष, मत्स्य संसाधन आकलन प्रभाग, केन्द्रीय समुद्री मत्स्य पालन अनुसंधान संस्थान, कोचीन	21–08–2014	3	2	2	चयनित	26–08–2014
14.	01/2014	(40)	प्रभागाध्यक्ष, जलीय स्वास्थ्य एवं पर्यावरण प्रभाग, केन्द्रीय खारा जल संस्थान, चेन्नई	21–08–2014	11	6	5	चयनित	26–08–2014
15.	01/2014	(32)	प्रभागाध्यक्ष, पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	22–08–2014	2	2	2	चयनित	26–08–2014
16.	01/2014	(31)	प्रभागाध्यक्ष, पशु चिकित्सा सर्जरी प्रभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	26–08–2014	3	3	3	चयनित	28–08–2014
17.	01/2014	(29)	प्रभागाध्यक्ष, डेरी तकनीकी प्रभाग, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	26–08–2014	3	3	2	चयनित	28–08–2014
18.	01/2014	(27)	प्रभागाध्यक्ष, भा.कृ.अनु. सं. क्षेत्रीय स्टेशन, वेलिंगटन (तामिल नाडु) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के अधीनस्थ	01–09–2014	2	2	2	चयनित	02–09–2014

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
19.	01/2014	(28)	प्रभागाध्यक्ष, भा.कृ.अनु.सं. क्षेत्रीय स्टेशन, पूसा (बिहार), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के अधीनस्थ	01–09–2014	3	3	3	चयनित	02–09–2014
20.	01/2014	(25)	प्रभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	05–09–2014	14	9	5	चयनित	09–09–2014
21.	01/2014	(26)	प्रभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	11–09–2014	7	7	7	चयनित	11–09–2014
22.	01/2014	(46)	प्रभागाध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	11–09–2014	2	2	2	चयनित	17–09–2014
23.	01/2014	(51)	प्रभागाध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग, केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	11–09–2014	9	8	8	चयनित	17–09–2014
24.	01/2014	(53)	प्रभागाध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बाटूर	11–09–2014	7	4	3	चयनित	17–09–2014
25.	01/2014	(42)	प्रभागाध्यक्ष, कीट आण्विक कीट विज्ञान प्रभाग, राष्ट्रीय कीट कृषि संसाधन ब्यूरो, बैंगलोर	12–09–2014	5	3	2	चयनित	15–09–2014
26.	01/2014	(44)	प्रभागाध्यक्ष, पौध संरक्षण प्रभाग, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	12–09–2014	1	1	1	चयनित	15–09–2014
27.	01/2014	(52)	प्रभागाध्यक्ष, फसल संरक्षण प्रभाग, केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	12–09–2014	4	3	3	चयनित	15–09–2014
28.	01/2014	(77)	प्रभागाध्यक्ष, फसल संरक्षण प्रभाग, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	12–09–2014	10	8	7	चयनित	17–09–2014
29.	01/2014	(72)	प्रभागाध्यक्ष, फसल संरक्षण प्रभाग, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुन्द्री	12–09–2014	8	5	4	चयनित	17–09–2014
30.	01/2014	(47)	प्रभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान प्रभाग, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	15–09–2014	2	2	2	चयनित	19–09–2014
31.	01/2014	(61)	प्रभागाध्यक्ष, विस्तार एवं प्रशिक्षण प्रभाग, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	15–09–2014	4	4	4	चयनित	19–09–2014

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
32.	01/2014	(45)	प्रभागाध्यक्ष, शरीर क्रियाविज्ञान, जैव रसायन एवं पैदावार तकनीकी प्रभाग, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	16–09–2014	6	4	3	चयनित	19–09–2014
33.	01/2014	(60)	प्रभागाध्यक्ष, फसल पैदावार तकनीकी प्रभाग, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	16–09–2014	6	3	3	चयनित	23–09–2014
34.	01/2014	(24)	प्रभागाध्यक्ष, बीज विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	22–09–2014	20	10	8	चयनित	24–09–2014
35.	01/2014	(50)	प्रभागाध्यक्ष, जैव रसायन, शरीर क्रियाविज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान प्रभाग, केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	22–09–2014	4	2	2	चयनित	24–09–2014
36.	01/2014	(48)	प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार एवं जैव रसायन प्रभाग, भारतीय मसाले अनुसंधान संस्थान, कालीकट	22–09–2014	2	2	2	चयनित	24–09–2014
37.	01/2014	(57)	प्रभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	23–09–2014	5	3	3	चयनित	24–09–2014
38.	01/2014	(54)	प्रभागाध्यक्ष, एसबीआई क्षेत्रीय केन्द्र–करनाल, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बाटूर	23–09–2014	10	6	5	चयनित	24–09–2014
39.	01/2014	(62)	प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार प्रभाग, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	24–09–2014	8	6	4	चयनित	25–09–2014
40.	01/2014	(63)	प्रभागाध्यक्ष, सीएसएसआरआई क्षेत्रीय अनुसंधार स्टेशन, भरूच (गुजरात), केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल के अधीनस्थ	24–09–2014	7	5	2	चयनित	25–09–2014
41.	01/2014	(58)	प्रभागाध्यक्ष, सब्जी फसल प्रभाग, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	24–09–2014	5	5	5	चयनित	25–09–2014
42.	01/2014	(70)	प्रभागाध्यक्ष, फसल अनुसंधान प्रभाग, पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ. अनु.प. का अनुसंधान परिसर, पटना	25–09–2014	9	9	5	चयनित	26–09–2014

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
43.	01/2014	(78)	प्रभागाध्यक्ष, पादप संगरोध प्रभाग, राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली	25–09–2014	11	8	6	चयनित	26–09–2014
44.	01/2014	(76)	प्रभागाध्यक्ष, एनबीएसएस एवं एलयूपी क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली, राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर के अधीनस्थ	26–09–2014	16	10	5	चयनित	26–09–2014
45.	01/2014	(68)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय केन्द्र, रांची, पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. का अनुसंधान परिसर पटना, बिहार के अधीनस्थ	26–09–2014	15	11	5	चयनित	07–10–2014
46.	01/2014	(39)	प्रभागाध्यक्ष, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रभाग, केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	01–10–2014	3	2	1	चयनित	07–10–2014
47.	01/2014	(49)	प्रभागाध्यक्ष, सांख्यिकीय आनुवांशिकी प्रभाग, भारतीय सांख्यिकीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01–10–2014	3	3	3	चयनित	07–10–2014
48.	01/2014	(73)	प्रभागाध्यक्ष, फसल विज्ञान एवं रसायन विज्ञान प्रभाग, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुन्द्री	07–10–2014	5	4	4	चयनित	30–10–2014
49.	01/2014	(67)	प्रभागाध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, वासद, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एव प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून के अधीनस्थ	08–10–2014	5	4	3	चयनित	30–10–2014
50.	01/2014	(64)	प्रभागाध्यक्ष, मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक विज्ञान प्रभाग, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एव प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून	09–10–2014	13	9	6	चयनित	30–10–2014
51.	01/2014	(65)	प्रभागाध्यक्ष, पादप विज्ञान प्रभाग, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एव प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून	10–10–2014	9	8	4	चयनित	30–10–2014
52.	02/2014	(104)	प्रभागाध्यक्ष, औषधी विज्ञान एवं विष विज्ञान प्रभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	07–01–2015	3	2	1	चयनित	19–01–2015

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
53.	02/2014	(105)	प्रभागाध्यक्ष, जैविक उत्पाद, प्रभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	07–01–2015	2	1	1	चयनित	19–01–201
54.	02/2014	(126)	प्रभागाध्यक्ष, मत्स्य पालन प्रभाग, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुम्बई	08–01–2015	9	6	6	चयनित	19–01–201
55.	02/2014	(127)	प्रभागाध्यक्ष, जलाशय, आर्द्र भूमि एवं मत्स्य पालन प्रभाग, केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मत्स्य पालन अनुसंधान संस्थान बैरकपुर	08–01–2015	4	3	3	चयनित	19–01–201
56.	02/2014	(106)	प्रभागाध्यक्ष, कीट संरक्षण प्रभाग, राष्ट्रीय पादप अनुवांशिक अनुसंधान ब्यूरो, नई दिल्ली	20–01–2015	12	10	6	चयनित	22–01–2015
57.	02/2014	(107)	प्रभागाध्यक्ष, पौध अन्वेषण एवं कीट संग्रह प्रभाग, राष्ट्रीय पादप अनुवांशिक ब्यूरो अनुसंधान, नई दिल्ली	21–01–2015	17	10	8	चयनित	22–01–201
58.	02/2014	(113)	प्रभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	02–02–2015	6	4	3	चयनित	04–02–2015
59.	02/2014	(130)	प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार प्रभाग, केन्द्रीय जूट एवं रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	02–02–2015	1	1	1	चयनित	04–02–2015
60.	02/2014	(132)	प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार प्रभाग, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	02–02–2015	7	4	4	चयनित	04–02–2015
61.	02/2014	(111)	प्रभागाध्यक्ष, पुष्पोत्पादन एवं भूदृश्य प्रभाग, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली	10–02–2015	6	6	6	चयनित	10–02–2015
62.	02/2014	(108)	प्रभागाध्यक्ष, कीट मूल्यांकन प्रभाग, राष्ट्रीय पादप आनुवांशिकी अनुसंधान संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली	12–02–2015	25	10	7	चयनित	12–02–2015
63.	02/2014	(110)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय स्टेशन, कन्डूकूर, प्रकासम जिला (आन्ध्र प्रदेश), केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुन्द्री के अधीनस्थ	23–02–2015	5	5	2	चयनित	25–02–2015
64.	02/2014	(116)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय स्टेशन, इंदोर, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीनस्थ	23–02–2015	10	8	6	चयनित	25–02–2015

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
65.	02/2014	(122)	प्रभागाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण, प्रशिक्षण एवं उत्पादन आर्थिकी प्रभाग, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	20–03–2015	15	5	3	चयनित	06–04–2015
66.	02/2014	(101)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता, राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर के अधीनस्थ	23–03–2015	16	10	8	चयनित	06–04–2015
67.	02/2014	(102)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय केन्द्र, जोरहट राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग योजना, नागपुर के अधीनस्थ	23–03–2015	5	5	3	चयनित	06–04–2015
68.	02/2014	(124)	प्रभागाध्यक्ष, अनाज और तिलहन प्रसंस्करण प्रभाग, केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	24–03–2015	6	4	4	चयनित	07–04–2015
69.	02/2014	(103)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय केन्द्र, बैंगलोर राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर के अधीनस्थ	24–03–2015	11	10	9	चयनित	07–04–2015
70.	02/2014	(112)	प्रभागाध्यक्ष, कृषि आर्थिकी प्रभाग, भा.कृ.अनु.स., नई दिल्ली	25–03–2015	10	8	5	चयनित	01–04–2015
71.	02/2014	(121)	प्रभागाध्यक्ष, एकीकृत भूमि खेती प्रणाली उपयोग एवं प्रबंधन प्रभाग, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	25–03–2015	13	6	5	चयनित	07–04–2015
72.	02/2014	(114)	प्रभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी प्रभाग, भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली	26–03–2015	11	9	7	चयनित	01–04–2015
73.	02/2014	(117)	प्रभागाध्यक्ष, कृषि भौतिक विज्ञान प्रभाग, भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली	26–03–2015	9	6	4	चयनित	06–04–2015
74.	02/2014	(129)	प्रभागाध्यक्ष, कृषि मशीनीकरण प्रभाग, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	27–03–2015	4	4	3	चयनित	07–04–2015
परियोजना समन्वयक									
1.	01/2014	(22)	परियोजना समन्वयक (फल), भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर	08–08–2014	16	9	6	चयनित	22–08–2014

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	संस्तुति	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
2.	02/2014	(23)	परियोजना समन्वयक (पशु ऊर्जा के उपयोग एवं प्रणाली की दक्षता को बढ़ाने के लिए), केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	15–09–2014	6	3	2	चयनित	19–09–201
3.	02/2014	(98)	परियोजना समन्वयक (चना), भारतीय दलहल अनुसंधान संस्थान, कानपुर	02–01–2015	11	5	1	चयनित	02–01–201
4.	02/2014	(99)	परियोजना समन्वयक (सूत्रकृमि), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	13–02–2015	14	8	7	चयनित	13–01–201
5.	02/2014	(100)	परियोजना समन्वयक (फसल प्रौद्योगिकी), केन्द्रीय फसल अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	20–03–2015	6	3	3	चयनित	07–04–201
वरिष्ठ वैज्ञानिकगण									
1.	01/2013	(81)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि आर्थिकी), केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई	15–04–2014	5	2	1	चयनित	21–04–2014
2.	01/2013	(148)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (भौतिकी), राष्ट्रीय जूट एंव रेशा तकनीकी अनुसंधान संस्थान, कोलकता	17–04–2014	7	3	1	चयनित	23–04–201
3.	01/2013	(156)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान), इलायची अनुसंधान केन्द्र अपांगला, भारतीय मसाले अनुसंधान संस्थान, कालीकट के अधिनस्थ	21–04–2014	6	1	1	चयनित	30–04–201
4.	01/2013	(74)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान), भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	21–04–2014	16	4	2	चयनित	30–04–2014
5.	01/2013	(70)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (शस्यविज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	24–04–2014	13	4	3	चयनित	30–04–2014

पदों का विवरण जिन पर भर्ती नहीं की जा सकी 2014–15

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	कारण	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
निदेशक									
1.	02/2014	(83)	निदेशक (आईआईएसबी), भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची, झाड़खण्ड	24–11–2014	12	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	24–11–2014
2.	02/2014	(82)	निदेशक, राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन (एनआईबीएसएम), रायपुर, छत्तीसगढ़	24–11–2014	11	3	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	24–11–2014
राष्ट्रीय संस्थाओं के निदेशक									
1.	02/2014	(79)	निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	11–02–2015	27	11	7	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	19–02–2015
परियोजना निदेशक									
1.	01/2014	(17)	परियोजना निदेशक, चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	04–09–2014	23	9	7	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	05–09–2014
प्रभागाध्यक्ष									
1.	01/2013	(23)	प्रभागाध्यक्ष, जीवाणु और कवक विज्ञान प्रभाग, भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	22–08–2014	4	2	2	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	26–08–2014
2.	01/2014	(74)	प्रभागाध्यक्ष, फसल सुरक्षा प्रभाग, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुन्द्री	12–09–2014	1	1	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	15–09–2014
3.	01/2014	(33)	प्रभागाध्यक्ष, फसल प्रसंस्करण तकनीकी प्रभाग, केन्द्रीय फसल उपरान्त अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	15–09–2014	3	3	2	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	25–09–2014

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	कारण	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
4.	01/2014	(43)	प्रभागाध्यक्ष, गुणवत्ता एवं मूल्यांकन सुधार प्रभाग, केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	16–09–2014	1	1	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	23–09–2014
5.	01/2014	(55)	प्रभागाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी प्रभाग, केन्द्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन	16–09–2014	3	1	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	23–09–2014
6.	01/2014	(69)	प्रभागाध्यक्ष, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग, पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. का अनुसंधान परिसर, पटना, बिहार	01–10–2014	5	5	4	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	07–10–2014
7.	01/2014	(66)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय स्टेशन, दातिया, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून के अधीनस्थ	08–10–2014	6	2	2	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	30–10–2014
8.	02/2014	(131)	प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार प्रभाग, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	02–02–2015	3	1	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	04–02–2015
9.	02/2014	(115)	प्रभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय स्टेशन, पूणे भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली के अधीनस्थ	02–02–2015	3	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	04–02–2015
10.	02/2014	(109)	प्रभागाध्यक्ष, सीटीआरआई क्षेत्रीय स्टेशन,जिलुगुमिली, पूर्वी गोदावरी (आं.प्र), केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुन्द्री के अधीनस्थ	23–02–2015	2	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	25–02–2015
11.	02/2014	(118)	प्रभागाध्यक्ष, सामाजिक–आर्थिक एवं विस्तार प्रभाग, पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. का अनुसंधान परिसर, पटना	20–03–2015	7	3	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	06–04–2015
12.	02/2014	(125)	प्रभागाध्यक्ष, प्रयोगों के डिजाइन का प्रभाग, भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	27–03–2015	4	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	06–04–2015

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	कारण	परिषद को संस्तुतियां भेजने की तिथि
13.	02/2014	(128)	प्रभागाध्यक्ष, रासायनिक और जैव रासायनिक प्रसंस्करण प्रभाग, केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	27–03–2015	6	1	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	07–04–2015
वरिष्ठ वैज्ञानिक									
1.	01/2013	(71)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कम्प्यूटर एप्लीकेशन), यूएसआई प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	15–04–2014	13	1	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	21–04–2014
2.	01/2013	(79)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कम्प्यूटर एप्लीकेशन), भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	15–04–2014	10	1	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	21–04–2014
3.	01/2013	(162)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कम्प्यूटर एप्लीकेशन), भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	15–04–2014	5	1	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	21–04–2014
4.	01/2013	(133)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि आर्थिकी), भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	15–04–2014	6	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	21–04–2014
5.	01/2013	(171)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि आर्थिकी), भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	15–04–2014	7	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	21–04–2014
6.	01/2013	(84)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि ढांचा एवं पर्यावरण प्रबंधन), केन्द्रीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	17–04–2014	3	1	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	23–04–2014
7.	01/2013	(87)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (व्यपापार संचार व्यवस्था), राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	17–04–2014	8	1	0	कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं	23–04–2014
8.	01/2013	(169)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान), आगरा अधीनस्थ अनुसंधान केन्द्र, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून	21–04–2014	10	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	30–04–2014
9.	01/2013	(110)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान), केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर	24–04–2014	9	2	1	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	30–04–2014

वर्ष 2014–15 के दौरान भा.कृ.अनु.प. के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	साक्षात्कार की दिनांक	उम्मीदवार
1.	पशु रोग विज्ञान	10–11–2014	1
2.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	10–11–2014	3
3.	मत्स्य पालन	11–11–2014	3
4.	कृषि आर्थिकी	11–11–2014	10
5.	मत्स्य पोषण	11–11–2014	2
6.	मत्स्य अनुवांशिकी एवं प्रजनन	11–11–2014	1
7.	मत्स्य रोग विज्ञान	11–11–2014	1
8.	कृषि विस्तार	12–11–2014	11
9.	मछली और मत्स्य विज्ञान	12–11–2014	7
10.	सस्य विज्ञान	13–11–2014	15
11.	पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन	13–11–2014	4
12.	पशुपोषण	13–11–2014	4
13.	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	14–11–2014	9
14.	जैव रसायनिकी	14–11–2014	6
15.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	14–11–2014	3
16.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	14–11–2014	4
17.	भूगोल	14–11–2014	1
18.	जैव प्रोद्योगिकी	14–11–2014	1
19.	पशु चिकित्सा सूक्ष्म जैविकी	17–11–2014	3
20.	कृषि में कम्प्यूटर एपलीकेशन	17–11–2014	3
21.	मृदा विज्ञान भूतत्व	17–11–2014	3
22.	पशु चिकित्सा लोक स्वास्थ	17–11–2014	1
23.	पशु चिकित्सा शरीर विज्ञान	18–11–2014	5
24.	रसायन विज्ञान	18–11–2014	4
25.	मृदारसायन/उर्वरता/सूक्ष्म जैविकी	18–11–2014	7
26.	मृदा भौतिकी एवं मृदा जल संरक्षण	26–11–2014	1
27.	कृषि सांख्यिकी	26–11–2014	7
28.	कृषि मौसम विज्ञान	27–11–2014	1
29.	खाद्य एवं पोषण	27–11–2014	1
30.	कपड़ा उद्योग	27–11–2014	1

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	साक्षात्कार की दिनांक	उम्मीदवार
31.	वानिकी	27–11–2014	1
32.	भौतिक–विज्ञान	27–11–2014	1
33.	कृषि संरचना प्रसंस्करण एवं अभियांत्रिकी	28–11–2014	3
34.	खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	28–11–2014	1
35.	बीज प्रौद्योगिकी	10–12–2014	3
36.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	10–12–2014	2
37.	जैव रसायन (पादप)	10–12–2014	1
38.	सूक्ष्म जैविकी (पादप)	10–12–2014	1
39.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान	11–12–2014	5
40.	अनुवांशिक एवं कोशिका जनन प्रकरण	11–12–2014	5
41.	पादप रोग विज्ञान	11–12–2014	4
42.	पादप प्रजनन	12–12–2014	11
43.	जैव प्रौद्योगिकी	16–12–2014	11
44.	कृषि कीट विज्ञान	17–12–2014	11
45.	बागवानी	18–12–2014	12
	कुल		**195**

वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों से प्रधान वैज्ञानिक पदों (न्यायिक मामलों की समीक्षा) पर किए गए मूल्यांकनों का विषय क्षेत्रवार विवरण

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	साक्षात्कार दिनांक	साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों की संख्या
1.	पशुधन उत्पादन प्रबन्धन	06–05–2014	01
2.	कृषि विस्तार	06–05–2014	01
3.	कृषि रसायनिकी	06–05–2014	02
4.	कृषि सांख्यिकी	06–05–2014	05
5.	कृषि विज्ञान	07–05–2014	01
6.	कृषि संरचना एवं प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	07–05–2014	01
7.	फार्म एवं मशीनरी पॉवर	07–05–2014	03
8.	भूगोल	07–05–2014	01
9.	भौतिक विज्ञान	08–05–2014	02
10.	मृदा रसायन/उरर्वता/सूक्ष्म जैविकी	08–05–2014	04
11.	कपड़ा रसायनिकी	08–05–2014	01
12.	विद्युत अभियांत्रिकी	08–05–2014	01
13.	कृषि कीट विज्ञान	08–05–2014	07
14.	अनुवांशिक एवं कोशिका जनन प्रकरण	09–05–2014	03
15.	नेमेटोलोजी	12–05–2014	05
16.	पादप प्रजनन	13–05–2014	04
17.	पादप रोग विज्ञान	15–05–2014	05
	कुल		**47**

परिशिष्ट–7(स)

वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों से प्रधान वैज्ञानिक पदों (दिनांक 31.12.1998 से प्रभावी कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत) पर किए गए मूल्यांकनों का विषय क्षेत्रवार विवरण

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	साक्षात्कार की दिनांक	साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों की संख्या
1.	जैव–रसायन (पौध विज्ञान)	09–05–2014	01
2.	पादप प्रजनन	13–05–2014	01
3.	मत्स्य एवं मात्स्यिकी विज्ञान	06–06–2014	01
	कुल		**3**

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन

क्र.सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
1.	**पशु विज्ञान**	
i)	केन्द्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, राजस्थान	1
ii)	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	3
iii)	केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	2
iv)	राष्ट्रीय पशु पोषण और कायिकी संस्थान, बेंगलूरू	1
v)	राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर	1
vi)	केन्द्रीय घोड़ा अनुसंधान केन्द्र, हिसार	1
vii)	राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केन्द्र, मेडजीफेमा, नागालैंड	3
viii)	केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम	1
ix)	राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र, वेस्ट केमांग	1
2.	**फसल विज्ञान**	
i)	सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय, इंदौर	3
ii)	केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुंद्री	2
iii)	भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	1
iv)	केन्द्रीय धान अनुसंधान संस्थान, कटक	1
v)	राष्ट्रीय पादप अनुवांशिक अनुसंधान ब्यूरो, नई दिल्ली	1
vi)	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	1
vii)	केन्द्रीय रोपण फसलें अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	1
viii)	राष्ट्रीय कीट एकीकृत प्रबंधन केन्द्र, नई दिल्ली	1
ix)	रेपसीड एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	1
x)	तिलहन अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	1
3.	**कृषि शिक्षा**	
i)	राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबन्धन अकादमी, हैदराबाद	1
ii)	राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	1
4.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
i)	केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	2
ii)	केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	1
iii)	राष्ट्रीय जूट एवं संबद्ध रेशे प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकता	1
iv)	केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई	1

क्र.सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
5.	**मत्स्य पालन**	
i)	मत्स्य शीत जल अनुसंधान निदेशालय, भीमताल, नेनीताल	3
ii)	केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्चि	2
iii)	केन्द्रीय मत्स्यिकी तकनीकी संस्थान, कोचीन	2
iv)	राष्ट्रीय मछली आनुवांशिक संसाधन अनुसंधान ब्यूरो, लखनऊ	1
6.	**बागवानी**	
i)	केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	2
ii)	केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	1
iii)	भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	3
iv)	काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तूर	1
v)	औषधीय एवं सुगन्धीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द	1
vi)	मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन	2
vii)	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलूरू	2
viii)	भारतीय मसाले अनुसंधान संस्थान, कालीकट	3
ix)	केन्द्रीय उप उष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान, लखनऊ	3
x)	ताड़ के तेल अनुसंधान निदेशालय, पेदावेगी, पश्चिमी गोदावरी	1
7.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
i)	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अनुसंधान परिसर, इला, गोवा	1
ii)	केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	1
iii)	केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	1
iv)	पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का अनुसंधान परिसर, पटना	2
v)	केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	1
8.	**भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दिल्ली**	4
	कुल	**71**

संस्थानों की सूची जिनमें वर्ष 2014-15 के दौरान कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन

क्र.सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
1.	**पशु विज्ञान**	
i)	राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, करनाल	1
ii)	राष्ट्रीय पशु पोषण एवं शरीर विज्ञान संस्थान, बेंगलूरू	1
iii)	राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र, केमांग	1
iv)	भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	1
v)	राष्ट्रीय मीट अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद	1
2.	**फसल विज्ञान**	
i)	ज्वार अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	2
ii)	गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बाटूर	2
iii)	राष्ट्रीय कृषि कीट अनुसंधान संस्थान, बैंगलूरू	1
iv)	भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	1
v)	बीज अनुसंधान निदेशालय, मऊ	1
vi)	राष्ट्रीय कृषि महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीव ब्यूरों, मऊ	1
vii)	केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर	1
viii)	भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	1
ix)	केन्द्रीय कन्द फसल अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम	1
3.	**कृषि शिक्षा**	
i)	राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबन्धन अकादमी, हैदराबाद	1
ii)	भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	1
iii)	कृषि में महिलाओं पर अनुसंधान निदेशालय, भुबनेश्वर	1
4.	**कृषि प्रौद्योगिकी**	
i)	राष्ट्रीय जूट एवं संबद्ध रेशे प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकता	1
ii)	केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई	1
5.	**कृषि विस्तार**	
i)	जोनल परियोजना निदेशालय, जोन–4, जबलपुर	1
6.	**मत्स्य पालन**	
i)	केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्चि	1

क्र.सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
ii)	केन्द्रीय अंतः स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	1
iii)	मत्स्य ठंडा जल अनुसंधान निदेशालय, नेनीताल	1
7.	**बागवानी**	
i)	केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	1
ii)	राष्ट्रीय बीज मसाले अनुसंधान केन्द्र, अजमेर	1
iii)	औषधीय एवं सुगन्धीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द	1
iv)	केन्द्रीय शीपोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर	1
v)	राष्ट्रीय ऑर्किडस अनुसंधान केन्द्र, पेकयांग, सिक्किम	1
vi)	प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पूणे	1
8.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
i)	केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	1
ii)	राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, नागपुर	1
iii)	राष्ट्रीय अजैविक दबाव प्रबन्धन संस्थान, मालेगांव, महाराष्ट्र	1
iv)	केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	1
v)	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अनुसंधान परिसर, गोवा	1
vi)	परियोजना निदेशक कृषि प्रणाली अनुसंधान, मोदीपुरम	1
	कुल	**37**

वर्ष 2014–2015 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या

क्र.सं.	पद	स्वीकृति	स्थिति 31.3.2015	खाली / अतिरिक्त
1.	अध्यक्ष	1	1	–
2.	सदस्य	2	2	–
3.	सचिव / निदेशक	1	1	–
4.	परीक्षा नियंत्रक	1	2	+1
5.	उपसचिव	1	1	–
6.	प्रधान वैज्ञानिक	1	1	–
7.	अवर सचिव	1	1	–
8.	प्रधान निजी सविच	3	3	–
9.	अनुभाग अधिकारी	5	5	–
10.	वित्त एवं लेखा अधिकारी	1	1	–
11.	ए.सी. तकनीकी अधिकारी / मुख्य तकनीकी अधिकारी	2	2	–
12.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	3	–	3
13.	निजी सचिव	1	1	–
14.	उपनिदेशक (राजभाषा)	1	1	–
15.	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (कम्प्यूटर)	1	1	–
16.	निजी सहायक / आशुलिपिक	3	0	3
17.	खजांची (कैशियर)	1	–	01
18.	सहायक	16	15	1
19.	उच्च श्रेणी लिपिक	10	2	8
20.	निम्न श्रेणी लिपिक	4	–	4
21.	हिन्दी आशुलिपिक ग्रेड–II	1	–	1
22.	वाहन चालक	3	2	1
23.	कुशल सहायक कर्मचारी	15	4	11
	कुल	**78**	**46**	**32**

कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवा निवृतियां इत्यादि)

नियुक्तियां/कार्यभार ग्रहण करना

- श्री गुरूनाथगौडाहरकंगी, उपसचिव ने एनएआईपी,भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय से स्थानान्तरण पर कृ.वै.च.मं. में दिनांक 07 अप्रैल, 2014 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री कृष्ण गोपाल, सहायक ने वित्त प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय से स्थानांतरण पर कृ.वै.च.मं. में दिनांक 18 नवम्बर, 2014 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री आर.पी. यादव, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी ने एनएआईपी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय से स्थानांतरण पर कृ.वै.च.मं. में दिनांक 19 नवम्बर, 2014 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री सुभाषचन्द्र शर्मा, तकनीकी सहायक (ड्राइवर), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय से स्थानांतरण पर कृ.वै.च.मं. में दिनांक 05 फरवरी, 2014 को कार्यभार ग्रहण किया।

पदोन्नतियां/स्थानांतरण

- श्री एम.के. जैन, परीक्षा नियंत्रक–I का स्थानांतरण दिनांक 07 अप्रैल, 2014 को कृ.वै.च.मं. से बागवानी विज्ञान प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय में हो गया।
- श्री ए.के. मीना, अनुभाग अधिकारी का स्थानांतरण दिनांक 28 अगस्त, 2014 को कृ.वै.च.मं. से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय में हो गया।
- श्रीमती मोनिका मोहाले, अनुभाग अधिकारी का स्थानांतरण दिनांक 05 मई, 2014 को कृ.वै.च.मं. से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय में हो गया।
- श्रीमती उषा अधलखा, निजी सहायक का स्थानांतरण दिनांक 11 जुलाई, 2014 को कृ.वै.च.मं. से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय में हो गया।
- श्रीमती प्रियंका भट्टी, सहायक का स्थानांतरण दिनांक 09 अक्टूबर, 2014 को कृ.वै.च.मं. से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मुख्यालय में हो गया।
- श्री रविभूषण तिवारी, तकनीकी सहायक की पदोन्नति दिनाक 29 अक्टूबर, 2013 के प्रभाव से वरिष्ठ तकनीकी सहायक पद पर हुई।

अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा सेवा निवृत्ति के अवसर पर श्री सुरेशचन्द गुप्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान करते हुए।

सेवानिवृत्ति

श्री सुरेशचन्द गुप्ता, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी दिनांक 30 नवम्बर, 2014 को सेवा निवृत हुए।

शोक समाचार

डा. एस.ए.एच अबीदी, पूर्व सदस्य, कृ.वै.च.मं. का जन्म दिनांक 05 अप्रैल, 1940 को हुआ था और वे 14 जुलाई, 2014 को परलोक सिधार गए। उन्होंने 1978–81 के दौरान मत्स्य निदेशक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, पोर्टब्लेयर; 1981–82 के दौरान वैज्ञानिक (जैविक समुद्रीविज्ञान/प्रभारी अधिकारी, राष्ट्रीय समुद्री विज्ञान संस्थान के प्रादेशिक केन्द्र, मुम्बई; 1983 के दौरान उपसलाहकार, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; 1983–87 के दौरान प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी तथा 1987–95 के दौरान वरिष्ठ सलाहकार, समुद्री विकास विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली) के रूप में अनेक स्थानों पर कार्य किया। इन्होंने 1996–99 के दौरान केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान के निदेशक/उपकुलपति के रूप में तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में सदस्य के रूप में दिनांक 05 नवम्बर, 1999 से 04 अप्रैल, 2005 तक कार्य किया।

दिनांक 31.03.2015 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

डा. गुरबचन सिंह	अध्यक्ष
डा. वी.एन. शारदा	सदस्य
डा. एस. के. बन्दोपाध्याय	सदस्य
श्री नरेन्द्र सिंह रंधावा	सचिव
अधिकारीगण	
डा. ए.पी. रूहिल	प्रधान वैज्ञानिक
श्री राजीव मंगोत्रा	उपसचिव
श्री गुरुनाथ गोडा हरकांगी	परीक्षा नियंत्रक–I
श्री पी.के. जैन	परीक्षा नियंत्रक–II
डा. सुरेश पाल	मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्री पी.आर. राव	उपनिदेशक (राजभाषा)
श्री एन.के. जिन्दल	अवर सचिव
श्री कैलाश चन्द्र	प्रधान निजी सचिव
श्री वाई.आर. सिंह	प्रधान निजी सचिव
श्री मुकेश कुमार	प्रधान निजी सचिव
श्रीमती तन्द्रा भट्टाचार्या	सहायक मुख्यतकनीकी अधिकारी
श्री आर.पी. यादव	वित्त एवं लेखा अधिकारी
श्री नरेश कुमार शर्मा	अनुभाग अधिकारी
श्री ए.के. यादव	अनुभाग अधिकारी
श्रीमती रीता घोषाल	अनुभाग अधिकारी
श्री उमेश गहलोत	अनुभाग अधिकारी
श्री संदीप चौधरी	अनुभाग अधिकारी
श्री अनिल उपाध्याय	निजी सविच
कर्मचारी वर्ग	
श्री दिनेश कुमार मिश्रा	सहायक
श्री राजेन्द्र कुमार	सहायक
श्री मुकेश चन्द	सहायक
श्रीमती रविन्द्र कौर	सहायक
श्रीमती आशु बावेजा	सहायक
श्री सतीश पाल सिंह	सहायक

श्री जितेन्द्र कुमार	सहायक
श्री भरत लाल मीणा	सहायक
श्री विनोद कुमार	सहायक
श्री सुजीत कुमार वर्मा	सहायक
श्री डी.एस. रावत	सहायक
श्री प्रताप सिंह	सहायक
श्री कृष्ण गोपाल	सहायक
श्री रूआल मुअन थंग थोम्ते	सहायक
श्रीमती वीना सिक्का	सहायक
श्री रवि भूषण तिवारी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
श्री सुख पाल सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री रोशन सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री सुरेन्द्र कुमार	वाहन चालक
श्री सुभाष चन्द्र शर्मा	वाहन चालक
श्री जगत नारायण	कुशल सहायक कर्मचारी
श्री दया राम शुक्ला	कुशल सहायक कर्मचारी
श्री सुरेश कुमार	कुशल सहायक कर्मचारी
श्री शिव प्रसाद	कुशल सहायक कर्मचारी

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल
में आयोजित कार्यशाला सह विचार मंथन कार्यक्रम के प्रतिभागीगण